RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 72
नई दिल्ली, सोमवार, 17 जनवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

लक्ष्य सेन ने जीता एकल खिताब
स्पोर्ट्स-12

सपा-रालोद गठबंधन का समर्थन करेगी भाकियू

- किसान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत ने की घोषणा
- पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान सपा में शामिल
- अपना दल से विधायक डॉ. आर के वर्मा ने भी थामा समाजवादी पार्टी का दामन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ, मुजफ्फरनगर

लखनऊ में पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान को सपा की टोपी पहनाते अखिलेश यादव

भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत ने उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी-राष्ट्रीय लोक दल (रालोद)के उम्मीदवारों को समर्थन देने की घोषणा की है। रालोद और सपा गठबंधन ने शनिवार को सात प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी की थी। सोशल मीडिया पर प्रकाशित उक्त सूची के अनुसार, सभी उम्मीदवार जयंत चौधरी नीत रालोद के सदस्य हैं। टिकैत ने यहां सिसौली में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस गठबंधन के प्रत्याशियों को राज्य के लोग समर्थन देंगे। दूसरी ओर प्रदेश की योगी सरकार में मंत्री रहे दारा सिंह चौहान एवं अपना दल से विधायक डॉ. आर के वर्मा रविवार को समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। उन्हें सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस मौके दारा सिंह चौहान ने जबरदस्त तरीके से प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि भाजपा पिछड़ों का हक मार रही है। आरक्षण को खत्म किया जा रहा है। पिछड़े समाज के बच्चों का आरक्षण खत्म कर उनको शिक्षा से वंचित रखने की साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि उनकी घर वापसी हो रही है। समाजवादी पार्टी उनका पुराना घर है। सभी दलित और पिछड़े समाज के लोग अब लामबंद हो गए हैं। यह सुनामी अब कोई रोकने वाला नहीं है। इस बार के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी और अखिलेश यादव फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे। पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश भर के लोग यहां आ रहे थे पर उन्हें जगह जगह रोक दिया गया है। मैं चौहान समाज के सम्मान के लिए सपा के साथ आया हूं। भाजपा ने सबका साथ सबका विकास की बात की थी लेकिन विकास चंद लोगों का हुआ। लोगों को गुलाम बनाने की साजिश रची जा रही है लेकिन पिछड़ा समाज जाग गया है। कोई साजिश कामयाब नहीं होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में दलित, पिछड़ों को रोजगार नहीं मिल रहा है।

प्रदेश के नौजवानों व किसानों ने कभी भाजपा का साथ दिया था लेकिन भाजपा ने धोखा दिया। युवाओं पर लाठीचार्ज की जा रही है। इसकी कीमत भाजपा चुकाएगी। अब हर समाज के लोग सपा के साथ है। इस मौके पर अखिलेश यादव ने कहा कि दलित और पिछड़े समाज के लोग समझ चुके हैं कि भाजपा निजीकरण की नीति पर काम कर रही है जिससे कि आरक्षण को खत्म किया जा सके और संविधान को कमजोर किया जा सके। उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत पर भाजपा को उसके मंसूबों में सफल नहीं होने दिया जाएगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान एवं अपना दल से

सपा के दो एमएलसी भाजपा में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- कानपुर के पूर्व पुलिस आयुक्त असीम अरुण ने भी ली पार्टी की सदस्यता

कानपुर के पूर्व पुलिस आयुक्त असीम अरुण के अलावा समाजवादी पार्टी के दो विधान परिषद सदस्यों (एमएलसी) शैलेंद्र प्रताप सिंह व घनश्याम लोधी, पूर्व विधायक ओमप्रकाश वर्मा तथा पूर्व आईएएस अधिकारी राम बहादुर ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। असीम अरुण ने भाजपा मुख्यालय में सुबह जबकि बाकी नेताओं ने अपराह्न करीब चार बजे पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और केंद्रीय मंत्री एवं पार्टी के सह चुनाव प्रभारी अनुराग ठाकुर ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय में असीम अरुण को पार्टी की सदस्यता दिलाई। ठाकुर ने कहा कि फर्क साफहो चुका है। समाजवादी पार्टी में वो लोग हैं जो दंगा करवाते हैं और भाजपा में वो लोग शामिल हो रहे हैं जो दंगों को रोकते हैं। उनकी सूची देख लें उम्मीदवार नंबर एक जेल में है और सूची का अंतिम आदमी बेल पर है। ठाकुर ने कहा कि सपा की सूची में पहला उम्मीदवार नाहिद हसन हिस्ट्रीशीटर है, कल ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है। उम्मीदवार नंबर एक के बारे में पूरा प्रदेश जनता है, जो जेल में है। लिस्ट में आखिरी प्रत्याशी अब्दुल्ला आजम है जो 43 मामलों में बेल पर है।

शुभारंभ जेल वालों से किया है, समापन बेल वालों से। जेल और बेल का इनका खेल उत्तर प्रदेश के लिए अहितकर है। रविवार को अपराह्न करीब चार बजे प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भाजपा मुख्यालय में सुलतानपुर-अमेठी निकाय निर्वाचन क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के विधान परिषद के सदस्य शैलेंद्र प्रताप (शेष पेज 9)

टिकट नहीं मिलने पर बागी हुए चन्नी के भाई, निर्दलीय लड़ेंगे

मोनिका मलिक। चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री चरनजीत सिंह के घर में ही राजनीतिक विद्राहे हो गया है। सरकारी नौकरी छोड़कर राजनीति में आए उनके छोटे भाई डॉ. मनोहर सिंह ने आजाद उम्मीदवार के रूप में बस्सी पठाना से कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। इस खबर के साथ ही चरनजीत और उनके भाई की राहें अलग हो गई हैं। कांग्रेस की नई नीति एक परिवार और एक टिकट के चलते चन्नी अपने भाई को टिकट नहीं दिलवा पाए थे। इस नए नियम के चलते वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुनील जाखड़ और ब्रह्म मोहिंद्रा ने अपनी अगली पीढ़ी के लिए रास्ता साफ कर पार्टी के टिकटों पर अपनी दावेदारी छोड़ दी। जाखड़ के भतीजे संदीप जाखड़ अबोहर (शेष पेज 9)

देश में आठ माह में आए सबसे अधिक केस, दिल्ली में राहत

- संक्रमण के 2,71,202 मरीज मिले, केस लोड बढ़कर 3.71 करोड़ हुआ, जिसमें 7,743 ओमीक्रोन के मामले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत में रविवार को 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 2,71,202 नए मामले आए हैं। ये पिछले आठ महीनों में एक दिन में यह सबसे अधिक आंकड़ा है। अब कुल कोविड केस लोड बढ़कर 3.71 करोड़ हो गया, जिसमें 7,743 मरीज ओमीक्रोन के भी शामिल हैं। राष्ट्रीय राजधानी में पिछले तीन-चार दिन से केस लगातार घट रहे हैं। यहां रविवार को 18,286 मामले सामने आए और 28 रोगियों की मौत हुई।

राजधानी दिल्ली में संक्रमण दर गिर कर 27.87 प्रतिशत पर आ गई है जो एक दिन पहले 30.64 प्रतिशत थी। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में शनिवार को संक्रमण के 20,718 मामले सामने आए थे और 30 रोगियों की मौत हुई थी। महामारी फैलने के बाद से दिल्ली में एक दिन में संक्रमण के सबसे अधिक मामले बृहस्पतिवार को 28,867 सामने आए थे। देश में रविवार को 314 लोगों की मौत हुई जिसमें केरल के 106 और पश्चिम बंगाल के 39 लोग शामिल हैं। कोरोना वायरस के नए वैरिएंट के 1,702 मामलों (शेष पेज 9)

स्कूलों को बंद रखने का औचित्य नहीं: विश्व बैंक के शिक्षा निदेशक

भाषा। नई दिल्ली

विश्व बैंक के वैश्विक शिक्षा निदेशक जैमे सावेद्रा के अनुसार महामारी को देखते हुए स्कूलों को बंद रखने का अब कोई औचित्य नहीं है और भले ही नई लहरें आएं स्कूलों को बंद करना अंतिम उपाय ही होना चाहिए। सावेद्रा की टीम शिक्षा क्षेत्र पर कोविड-19 के प्रभाव पर नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि स्कूलों को फिर से खोलने से कोरोना वायरस के मामलों में वृद्धि हुई है और स्कूल सुरक्षित स्थान नहीं हैं। सावेद्रा ने कहा कि लोक नीति के नजरिए से बच्चों के टीकाकरण तक इंतजार करने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि इसके पीछे कोई विज्ञान नहीं है। वाशिंगटन से पीटीआई को दिए गए साक्षात्कार में सावेद्रा ने कहा, स्कूल खोलने और कोरोना वायरस के प्रसार के बीच कोई संबंध नहीं है। दोनों (शेष पेज 9)

उत्तराखंड में कैबिनेट मंत्री हरक सिंह भाजपा से निष्कासित

- कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें, मुख्यमंत्री धामी ने रावत को मंत्रिपरिषद से बर्खास्त किया

भाषा। देहरादून

उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत को भाजपा ने रविवार को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने भाषा को बताया कि प्रदेश पार्टी अध्यक्ष मदन कौशिक के निर्देश पर रावत को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है।

कौशिक के हवाले से उन्होंने बताया कि अनुशासनहीनता के चलते रावत को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी में अनुशासनहीनता को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस बीच, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी रावत को मंत्रिपरिषद से बर्खास्त कर दिया है। पौड़ी गढ़वाल जिले की कोटद्वार विधानसभा सीट से विधायक रावत अपनी सीट बदलने के साथ ही अपनी पुत्रवधू अनुकृति के लिए भी भाजपा से टिकट मांग रहे थे। समझा जाता है कि इन मुद्दों पर भाजपा के राजी न होने पर उनके कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों के बीच उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। उल्लेखनीय है कि चुनाव के मौसम में नेता दल बदलने में माहिर होते हैं।

शाह 22 के बाद यूपी में तेज कर सकते हैं प्रचार अभियान

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह के अगले सप्ताह से उत्तर प्रदेश में कई बैठकें करने की संभावना है क्योंकि पार्टी राज्य में सत्ता बनाए रखने के लिए अपने चुनावी अभियान को तेज करना चाहती है। निर्वाचन आयोग द्वारा जनसभा और रोड शो आयोजित करने पर लागू रोक को 22 जनवरी तक विस्तार दिए जाने के साथ ही भाजपा नेतृत्व पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम तय करने में जुटा है। शाह शनिवार के बाद अपने उत्तर प्रदेश दौरे की शुरुआत करेंगे और वह संगठन के नेताओं के साथ बैठकें भी करेंगे। सूत्रों ने बताया कि अगर प्रतिबंध लागू भी रहते हैं तो निर्वाचन आयोग ने कुछ शर्तों के साथ बंद जगहों पर बैठक करने की अनुमति दी है। भाजपा के एक वरिष्ठ (शेष पेज 9)

सीमा के पास सड़क बनाने पर नेपाल ने भारत से जतायी आपत्ति

भाषा। काठमांडू

नेपाल सरकार ने रविवार को एक बार फिर दोहराया कि लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी देश के अभिन्न अंग हैं और भारत से अपील की कि क्षेत्र में सभी निर्माण गतिविधियां बंद कर दे। साथ ही कहा कि वह कूटनीतिक माध्यम के जरिए सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है। काठमांडू में भारतीय दूतावास द्वारा एक बयान जारी करने के एक दिन बाद यह टिप्पणी आई है। भारतीय दूतावास ने कहा था कि नेपाल के साथ सीमा को लेकर भारत का रुख सर्वविदित, सुसंगत है और स्पष्ट है। इस बारे में नेपाल की सरकार को बता दिया गया है।

बयान में कहा गया, हमारा मत है कि स्थापित अंतर सरकारी तंत्र और माध्यम वार्ता के लिए सबसे उपयुक्त हैं। इसने कहा, हमारे करीबी एवं मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों की भावना के अनुरूप लंबित सीमा मुद्दों का समाधान किया जा सकता है। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ज्ञानेंद्र बहादुर कर्की ने रविवार को कहा कि नेपाल सरकार इस तथ्य को लेकर दृढ़ और स्पष्ट है कि महाकाली नदी के पूर्व में (शेष पेज 9)

भारत ने श्रीलंका में भारतीय मूल के लाभार्थियों को एक हजार घर सौंपे

कोलंबो (भाषा)। भारत ने पोंगल के अवसर पर श्रीलंका में अपनी आवासीय योजना के तीसरे चरण के तहत निर्मित एक हजार से अधिक घर भारतीय मूल के लाभार्थियों को सौंप दिए। इनमें अधिकतर तमिल लाभार्थी शामिल हैं। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने रविवार को यह जानकारी दी। भारतीय उच्चायोग की ओर से जारी बयान के मुताबिक, श्रीलंका के सात जिलों में बागान कर्मियों के लिए भारत से मिली वित्तीय सहायता के जरिए तीसरे चरण में लगभग चार हजार मकान बनाए जा रहे हैं। भारतीय (शेष पेज 9)

गैरकानूनी फतवों पर एनसीपीसीआर सख्त

भाषा। नई दिल्ली

- राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने उप्र सरकार से दारुल उलूम देवबंद पोर्टल की जांच करने को कहा

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने गैरकानूनी और भ्रमित करने वाले फतवों को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार से दारुल उलूम देवबंद की वेबसाइट की जांच करने को कहा है। बच्चों के अधिकारों से संबंधित शीर्ष निकाय ने शनिवार को राज्य के मुख्य सचिव से यह भी कहा कि जब तक इस तरह की सामग्री हटा नहीं ली जाती है तब तक इसकी पहुंच को प्रतिबंधित कर दिया जाए। आयोग ने कहा कि एक शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की गई है जिसमें आरोप लगाया गया है कि वेबसाइट पर फतवों की सूची है जो देश के कानून के अनुसार प्रदान किए गए प्रावधानों के खिलाफ हैं।

मुख्य सचिव को लिखे पत्र में आयोग ने कहा है, शिकायत पर बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम की धारा 13 (1) (जे) के तहत संज्ञान लेते हुए, शिकायत और वेबसाइट की जांच करने के बाद यह पता चला है कि लोगों द्वारा उठाए गए मसलों के जवाब में दिए गए स्पष्टीकरण और उत्तर, देश के कानूनों और अधिनियमों के अनुरूप नहीं हैं। इसमें कहा गया है कि इस तरह के बयान बच्चों के अधिकारों के विपरीत हैं और वेबसाइट तक खुली पहुंच उनके लिए हानिकारक है। पत्र में कहा गया है, इसलिए, अनुरोध है कि इस संगठन की वेबसाइट की पूरी तरह से जांच की जाए, ऐसी किसी भी सामग्री को तुरंत हटा दिया जाए।

इसमें कहा गया है, जब तक गैरकानूनी बयानों के प्रसार और पुनरावृत्ति से बचने तथा हिंसा, दुर्व्यवहार, उपेक्षा, उत्पीड़न, बच्चों के खिलाफ भेदभाव की घटनाओं को रोकने के लिए ऐसी सामग्री को हटाया नहीं जाता है तब तक वेबसाइट तक पहुंच को रोका जा सकता है। आयोग ने राज्य सरकार से भारत के संविधान, भारतीय दंड संहिता, किशोर न्याय अधिनियम, 2015 और शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के प्रावधानों का कथित रूप से उल्लंघन करने के लिए संस्थान के खिलाफ आवश्यक कार्वाई करने के लिए भी कहा है।एनसीपीसीआर ने उत्तर प्रदेश सरकार को 10 दिनों के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है।

इस बीच स्टूडेंट्स इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडिया (एसआईओ) ने दारुल उलूम देवबंद के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने के लिए एनसीपीसीआर पर रविवार को निशाना साधा। एसआईओ ने इसे कुछ चुनिंदा फतवों के जरिए मदरसों और उसकी शिक्षा को निशाना बनाए जाने का एक और प्रयास करार दिया। एसआईओ ने कहा कि फतवा, कुछ धार्मिक विद्वानों का निजी विचार होता है और धर्म का अनुसरण करने वाले इसे मानने को बाध्य नहीं होते। एसआईओ के राष्ट्रीय सचिव फवाज शाहीन ने एक बयान में कहा, फतवे, निजी एवं सामाजिक जीवन से जुड़े विभिन्न मुद्दों के संदर्भ में केवल धार्मिक विद्वानों के निजी विचार होते हैं। तथ्य यह भी है कि एक खास मुद्दे पर कभी-कभी (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	61,223	
निफ्टी	18,255	
सोना	47,005	/10g
चांदी	61,005	/kg

क्विक न्यूज

उत्तर प्रदेश में स्कूल-कॉलेज 23 जनवरी तक बंद

लखनऊ। कोरोना की तीसरी लहर के प्रसार व ठंड को देखते हुए सरकार ने सभी स्कूल व कालेजों को 23 जनवरी तक बंद रखने का निर्णय लिया है। इससे पूर्व सरकार की तरफसे 16 जनवरी तक स्कूल-कालेज बन्द रखने के निर्देश सरकार की तरफसे दिए गए थे। उधर राज्य सरकार के निर्णय को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय ने 23 जनवरी तक विश्वविद्यालय को बंद कर दिया है। कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के चलते प्रदेश शासन ने फिलहाल अभी शैक्षणिक संस्थान बंद रखने के निर्णय को बरकरार रखा है। अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल के मुताबिक स्कूल और कालेज समेत सभी शैक्षिक संस्थान अब 23 जनवरी तक बंद रहेंगे।

राजधानी में बढ़ी ठंड, हजारों लोग फुटपाथ पर रात गुजारने को मजबूर

भाषा। नई दिल्ली

दिल्ली में ठंड लगातार लोगों की परेशानी बढ़ा रही है लेकिन इस बार सामाजिक दूरी के नियम के चलते रैन बसेरों की कमी पड़ गयी है। ओडिशा का मूल निवासी 40 वर्षीय रिक्शा चालक मुकेश साहू दिल्ली की भीषण ठंड में फतेहपुरी और चांदनी चौक के बाजारों के गलियारों में रात गुजारने को मजबूर है। वह सर्दी से राहत पाने के लिए अक्सर अलाव सेंकता है, लेकिन वह जगह की कमी के चलते पास के रैन बसेरे में नहीं रह सकता।

साहू ने कहा, पहले, मैं चांदनी चौक स्थित रैन बसेरे में ही सोता था, लेकिन बीती सर्दी से सामाजिक दूरी के नियमों के पालन की अनिवार्यता के चलते मुझे वहां जगह ही नहीं मिलती। साहू की तरह दिल्ली में हजारों अन्य बेघर भीषण सर्दी से जूझते हुए पुल के नीचे बने फुटपाथ, बस अड्डों और उपमार्गों पर सर्द रातें काटने को मजबूर हैं। बिहार के समस्तीपुर का रहने वाला दिहाड़ी मजदूर अहमद अली कहता है, मुझे ठंडी हवाओं के चलते फुटपाथ पर सोने से डर लगता है। रैनबसेरों में या तो जगह की कमी है या उनकी हालत खस्ता है, इसलिए मैं कश्मीरी गेट पर एक पुल के नीचे रात गुजारता हूं।

2014 में हुए एक सरकारी सर्वेक्षण के मुताबिक, दिल्ली में 16 हजार से अधिक बेघर लोग हैं, लेकिन बेघरों के लिए काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों का दावा है कि यह संख्या एक लाख के करीब हो सकती है। सरकारी प्राधिकारियों का कहना है कि बेघरों के रहने के लिए पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं। दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड के एक अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर पीटीआई-भाषा से कहा कि राष्ट्रीय राजधानी (शेष पेज 9)

महामारी में 1.47 लाख बच्चों के सिर से उठा साया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- मां-बाप दोनों को खोने वाले बच्चों की संख्या 10 हजार
- दोनों में से किसी एक से वंचित हुए बच्चों का आंकड़ा 1.37 लाख
- राजधानी दिल्ली में अनाथ बच्चों की संख्या 6,629

नई दिल्ली में एक कोविड अस्पताल में काम करते चिकित्साकर्मी

कोरोना महामारी के दौरान पिछले लगभग पौने दो साल में देश में लगभग 1,47,492 बच्चों के सिर से मां या पिता या फिर दोनों का साया उठ गया। मां और पिता दोनों को खोकर अनाथ हुए बच्चों की संख्या 10,094 है। माता या पिता में से किसी एक को खोने वाले बच्चों की संख्या 1,36,910 है जबकि छोड़ दिए गए बच्चों की संख्या 488 है। अब इनका कोई सहारा नहीं है। राजधानी दिल्ली में ऐसे बच्चों की संख्या 6,629 है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने उच्चतम न्यायालय में 1 अप्रैल, 2020 से अब तक की रिपोर्ट दाखिल कर ये आंकड़े सामने रखे हैं।

कोविड-19 महामारी के दौरान माता-पिता को खो चुके बच्चों की देखभाल और सुरक्षा को लेकर स्वत: संज्ञान वाले मामले में एनसीपीसीआर ने कहा कि यह जानकारी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा अपने बाल स्वराज पोर्टल- कोविड केयर पर 11 जनवरी तक अपलोड किए गए आंकड़ों पर आधारित हैं। अधिवक्ता स्वरूपमा चतुर्वेदी के माध्यम से दायर हलफनामे में कहा गया है कि 11 जनवरी तक अपलोड किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाले बच्चों की कुल संख्या 1,47,492 है। इनमें अनाथ बच्चों की संख्या 10,094 और माता या पिता में से किसी एक को खोने वाले बच्चों की संख्या 1,36,910 और परित्यक्त बच्चों की संख्या 488 हैं। आयोग के अनुसार, लिंग के आधार पर 1,47,492 बच्चों में से 76,508 लड़के, 70,980 लड़कियां और चार ट्रांसजेंडर हैं। हलफनामे में कहा गया है कि कुल बच्चों में से सबसे अधिक 59,010 बच्चे आठ से 13 साल आयु वर्ग के हैं, जबकि दूसरे स्थान पर चार से सात वर्ष के बच्चे हैं, जिनकी कुल संख्या 26,080 है। आंकड़े बताते हैं कि 14 से 15 साल के बच्चों की कुल संख्या 22,763 और 16 से 18 वर्ष आयुवर्ग के बच्चों की कुल संख्या 22,626 है। आयोग ने बच्चों के आश्रय की वर्तमान स्थिति की भी जानकारी दी है, जिसके अनुसार अधिकतम बच्चे (1,25,205) माता या पिता में से किसी एक के साथ हैं, जबकि 11,272 बच्चे परिवार के सदस्यों के साथ और 8,450 बच्चे अभिभावकों के साथ हैं। हलफनामे में कहा गया है कि 1,529 बच्चे बाल गृहों में, 19 खुले आश्रय गृहों में, दो अवलोकन गृहों में, 188 अनाथालयों में, 66 विशेष गोद लेने वाली एजेंसियों में और 39 छात्रावासों में हैं। अप्रैल 2020 से कोविड और अन्य कारणों से अपने माता या पिता या माता-पिता दोनों को खोने वाले बच्चों का राज्यवार विवरण देते हुए आयोग ने कहा कि ऐसे बच्चों की अधिकतम संख्या ओडिशा (24,405) से है, इसके बाद महाराष्ट्र (19,623), गुजरात (14,770), तमिलनाडु (11,014), उत्तर प्रदेश (9,247), आंध्र प्रदेश (8,760), मध्य प्रदेश (7,340), पश्चिम बंगाल (6,835) दिल्ली (6,629) और राजस्थान (6,827) का स्थान आता है। आयोग ने शीर्ष अदालत को सूचित किया (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 17 जनवरी 2022

टिकट की घोषणा होते ही कई चेहरों पर छाई मायूसी

करोड़ों के पोस्टर बैनर भी नहीं आए काम

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर की दादरी विधानसभा से एक बार फिर तेजपाल नागर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वास जताया है। तेजपाल नागर को दोबारा भाजपा ने अपना उम्मीदवार घोषित किया है। जहां एक तरफ तेजपाल नागर का टिकट होने से लोग खुश हैं तो वहीं दूसरी तरफ जिन लोगों ने करोड़ों रुपए खर्च करके अपने आपको बड़े नेताओं के सामने पोस्टर पर लटकाया था, वो पोस्टर पर लटके ही रह गए।

दादरी विधानसभा उम्मीदवार बनने के लिए काफी नेता दौड़ में शामिल थे। सबसे आगे नाम सतेंद्र अवाना का चल रहा था। सतेंद्र अवाना ने दादरी विधानसभा से टिकट पाने के लिए बड़े नेताओं के यहां खूब हाजिरी लगाई। जब ग्रेटर नोएडा में जन विश्वास यात्रा निकली तो सबसे ज्यादा होल्डिंग खंबे और रेलिंग पर सतेंद्र अवाना के ही लटके मिले। सतेंद्र अवाना को लगता था कि इस बार दादरी विधानसभा से उनका टिकट पक्का है। दादरी में हुए मिहिर भोज मामले में विवादों के दौरान सबसे आगे नाम सतेंद्र अवाना का ही था। जन विश्वास यात्रा के दौरान सतेंद्र अवाना ने करोड़ों रुपए खर्च करके अपने आपको बड़े नेताओं के सामने बड़ा बनने का प्रयास किया, लेकिन इससे कोई फायदा ना हो सका। आखिरकार सतेंद्र अवाना होर्डिंग और बैनर पर ही लटके रह गए।

वहीं दादरी से टिकट पाने की दौड़ में हिस्ट्रीशीटर पवन त्यागी का भी नाम शामिल था। पवन त्यागी भी सतेंद्र अवाना की तरह कुछ महीने पहले मैदान में खड़े हुए थे, उन्होंने भी जन विश्वास यात्रा के दौरान दादरी से टिकट पाने के लिए बेहद जोर लगाए, लेकिन बड़े हार्डिंग लगाने से हाईकमान पर कोई असर नहीं पड़ा।

दादरी विधानसभा की दावेदारी में कुछ दिनों पहले आई बेवन नागर का भी नाम शामिल था। बेवन नागर को जन विश्वास यात्रा से 2 दिनों पहले ही भाजपा की सदस्यता मिली। इसके बाद बेवन नागर ने अपने आपको जेवर विधानसभा प्रत्याशी बनने के सपने देखने लगी थी, लेकिन सपने तो सपने ही होते हैं। वह गौतमबुद्धनगर की तीनों विधानसभा सीटों में से दादरी पर एकलौती महिला थी, जो दावेदारी कर रही थी। दादरी से टिकट मांगने की दौड़ में दादरी के ब्लॉक प्रमुख बिजेंद्र भाटी और बिसरख के ब्लॉक प्रमुख ओमपाल नागर भी दादरी के भाजपा के टिकट पर विधायक का चुनाव लड़ने के लिए काफी बेकरार थे, लेकिन वो भी पोस्टर नेता बनकर रह गए।

साहिबाबाद भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ प्रदर्शन

पार्टी पर लगाया पूर्वांचल समाज के लोगों की उपेक्षा का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

इंदिरापुरम थाने के बाहर प्रदर्शन करते पूर्वांचल समाज के लोग।

जिले की पांचों विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी ने पुराने विधायकों पर दांव खेलने के बाद विरोधी स्वर उठने लगे हैं। इसी कड़ी में साहिबाबाद के विधायक व भाजपा के प्रत्याशी सुनील शर्मा के खिलाफ पूर्वांचल समिति से जुड़े लोगों ने विरोध किया। पूर्वांचल समिति के लोग रविवार को थाना इंदिरापुरम के बाहर एकत्र हुए और जमकर नारेबाजी की। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और हंगामा कर रहे कुछ लोगों को हिरासत में लिया।

पूर्वांचल समिति के पदाधिकारी सुबोध गुप्ता का कहना है कि साहिबाबाद विधानसभा गाजियाबाद ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी विधानसभा है और इस विधानसभा में सबसे ज्यादा यानी 95 प्रतिशत प्रवासी लोग ही रहते हैं। उनमें भी 70 प्रतिशत लोग पूर्वांचल और बिहार से है। सुबोध गुप्ता ने सुनील शर्मा पर आरोप लगाया कि पूर्वांचल के अधिकतर लोग भाजपा का ही समर्थन करने वाले हैं। लेकिन उनका नेतृत्व करने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि मौजूदा विधायक पूर्वांचल के लोगों की हमेशा ही अनदेखी करते हैं। उन्होंने कहा कि सुनील शर्मा ने पूर्वांचल के लोगों के लिए कोई ठोस कार्य नहीं किया है।

संक्षिप्त समाचार

तीर्थनगरी बृजघाट में मां गंगा की पूजा करते भाजपा प्रत्याशी हरेंद्र तेवतिया।

भाजपा प्रत्याशी ने गंगा में चढ़ाई दूध की धार

हापुड़। तीर्थ नगरी बृजघाट में भाजपा प्रत्याशी हरेंद्र तेवतिया ने पत्नी ममता तेवतिया व भाजपा समर्थकों के साथ मां गंगा पर पहुंचकर पूजा-अर्चना कर मां गंगा में दूध की धार चढ़ाई। हरेंद्र सिंह तेवतिया ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के वंशज से मैं आता हूं और उसी घर में पैदा हुआ। तेवतिया ने बताया कि समय बहुत कम है और क्षेत्र बहुत बड़ा है सभी क्षेत्रों में घूमने के लिए वह प्रत्येक गांव जाकर लोगों की समस्याएं सुनेंगे और उनके पास जाकर उनका निवारण भी करेंगे। उन्होंने बताया कि वे तीन बार प्रमुख भी रह चुके हैं जो जनता में उनके लिए विश्वास है वह उसको बढ़ाने की कोशिश करेंगे।

सपा जिला कार्यालय में पार्टी की सदस्यता लेते कांग्रेस व बसपा के नेता।

कांग्रेस पार्षद माया देवी समेत कई सपा में शामिल

गाजियाबाद। समाजवादी पार्टी ने रविवार को एक बार फिर कांग्रेस व बहुजन समाज पार्टी को झटका दिया। महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष व पार्षद माया देवी और कांग्रेस के पुराने नेता त्रिलोक सिंह ने अपने समर्थकों के साथ रविवार को समाजवादी पार्टी में शामिल होने की घोषणा की। सपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष राशिद मलिक, महानगर अध्यक्ष राहुल चौधरी के समक्ष उन्होंने समाजवादी पार्टी में शामिल होने की घोषणा की। इस अवसर पर माया देवी ने कहा कि कांग्रेस अपने उद्देश्य से भटक गई है और कांग्रेस में कर्मठ कार्यकर्ताओं की कोई इज्जत नहीं बची है। इसलिए वह सपा में शामिल हो रही हैं। त्रिलोक सिंह ने कहा कि वह लंबे समय से कांग्रेस से जुड़े थे लेकिन आज उन्हें भारी मन के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल होना पड़ रहा है।

प्रत्याशी के प्रचार को नोएडा पहुंचे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री

- कोविड प्रोटोकॉल के उल्लंघन का केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा से कांग्रेस प्रत्याशी पंखुड़ी पाठक के लिए प्रचार करते छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 की तारीखें नजदीक आते ही प्रत्याशियों ने प्रचार के लिए कमर कस ली है। कांग्रेस नेता और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यूपी विधानसभा चुनाव से पहले नोएडा में कांग्रेस प्रत्याशी पंखुड़ी पाठक के लिए घर-घर जाकर प्रचार किया। कांग्रेस ने इस बार नोएडा से पंखुड़ी को मौका दिया है।

भूपेश बघेल ने रविवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए नोएडा के चौड़ा रघुनाथपुर गांव में कांग्रेस की प्रत्याशी के लिए घर-घर जाकर प्रचार अभियान चलाया। भूपेश बघेल ने कहा कि दूसरे लोग या तो जाति के नाम पर राजनीति कर रहे हैं या धर्म की राजनीति कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस के अलावा कोई आम लोगों की बात नहीं कर रहा है। युवाओं, किसानों, महिलाओं से लेकर पिछड़े समुदायों तक हम सबको साथ लेकर चल रहे हैं। बघेल ने कहा कि छोटे-छोटे गठबंधन हुए हैं और जो गठबंधन पिछली बार आए थे वह कैसे गिरे हैं वह सबको पता है।

उधर, मुख्यमंत्री बघेल समेत कई लोगों के खिलाफ नोएडा में मुकदमा दर्ज हुआ है। भूपेश बघेल रविवार को नोएडा कांग्रेस प्रत्याशी पंखुड़ी पाठक के साथ डोर टू डोर प्रचार करने आए। इस दौरान कोविड.19 प्रोटोकॉल और निर्वाचन आयोग के नियमों की खूब धज्जिया उड़ाई गई। जिस पर नोएडा पुलिस ने छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल समेत कई अज्ञात लोगों के खिलाफ नोएडा सेक्टर-113 थाने में मुकदमा दर्ज किया है।

नेफोमा अध्यक्ष लड़ेंगे चुनाव

लाखों फ्लैट खरीदारों का उठाएंगे मुद्दा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट सामाजिक और फ्लैट ओनर्स की संस्था नेफोमा द्वारा रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। जिसमें फैसला लिया गया कि आगामी दादरी विधानसभा पर वह अपने उम्मीदवार के रूप में नेफोमा अध्यक्ष अन्नू खान को मैदान में उतारेंगे। बैठक में अलग-अलग सोसाइटी से आए नेफोमा प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

नेफोमा अध्यक्ष अन्नू खान ने बताया कि पिछले 12 साल से हमारी संस्था फ्लैट ओनर्स और क्षेत्र की समस्याओं से सरकार और अधिकारियों से जूझ रही है, लेकिन नेताओं द्वारा बहुत सारे वादे किए गए। अधिकतर वादों को पूरा नहीं किया गयाए जिससे क्षेत्र में समस्याओं का अंबार है। हजारों फ्लैट निवासियों की रजिस्ट्री नहीं हुई है। लाखों फ्लैट खरीदारों को फ्लैट नहीं मिले हैं। शाहबेरी के निवासियों का कोई हल नहीं निकल पा रहा है, जिसके लिए हमें चुनाव में उतरना पड़ रहा है।

नेफोमा अध्यक्ष अन्नू खान ने बताया कि हम चुनाव जीतते हैं तो हमारी प्राथमिकता रहेगी कि क्षेत्र में जो भी समस्याएं हैं उनका का निराकरण कराएंगे।

टिकट न मिलने से खफा पूर्व मंत्री लड़ेंगे निर्दलीय चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

भाजपा नेता व पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री सच्चिदानंद शर्मा टिकट न मिलने से खफा होकर भाजपा से बागी हो गए हैं। रविवार को उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का एलान किया।

भाजपा से उत्तराखंड में पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री सच्चिदानंद शर्मा ने रविवार को प्रेस वार्ता में उत्तराखंड समाज की अनदेखी का आरोप लगाते हुए साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि लंबे समय से साहिबाबाद में उत्तराखंड के लोगो की अनदेखी की गई है और इस बार भी यही हुआ।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री सच्चिदानंद शर्मा।

दादरी प्रत्याशी ने लगाया षड्यंत्र का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

दादरी विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी दीपक भाटी चोटीवाला ने रविवार को ग्रेटर नोएडा मीडिया क्लब में प्रेस वार्ता की। दरअसल, बताया जा रहा है कि बीते कुछ समय से दीपक भाटी चोटीवाला के खिलाफ एक विशेष समुदाय के लोग काफी नाराज हैं। इन लोगों का कहना है कि दीपक भाटी चोटीवाला ने कब्रिस्तान की जमीन पर कब्जा किया। इसलिए हम दीपक भाटी चोटीवाला को वोट नहीं देंगे। इस मुद्दे पर दीपक भाटी और उनके ही गांव के एक मुस्लिम व्यक्ति ने प्रेस वार्ता की।

दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा, जबसे उनका दादरी विधानसभा से टिकट हुआ है। तब से उनकी ही पार्टी के कुछ लोग उनका विरोध कर रहे हैं और उनको हराने के लिए षड्यंत्र रचा जा रहा है। जिस कब्रिस्तान की इस समय बात की जा रही है उस कब्रिस्तान की जमीन का करीब डेढ़ साल पहले समाधान हो गया है। कब्रिस्तान की जमीन अलग है और हमारी जमीन अलग है। दीपक ने आगे कहा, यह मामला बिसरख गांव का है, जब उनके बड़े भाई ग्राम प्रधान थे तो उस कब्रिस्तान की जमीन काफी छोटी थी। जिसको आबादी से दूर बड़े स्थान पर ट्रांसफर किया गया था। पहले कब्रिस्तान की जमीन को दूसरे स्थान पर ट्रांसफर किया गया, लेकिन वहां पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण स्टेलर जीवन बिल्डर को कब्जा दे दिया।

रविवार को ग्रेटर नोएडा मीडिया क्लब में प्रेसवार्ता को संबोधित करते दादरी विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी दीपक भाटी चोटीवाला।

नोएडा से सुनील चौधरी तीसरी बार लड़ेंगे चुनाव

नोएडा। समाजवादी पार्टी ने नोएडा विधानसभा से सुनील चौधरी का टिकट फाइनल किया है। नोएडा विधानसभा से सुनील चौधरी समाजवादी पार्टी के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। नोएडा से चुनाव लड़ने की दौड़ में योगेंद्र शर्मा और अतुल शर्मा थे, लेकिन समाजवादी पार्टी ने तीसरी बार सुनील चौधरी को नोएडा विधानसभा से अपना प्रत्याशी घोषित किया है।

सुनील को 2017 विस चुनाव में दूसरा स्थान मिला था। सुनील चौधरी ने 2017 विधानसभा चुनाव में 58401 वोट हासिल किए थे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा (धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **अभियुक्त विभा, पताः** मकान नं. 1053, बी ब्लॉक, गली नं. 09, बाबा कॉलानी, सन्त नगर, बुराड़ी, दिल्ली ने **FIR No. 1033/14 U/s 498A/406/506/34 IPC** थाना गोकल पुरी, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **विभा** मिल नही रही है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **विभा** फरार हो गयी हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रही है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr. P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 1033/14 U/s 498A/406/506/34 IPC** थाना गोकल पुरी, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **विभा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष या (मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.02.2022** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री नितिश कुमार शर्मा,
महानगर दण्डाधिकारी,
कड़कड़डूमा कोर्ट, शाहदरा, दिल्ली

DP/1243/NE/2021

गाजियाबाद में पिछले 24 घंटों में मिले 2301 कोरोना संक्रमित

- संक्रमण से जिले में हुई पहली मौत

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जनपद में रविवार को कोरोना विस्फोट हुआ है। पिछले 24 घंटे के अंदर 2301 नए संक्रमित मामले प्रकाश में आए हैं। वहीं कोरोना की तीसरी लहर में जिले में पहली मौत हुई है। मृतक की उम्र 55 साल थी और वह मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती थे।

रविवार को जिले में कोरोना के एक्टिव केस की संख्या 11हजार 211 पर पहुंच गयी है। जनवरी महीने में अभी तक का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है जबकि 1668 लोग पूरी तरह से स्वस्थ हो चुके हैं।

स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटे के अंदर 2301 नए मामले सामने आए हैं। ज्यादातर का होम आइसोलेशन में रखकर ही उनका इलाज किया जा रहा है। इसके अलावा 82 लोगों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

समस्याओं को लेकर अधिवक्ता संघ की बैठक

नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर कार्यालय सेक्टर 9 में महानगर अध्यक्ष दीपक विग की अध्यक्षता में अधिवक्ता संघ की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें अधिवक्ता संघ के नोएडा महानगर अध्यक्ष डीएस बड़ाना ने वकीलों की जो मूलभूत समस्याएं हैं उनको महानगर अध्यक्ष दीपक विग को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जो नए वकील आते हैं उनके लिए चेंबर की व्यवस्था होनी चाहिए सूरजपुर स्थित कचहरी के सामने आए दिन दुर्घटना होती रहती है तो वहां एक फ्लाईओवर का होना बहुत जरूरी है।

चुनाव के लिए जा रही अवैध शराब बरामद

हरियाणा से तस्करी कर लाते थे, दो युवकों को पुलिस ने पकड़ा

पायनियर समाचार सेवा। हापुड़

थाना पिलखुवा पुलिस व एसओजी टीम ने चेकिंग के दौरान 2 शातिर अन्तर्राज्यीय शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 172 पेटी शराब जिसकी कीमत लगभग 11 लाख 50 हजार रुपए है पुलिस ने बरामद की है।

एसपी दीपक भूकर ने बताया कि रविवार को हरियाणा से एक कैंटर में 145 बोतल हरियाणा मार्का शराब तस्करी के लिए अशोका लीलेंड यात्री बस में रखकर हापुड़ की तरफ लाई जा रही थी। पिलखुवा थाना प्रभारी अभिनव पुंडीर ने चुनाव के मद्देनजर चैकिंग के दौरान छिजारसी के निकट कैंटर को रोका तो उसमें सवार दो तस्कर कूदकर भाग गए। पुलिस ने पीछा कर दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया।

सांकेतिक कब्जा सूचना

आईसीआईसीआई होम फाइनैंस | पंजी. कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर्स, बान्द्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बान्द्रा (ईस्ट), मुंबई-400 051

कार्पोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई एचएफसी टावर, जे.बी. नगर, अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी (ईस्ट), मुंबई-400 059
शाखा कार्यालय : भू तल, बी-1/4, कम्युनिटी सेंटर, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 शाखा कार्यालय : प्रथम तल, विश्वकर्मा कॉम्प्लेक्स, प्लॉट नंबर 17/18, यशोदा अस्पताल के पीछे, कौशाम्बी, गाजियाबाद-201010

जबकि,
अधोहस्ताक्षरी ने आईसीआईसीआई होम फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002, के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मांग सूचनाएं जारी की थी, जिसमें नीचे वर्णित कर्जदारों से सूचना में वर्णित राशि का भुगतान उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी।

कर्जदार राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतद्द्वारा कर्जदारों और जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा नीचे दी गई तिथियों को प्राप्त कर लिया है। कर्जदार को विशेष रूप से तथा जन साधारण को एतद्द्वारा सम्पत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करने हेतु सावधान किया जाता है तथा सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई होम फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड की बकाया राशि अदा करने के बाद ही किया जा सकता है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह-कर्जदार का नाम/ऋण खाता संख्या	सम्पत्ति का विवरण/ कब्जा की तिथि	मांग सूचना की तिथि/मांग सूचना में राशि (रू.)	शाखा का नाम
1.	दलजीत सिंह चंडोक (कर्जदार), हरप्रीत कौर चंडोक (सह-कर्जदार) एनएचडीईएल00000797175	एफ. फ्लोर, सेक्टर-22, गार्डन पैविलियन 1, गुरूग्राम, फ्लैट नंबर जीपी 11 ए, गुरूग्राम, हरियाणा-122001 कब्जा की तिथि : 13-जनवरी-22	10-05-2021 रू. 26,52,011/-	दिल्ली (जनकपुरी)-बी
2.	नीतू सिंह (कर्जदार), धरम पाल चौधरी (सह-कर्जदार), सुमित चौधरी (गारंटर), टीकरी सर्विस स्टेशन (गारंटर) एनएचडीईएल00001250362	ब्लॉक 3, प्रथम तल, कॉमर्शियल यूनिट नंबर : एसबी/आर /11/03/009, दि प्रोजेक्ट सेक्टर-67, एम3एम अर्बन गुरूग्राम- 122001. कब्जा की तिथि : 13-जनवरी-22	27-08-2021 रू. 47,39,906/-	दिल्ली (जनकपुरी)-बी
3.	सुमित कुमार देशवाल (कर्जदार), गौरव कुमार (सह-कर्जदार), विमलेश कुमार (सह-कर्जदार) एनएचजीएचजेड00001279037	गली नंबर 2, आदर्श कालोनी, एच नंबर 40, चौहद्दी उत्तर : गली, दक्षिण : एंदर कुमार हाउस, पूरब : नाथू सिंह हाउस, पश्चिम : अन्य प्लॉट कब्जा की तिथि : 13-जनवरी-22	27-08-2021 रू. 21,73,832/-	गाजियाबाद-बी

उपरि-वर्णित कर्जदार(रों)/गारंटर(रों) को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि वे उक्त राशि का भुगतान 30 दिन के भीतर कर दें अन्यथा इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन की अवधि समाप्त होने पर, उपरोक्त बंधक रखी सम्पत्तियां, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के तहत प्रावधानों के अनुसार बेच दी जाएंगी।

तिथि : 17 जनवरी, 2022
स्थान : गुरूग्राम, पलवल

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई होम फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड

बदमाशों ने युवक से मोबाइल फोन छीना

नोएडा। सेक्टर-59 के पास बाइक सवार बदमाश ने युवक से मोबाइल फोन छीन लिया। घटना का एक माह बीतने के बाद भी कोई कार्रवाई न करने का आरोप लगा पीड़ित ने पुलिस के ट्विटर हैंडल पर गुहार लगाई है।

नोएडा निवासी रितिक ने नोएडा पुलिस के ट्विटर हैंडल पर शिकायत कर कहा है कि वह छह दिसंबर को सेक्टर-59 से बस में बैठकर जा रहे थे। इस दौरान वह बस की खिड़की के पास अपने फोन पर बात कर रहे थे तभी बाइक सवार बदमाश उनका फोन हाथ से छीनकर फरार हो गया। इसके बाद उन्होंने तत्काल डायल 112 पर इसकी सूचना दी। युवक का कहना है कि 112 पुलिस मौके पर पहुंची मगर एक माह से अधिक समय बीतने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। पुलिस कमिश्नरेट ने सेक्टर-58 थाने को मामले में कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

हथियारबंद बदमाशों ने बाइक पर जा रहे दो भाइयों पर की ताबड़तोड़ फायरिंग

- घटना में एक की मौत व दूसरे की अस्पताल में हालत गंभीर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर सुबह हथियारबंद 5 बदमाशों ने मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहे 2 भाइयों के ऊपर ताबड़तोड़ गोली चला दी। इस घटना में एक की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। दोनों भाई दिल्ली के गाजीपुर मुर्गा मंडी में दुकान चलाते हैं।

पुलिस उपायुक्त हरीश चंदर ने बताया कि थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के बुद्ध विहार कॉलोनी में रहने वाले सगीर आलम उर्फ मुन्ना 36 वर्ष और सईद आलम नामक 2 भाई दिल्ली के गाजीपुर मुर्गा मंडी में दुकान चलाते थे। शनिवार सुबह दोनों भाई मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने घर से मुर्गा मंडी जा रहे थे। जब वे लोग नेशनल हाईवे 24 पर पहुंचे, तभी 5 बदमाशों ने उनके ऊपर ताबड़तोड़ गोली चला दी। उन्होंने बताया कि सगीर के सिर और पेट में गोली लगी। उसकी मौके पर मौत हो गई, जबकि सईद आलम के शरीर में पांच गोली लगी है। अत्यंत गंभीर हालत में उसे नोएडा के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इस मामले में मृतक के परिजन की तरफ से सर्फराज, मोहम्मद बिलाल, मोहम्मद हिलाल और बहाव सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। डीसीपी ने दावा किया कि जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

दो पक्षों में खूनी संघर्ष महिला समेत कई घायल

नोएडा। शहर में दो पक्षों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस विवाद के दौरान दोनों पक्षों में खूनी संघर्ष हुआ, जिसमें दोनों पक्ष के कई लोग घायल हो गए हैं, घायलों में महिलाएं भी शामिल हैं। घटना की जानकारी पड़ोस के लोगों ने पुलिस को दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया है। किसी की हालत ज्यादा नाजुक नहीं है। पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए आगे की कार्रवाई करना शुरू कर दिया है।

गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट के मीडिया प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि रविवार को नोएडा के फेस-वन थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर-9 में दो पक्षों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद के दौरान दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए हैं, जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस ने सभी घायल लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादकः नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

कोरोना केस घटे, नमूनों की जांच पर उठे सवाल

विपक्ष का आरोप, दिल्ली सरकार कोविड-19 टेस्ट की रफ्तार धीमी कर कम दिखा रही मरीज

● स्वास्थ्य मंत्री का दावा, आईसीएमआर के मानकों से तीन गुना ज्यादा नमूनों की जांच

संजय राय। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में गत तीन दिनों से कोविड-19 के नए मामलों में गिरावट दर्ज की जा रही है। कोरोना के कम होते मामलों ने लोगों को थोड़ी सी राहत जरूर दी है, लेकिन इस पर सियासत गरमा गई है।

कांग्रेस ने सरकार पर आरोप लगाया है कि नमूनों की जांच कम दिखाकर महामारी पर काबू पाने का दावा खतरनाक होगा। वहीं, भाजपा ने कहा कि सरकार सिर्फ अस्पतालों में दाखिल मरीजों की संख्या कम दिखाने को ही अपना लक्ष्य बनाए हुए है, जबकि उसकी जिम्मेदारी संक्रमण फैलने से रोकना है। इस बीच विपक्ष पर पटलवार करते हुए स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन कहा कि कि कोविड-19 की जांच कम नहीं हो रही है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने जितनी जांच की अनुशंसा की है, राजधानी में उससे तीन गुना अधिक टेस्ट कर रहे हैं। सत्येंद्र जैन ने बताया कि दिल्ली में पिछले 3 दिनों से लगातार रोजाना आने वाले कोरोना के मामलों में कमी आई है। वीकेंड कफ्यू कारगार साबित हो रहा है। लेकिन सरकार मामलों के रुझान को समझने के लिए अभी भी सतर्क है। अस्पताल में भर्ती अधिकांश मरीज ऐसे हैं जिन्होंने या तो टीका नहीं लगवाया या फिर उन्हें कोरोना के अलावा भी अन्य गंभीर बीमारी है। स्वास्थ्य व्यवस्था अच्छी स्थिति में है। सत्येंद्र जैन ने बताया कि 14 जनवरी को 24,383 केस और 15 जनवरी को 20,178 नए मामले दर्ज किए गए थे। रविवार को लगभग 17 हजार नए मामले दर्ज किए गए हैं। मामलों में गिरावट का मुख्य कारण वीकेंड कर्फ्यू और मौजूदा कड़े प्रतिबंध है।

अस्पतालों में कुल 37 हजार बेड की है व्यवस्था

अस्पतालों में कुल 37 हजार बेड की व्यवस्था की है। फिलहाल 15 हजार बेड़ों को चालू कर दिया गया है। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर रातों-रात बिस्तरों की संख्या को दोगुना कर सकते हैं। चूंकि अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या इस समय कम है, इसलिए बिस्तरों की संख्या बढ़ाने की जरूरत शायद नहीं पड़ेगी।

टीकाकरण: एक साल पूरा होने पर डॉक्टरों को धन्यवाद

टीकाकरण अभियान के एक साल पूरे होने पर डॉक्टरों और फ्रंट लाइन वर्क्स को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि लगभग सौ फीसदी लाभार्थियों को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लग चुकी है। लगभग 80 फीसदी लोगों को दूसरी खुराक दी जा चुकी है। जिन लोगों को दूसरी डोज लगवाए हुए 9 महीने या उससे ज्यादा हो चुका है उनसे अपील है कि वे बूस्टर डोज लगवाएं।

"कोरोना संक्रमण और मौत की संख्या की खतरनाक संख्या को छिपाने के लिए दिल्ली सरकार ने पिछले दो दिनों में कोविड -19 परीक्षण को एक तिहाई से कम कर दिया है, जो की खतरनाक साबित हो सकता है, क्योंकि बिना जांच के वायरस समाज में फैल रहा है। सरकार ने लोगों के बीच कोविड परीक्षण में जानबूझकर कमी करके आंकड़ों को कम दिखा रही है। जिस वजह से वायरस संक्रमित व्यक्ति जाने-अनजाने में बीमारी को और फैलाने के लिए स्वतंत्र रूप से घूम रहे है। क्योंकि परीक्षण किए गए नमूनों में से 95 प्रतिशत तेजी से फैलने वाले ओमीक्रोन के मामले हैं।" **-अनिल चौधरी (प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष)**

मरीजों की संख्या कम दिखाने का लक्ष्य : बिधड़ी

"दिल्ली सरकार सिर्फ अस्पतालों में दाखिल मरीजों की कम संख्या को ही अपना टारगेट बनाए हुए हैं जबकि उसकी जिम्मेदारी कोरोना फैलने से रोकना है। अब कम टेस्ट करके वह दिखाने की कोशिश कर रही है कि दिल्ली में कोराना के मरीज घट रहे हैं। चर्चा है कि दिल्ली में सरकारी टेस्ट सेंटर्स बंद किए जा रहे हैं या फिर वहां से मरीजों को लौटाया जा रहा है। टेस्ट कम करने का खेल सिर्फ मरीजों की संख्या कम दिखाने के लिए किया जा रहा है और इसका भयानक नतीजा सामने आता है।

-रामवीर सिंह बिधूड़ी नेता प्रतिपक्ष

वीकेंड कर्फ्यू में दरियागंज में बंद दुकानें। फोटो: रंजन डिमरी

वीकेंड कर्फ्यू का दूसरा सप्ताह राशन-दवाओं की दुकानें खुली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में वीकेंड कफ्यू का दूसरा सप्ताह भी असर साफ तौर पर बाजारों में दिखा।

दरियागंज, कश्मीरी गेट, चांदनी चौक, चावड़ी बाजार, सदर बाजार समेत अन्य बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। राजधानी ओमीक्रोन संक्रमण के बीच दुकानें ऑड-ईवन की तर्ज पर खुल रही हैं। साथ ही सप्ताहंत कर्फ्यू भी लागू है। इस दौरान सिर्फ मेडिकल, राशन सामग्री और सब्जियों समेत जरूरी सामनों की दुकानों को खोलने की छूट दी गई है। लोग भी इसका पूरी तरीके से पालन करते नजर आए। एक दुकानदार ने बताया कि वह ऑड-ईवन और वीकेंड कर्फ्यू दोनों का सही तरीके से पालन कर रहे। बाजार में ग्राहक भी कम ही आ रहे हैं। जिन्हें जरूरी सामानों की खरीदारी करनी है, वही बाहर निकल रहे हैं। लोग भी समझ रहे हैं कि इस वक्त घर के अंदर रहना ही बेहतर है।

सर्द रहा रविवार, वातावरण में फिर घुला प्रदूषण

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● अगले चार दिन फिर छाए रहेंगे बादल, हल्की बारिश के आसार

शनिवार की तरह रविवार को भी पूरे दिन लोग ठंड से ठुठरते रहे। हालांकि रात को न्यूनतम तापमान बढ़ा लेकिन रविवार को अधिकतम तापमान सामान्य से कम बना रहा।

वहीं दूसरी तरफ राजधानी समेत एनसीआर ने हवा में कोई सुधार नहीं दिखा, यहां वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में रही। अधिकारियों ने बताया कि सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान 6.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो सामान्य से कम था। नरेला और जाफरपुर में कड़ाके की ठंड पड़ रही है और दोनों जगहों पर क्रमश: 10.7 डिग्री और 10.9 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया जो सामान्य से क्रमश सात और नौ डिग्री कम है।

नरेला शनिवार को दिल्ली का सबसे ठंडा स्थान रहा। आईएमडी ने बताया कि अगले चार दिनों तक दिल्ली में घना कोहरा छाए रहने का पूर्वानुमान है।

आईएमडी के अनुसार, 18 जनवरी से शुरू होने वाले अगले तीन दिनों में 19 और 21 जनवरी को हल्की बारिश की संभावना के साथ घना से मध्यम कोहरा छाया रहेगा।

पूर्वी नगर निगम की टेंडर प्रक्रिया होगी पारदर्शी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल ने स्थायी समिति अध्यक्ष बीर सिंह पंवार और आयुक्त विकास आनंद के साथ प्राइस (प्रोजेक्ट इंफोरमेशन एंड कॉस्ट एस्टिमेशन) सॉफ्टवेयर का शुभारंभ किया। इस संबंध में महापौर ने बताया कि इस सॉफ्टवेयर के द्वारा विभिन्न सिविल व इलेक्ट्रिकल कार्यों के लागत अनुमान व स्वीकृति और टेंडर प्रक्रिया संबंधित अन्य कार्य किये जाएंगे। प्राइस सॉफ्टवेयर से कार्य प्रणाली में पारदर्शिता व कुशलता आएगी और बिना किसी विलंब के ऑनलाइन ही सिविल व इलेक्ट्रिकल कार्यों की टेंडर प्रक्रिया से लेकर बिल भुगतान का कार्य हो जायेगा।

सेल्समैन से लूटपाट में तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। बुराड़ी इलाके में सेल्समैन से हुई लूटपाट की गुत्थी को सुलझ गई है।

दिल्ली पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए अमेश उर्फ भूरा, आकाश उर्फ बनिया और अरविंद उर्फ बबलू को गिरफ्तार किया है। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला कि बदमाशों ने अक्तूबर में बुराड़ी में एक महिला के घर पर लूटपाट का प्रयास किया था। इस दौरान बदमाशों ने शोर मचाने पर महिला पर पिस्टल की बट से हमला कर उसे जख्मी कर दिया था। बदमाशों ने निजी कंपनी के सेल्समैन गुंजन कुमार से उसका मोबाइल व रुपये लूट लिए थे।

मेट्रो संग्रहालय की शान बढ़ाएंगे पेंटोग्राफ व मेट्रो ट्रेनों के मॉडल

● प्रदर्शन हेतु दो नई आकर्षक वस्तुओं को रखा गया

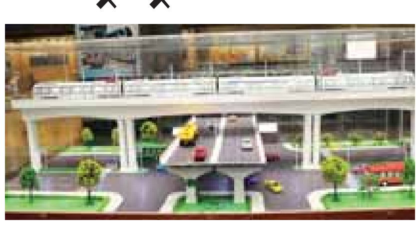

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो संग्रहालय में मेट्रो ट्रेनों में इस्तेमाल होने वाला एक ऑरिजनल पेंटोग्राफ और पूरे देश में इस्तेमाल होने वाली मेट्रो ट्रेनों के आठ मॉडल शामिल किया गया है। इससे मेट्रो संग्रहालय की खूबसूरती बढ़ने के साथ दर्शकों को भी लुभाएगा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। दिल्ली मेट्रो ने दुनिया भर के देशों में विशिष्ट स्थान बनाने के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली व एनसीआर की जीवन रेखा बन चुका है। मेट्रो के विकास क्रम को संग्रहालय में देखा जा सकता है। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली मेट्रो संग्रहालय की शुरुआत पटेल चौक मेट्रो स्टेशन पर 2009 में हुई थी। इसमें दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) की शानदार यात्रा का वर्णन करने वाले लगभग 50 अलग-अलग पैनल, मॉडल, प्रदर्शनी और फोटो गैलरी हैं। मेट्रो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 'पेंटोग्राफ' के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह एक उपकरण है जो ट्रेन की छत पर लगाया जाता है और इसका उपयोग ओवरहेड विद्युत (ओएचई) तारों से बिजली खींचने के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में नहीं इस्तेमाल किए जा रहे एक पेंटोग्राफ को ठीक करके संग्रहालय में प्रदर्शित किया गया है। मेट्रो ट्रेनों में इस्तेमाल किए गए पेंटोग्राफ की तस्वीर के साथ एक सूचना बोर्ड भी प्रदर्शित किया गया है। अधिकारी ने बताया कि देश में मेट्रो नेटवर्क के विकास को प्रदर्शित करने के लिए आठ अलग-अलग मेट्रो ट्रेन के मॉडल भी प्रदर्शित किए गए हैं, जिनमें दिल्ली मेट्रो द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली ट्रेन भी शामिल हैं।

बच्चों के लिए विशेष कार्यशालाएं

'म्यूजियम फॉर चिल्ड्रन' पहल के तहत मेट्रो संग्रहालय द्वारा बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियों जैसे कार्यशालाएं, ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिताएं, कठपुतली शो, फिल्म फेस्टिवल इत्यादि आयोजित किए जाते रहे हैं। संग्रहालय की स्थापना वर्ष 2009 में पटेल चौक मेट्रो स्टेशन पर की गई थी।

नेपाल को भाया हरियाणा का पीरियड चार्ट व बेटियों की नेम प्लेट

सभी सार्क देशों में इन अभियानों को ले जाने के हो रहे प्रयास

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

जींद जिले के बीबीपुर गांव के सरपंच रहे सुनील जागलान द्वारा शुरू किए गए दो सामाजिक अभियान भारत ही नहीं भारत से बाहर भी पॉपुलर हो रहे हैं। इसमें बेटियों के नाम पर घरों के बाहर नेम प्लेट और पीरियड चार्ट शामिल हैं। इन्हें नेपाल में काफी पसंद किया जा रहा है। अब निर्णय हुआ है कि यूएन वूमेन नेपाल, अंतरराष्ट्रीय संस्था टेवा व नागरिक आवाज द्वारा पूरे नेपाल में इन्हें लागू किया जाएगा।

सुनील जागलान को टेवा संस्था द्वारा 10 जनवरी से 15 जनवरी के बीच हुए कार्यक्रमों में यूएन वूमेन द्वारा आमंत्रित किया गया था। सुनील जागलान द्वारा वर्ष 2015 में शुरू किए गए बेटियों के नाम नेमप्लेट व वर्ष 2019 में शुरू किए गए पिरियड चार्ट (माहवारी चार्ट) द्वारा नेपाल में महिलाओं के जीवन में सामाजिक व आर्थिक बदलाव के लिए लागू करने के लिए विशेष तौर पर उनका वक्तव्य हुआ।

नेपाल में महिलाओं के साथ पीरियड चार्ट लांच करते सेल्फी विद डॉटर के जनक सुनील जागलान।

बता दें कि नेपाल में भी लड़कियों को प्रॉपर्टी राइट्स आसानी से नहीं मिलते। पीरियड के समय लड़की को कई दिन उसी अवस्था में अलग रखा जाता है। सुनील जागलान के मुताबिक नेपाल में माहवारी को लेकर बहुत रूढ़िवादी सोच है। आज भी बहुत सारे क्षेत्र में पीरियड के समय उन्हें अलग रखा जाता है। किसी धार्मिक व अन्य कार्यों में भी शामिल नहीं किया जाता है। पीरियड चार्ट से भारत में लड़कियों में जागृति आई है। माहवारी की तारीख पीरियड चार्ट में लिखी जाती है, जिससे समय पर संवेदन होकर पुरूष भी घर की लड़कियों की सेहत से लेकर सेनेटरी पैड को उपलब्ध करवाते हैं। घर में बड़े हो रहे बच्चे भी इसके प्रयोग को देखते हैं और लिखते हैं, जिससे भविष्य में इन विषयों पर बात करना आसान होगा। यह बहुत बड़े बदलाव का द्योतक बनेगा। आज भारत में इससे पुरूषों की सोच में भी सकारात्मक बदलाव आए हैं।

दोनों अभियान हैं महत्वपूर्णः सिन्हा यूएन वूमेन नेपाल की कंट्री हेड नवनिता सिन्हा ने भी इन दोनों अभियानों को वर्कशॉप में शामिल होने पर खुशी जताई व अभियान का हिस्सा बनाने की योजना बनाई है। टेवा की संस्थापक रीटा थापा ने कहा कि ये दोनों अभियान पीरियड चार्ट व बेटियों के नाम नेम प्लेट बहुत महत्वपूर्ण हैं। इससे महिलाओं के स्वास्थ्य व उनके आर्थिक अधिकारों को लेकर भविष्य में नेपाल में क्रांतिकारी परिवर्तन आएंगे।

सेल्फी विद डॉटर भी नेपाल में हुआ लोकप्रिय

इससे पहले सेल्फी विद् डॉटर अभियान नेपाल में बहुत प्रसिद्ध हुआ था। वहां की सरकार द्वारा पंसद भी किया गया। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा केंद्रीय मंत्री उमा रेग्मी द्वारा सुनील जागलान को सम्मानित भी किया गया। सुनील जागलान का कहना है कि ये सभी अभियान पहले सभी सार्क देशों में लागू करवाए जाएंगे। इसके बाद एशिया व यूरोप के बाकी देशों में लागू कराने के प्रयास होंगे। सेल्फी विद डॉटर फाउंडेशन द्वारा सभी देशों में सामंजस्य स्थापित कर महिला जीवन में सकारात्मक बदलाव के लिए सभी देशों को संपर्क कर भारत में सफल हुए अभियानों को अपनाने की कोशिश की जाएगी।

धुंध व कोहरे के मौसम के दृष्टिगत सावधानी बरतें आमजन

सड़क सुरक्षा के प्रति सजगता बरतें वाहन चालक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

डीसी डॉ. यश गर्ग ने बदलते मौसम में सुबह व शाम को कोहरे के दृष्टिगत सड़क सुरक्षा बनाये रखते हुए सावधानी रखने का आह्वान किया है। डीसी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वाहन का उपयोग करते हुए सावधानी बरतें।

उपायुक्त ने कहा कि धुंध के मौसम में विजिबिलिटी कम हो जाती है, जिससे हादसे होने का अंदेशा बना रहता है। उन्होंने आमजन को धुंध के मौसम में विशेष सावधानी बरतने का आह्वान करते हुए कहा कि इस दौरान ड्राइविंग से पहले मौसम के पूर्वानुमान की निगरानी करने के बाद ही गंतव्य के लिए प्रस्थान करें। उन्होने कहा कि धुंध में एहतियाती उपायों से आप स्वयं ही नहीं, बल्कि दूसरे को भी सुरक्षित रखेंगे। उन्होंने कहा कि जितना अधिक लोग ट्रैफिक नियमों का पालन करते हुए सावधानी से वाहन चलाएंगे, उतना ही सफर सुरक्षित होगा। उन्होंने कहा कि वाहन चालकों को आगे जाने वाले वाहनों से

उपायुक्त डा. यश गर्ग।

सुरक्षित दूरी बनाए रखनी चाहिए और फॉग लाइट्स व इंडीकेटर्स को लगातार ऑन रखना चाहिए। इसके साथ-साथ लो-बीम पर हेड-लाइट्स के साथ ड्राइव करें, क्योंकि हाई-बीम धुंध व कोहरे में बैक रिप्लेक्ट कर विजिबिलिटी को बाधित करती है। धुंध के दौरान लेन बदलने व ट्रैफिक क्रॉस करने से बचे। उन्होंने कहा कि विजिब्लिटी बेहद खराब होने की स्थिति में वाहन चालक सडक पर पेंट की गई लाइन को गाइड के रूप में उपयोग करते हुए वाहन चलाएं। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे वाहनों की गति सीमा नियंत्रित रखे व मोबाइल फोन तथा म्यूजिक सिस्टम का उपयोग करने से बचें। डीसी ने कहा की लोगों को अपने वाहनों को मुख्य सड़क पर पार्क नहीं करना चाहिए।

स्वास्थ्य विभाग पार्क प्लस अस्पताल ने चलाया टीकाकरण अभियान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिला स्वास्थ्य विभाग ने पार्क प्लस एप्लीकेशन के साथ मिलकर रविवार को यहां साइबर हब में 15-18 आयु वर्ग और बूस्टर खुराक की आवश्यकता वाले लोगों का टीकाकरण किया गया।

इस पहल का उद्देश्य पहली खुराक वाले किशोरों और कॉमरेडिडिटी वाले वयस्कों को बूस्टर खुराक प्राप्त करना है। क्योंकि वे वर्तमान महामारी की स्थिति में सबसे

कमजोर हैं। यह ड्राइव सुविधा को अधिकतम करने में मदद करेगी क्योंकि ये लोग अपनी कार में आराम से टीका लगवा सकते हैं। सिविल सर्जन डा. वीरेंद्र यादव ने कहा कि आने वाले हफ्तों में हम गुरुग्राम में इसी तरह के कई और शिविर लगाने की योजना बना रहे हैं।

पार्क प्लस के संस्थापक और सीईओ अमित लखोटिया ने कहा कि मामलों की संख्या में वृद्धि के साथ हमने महसूस किया कि कोरोना के खिलाफ समुदाय की मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करना हमारा कर्तव्य है। हम देश भर में इसी तरह के अभियान के माध्यम से टीकाकरण शिविर आयोजित करने की संभावनाएं तलाश रहे हैं।

संजय भसीन समेत 9 लोग बनें शीतला माता श्राईन बोर्ड के सदस्य

गुरुग्राम। प्रदेश सरकार ने गुरुग्राम स्थित श्रीमाता शीतला देवी श्राईन बोर्ड के सदस्यों की घोषणा कर दी है, जिसमें निष्ठा सांस्कृतिक मंच के अध्यक्ष व हरियाणा कला परिषद के निदेशक संजय भसीन को भी सदस्य के रुप में शामिल किया गया है। श्राईन बोर्ड में कुल 9 सदस्य बनाए गए हैं, जिनमें गुरुग्राम भाजपा के पुराने कार्यकर्ताओं को समुचित स्थान दिया गया है।

संजय भसीन को श्राईन बोर्ड में सदस्य के रूप में शामिल किए जाने पर निष्ठा सांस्कृतिक मंच से जुड़े सुभाष सिंगला, योगेश गुप्ता, रमेश कालरा,

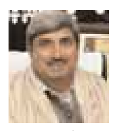

अर्पित भसीन, हरजीत सिंह, जगभूषण गुप्ता, गोल्डी सिंगला, रजनीश भनोट, अंकुश भसीन, रविंद्र जैन, भीष्म भारद्वाज, कमल संदूजा आदि ने शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की है कि भसीन और अधिक ऊर्जा से कार्य करेंगे और उनके अनुभवों का लाभ श्राईन बोर्ड को भी मिलेगा। गौरतलब है कि श्राईन बोर्ड में संजय भसीन के अलावा अजीत बेनीवाल, अरुण महेश्वरी, तिलकराज मल्होत्रा, ब्रह्म प्रकाश, राम सज्जन, यादराम बंसल, रघुवर दयाल भारद्वाज, पूजा क्षेत्रपाल के नाम भी शामिल हैं।

सड़कों पर सफेद पट्टी और रिफ्लेक्टर लगाए जाएंः सरपंच

सोहना। प्रमुख समाजसेवी व नयागांव ग्रामपंचायत के सरपंच सुरज्ञान सिंह ने कहा है कि क्षेत्र में पड़ रहे घने कोहरे ने आसमान को ढक लिया है। जिससे सड़क हादसों को बढ़ावा मिल रहा है, क्योंकि रात के वक्त में कोहरे में वाहन चालकों को सड़क का किनारा नजर आता है। सरपंच सुरज्ञान सिंह ने पुलिस कमिश्नर केके राव से मांग की है कि पुलिस प्रशासन को चाहिए कि सोहना शहर को जाम मुक्त बनाए रखने और सड़क हादसे के वक्त क्षतिग्रस्त अथवा पलटे वाहन को सड़क किनारे कर यातायात को सुचारू बनाए।

अनिल अग्रवाल ने संपत्ति का 75 फीसदी हिस्सा 21 हजार करोड़ रुपये किया दान

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

श्रीशांति सागर कन्या महाविद्यालय प्रबंधन समिति चेयरमैन और जैन समाज के प्रमुख समाजसेवी तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता राकेश जैन और स्थानीय नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन राजकुमार गोयल एडवोकेट और स्थानीय अग्रवालसभा के पूर्व प्रधान सेठ विजय अग्रवाल ने दुनिया भर में मैटल किंग के नाम से ख्याति प्राप्त और वेदांता ग्रुप के मालिक अनिल अग्रवाल के अपने जीवन भर की तमाम कमाई का 75 फीसदी पैसा शैक्षणिक कार्यों के लिए स्वेच्छापूर्वक दान करने के लिए गए फैसले को अन्य धन्ना सेठों के लिए भी प्रेरणादायक बताया है।

उन्होंने कहा कि भारतीय करंसी के आधार पर यह धनराशि 21 हजार करोड़ रुपये बनती है, जो अब तक किसी भी भारतीय द्वारा धर्मार्थ कार्य के लिए दी जाने वाली सबसे बड़ी रकम है। खुशी की बात ये है कि मेटल किंग के नाम से ख्याति प्राप्त और वेदांता ग्रुप के मालिक अनिल अग्रवाल ने यह निर्णय अपने परिवार की सहमति से मिलकर लिया है। इच्छा जताई है कि वह लंदन के आक्सफोर्ड से भी एक बड़ा विश्वविद्यालय ना लाभ-ना हानि के नाम पर चलाना चाहते है।

अग्रसमाज के स्थानीय लोगों ने इससे अन्य दानवीरों को भी प्रेरणा मिलेगी। स्थानीय अग्रवालसभा के पूर्व प्रधान सेठ विजय अग्रवाल की माने तो वेदांत रिसोसर्स विश्व स्तर पर विविध प्राकृतिक संसाधनों का समूह है। जिसका मुख्यालय लंदन में है। खुशी की बात ये है कि अनिल अग्रवाल की संपत्ति का सबसे बड़ा हिस्सा भारत में है। वर्ष-2020 में उनकी कुल संपत्ति 8.5 मिलियन आंकी गई थी। खुशी की बात ये है कि वेदांत भारतीय डाक्टरों और स्वास्थ्य सेवा श्रमिकों के लिए आवश्यक चिकित्सा उपकरण भी उपलब्ध कराएगा।

वन विभाग के गार्ड पर धारदार हथियार से महिला ने किया हमला

आरोपी महिलाओं के हमले से से गार्ड के दाहिने हाथ की हथेली जख्मी हुई

महिलाओं के खिलाफ मिली शिकायत पर पुलिस जांच जारी, जल्द केस दर्ज होगा

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना से लगती अरावली पहाड़ी में पेड़ काटने की मना करने पर तीन महिलाओं ने वन विभाग के गार्ड पर तेज धारदार हथियार से जान लेवा हमला किया। हमले के दौरान गार्ड ने आत्मरक्षा करते हुए हथियार को हाथ लगाकर रोका। जिससे गार्ड का दाहिने हाथ की हथेली जख्मी हो गई।

रविवार की सुबह सोहना से लगती अरावली पहाड़ी के अंसल क्षेत्र में चार ग्रामीण महिलाएं ईंधन इकट्ठा करने के इरादे से पेड़ों की कटाई कर रही थी। पेड़ काटे जाने की आवाजें पहाड़ी में दूर-दूर तक सुनाई दे रही थी। वन विभाग का गार्ड अरावली में जहां पर पेड़ की कटाई की जा रही थी। वहां पर आवाज सुनते हुए पहुंच गया। गार्ड गांव चहालका थाना तावडू निवासी अलीम ने बताया कि चार महिलाएं पेड़ों की कटाई करके लकड़ियां इकट्ठी कर रही थीं। गांव पीपका निवासी 4 महिलाओं को उसने पेड़ों की कटाई करने से मना किया। जैसे ही वह महिलाओं से उनके हथियार को छीनने लगा। वैसे ही दूसरी महिला ने उसके ऊपर हाथ में ली हुई प्लासी से जानलेवा हमला किया। उसने पलटते हुए महिला द्वारा किये प्लासी से हमले से अपने आपको बचाया। प्लासी से किये वार

अरावली पहाड़ी में जान लेवा हमला के दौरान जख्मी हुआ वन विभाग का गार्ड घायल हाथ को दिखाता हुआ।

अरावली की अंसल पहाड़ी में महिलाओं द्वारा काटा गया पेड और पास में पड़ी लकड़ियां।

को हाथ से रोका। इस दौरान पलासी उसके दाहिने हाथ की हथेली में लग गई। उसका हाथ लहूलुहान हो गया।

पुलिस को दी शिकायत : पीड़ित वन विभाग के घायल गार्ड अलीम को सोहना के नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया। उसके बाद पीड़ित गार्ड ने आरोपी महिलाओं के खिलाफ सिटी थाना में लिखित में शिकायत दे दी है।

मंडीः अतिक्रमण बना मार्केट कमेटी के लिए सिर दर्द

मंडी के अंदर से आम लोगों को पैदल निकलना हुआ मुश्किल

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

अनाज मंडी परिसर में बढ़ता अतिक्रमण मार्केट कमेटी विभाग के लिए सिर दर्द बनता जा रहा है। मंडी में बैठे सब्जी दुकानदारों से लेकर छोटे दुकानदार, आढ़ती और टेबल व रेहड़ियों की दिन प्रति दिन बढ़ती संख्या ने आम लोगों को पैदल निकलना मुश्किल कर दिया है।

सोहना की अनाज मंडी परिसर में महामारी कोरोना से भी तेज अतिक्रमण बढ़ रहा है। यहा के दुकानदारों से लेकर आढ़ती, माशाखोर, सब्जी आढ़ती और टेबल तथा रेहड़ियों पर सामान बचने वालों की संख्या तो हर दिन 10 से 15 नई बढ़ जाती है। मंडी परिसर में 60 से 70 फीसदी आम रास्ते व फड़ों के ऊपर अतिक्रमण हो रहा है। आढ़तियों ने 15 से 20 फुट आगे तक फड़ों को

सोहना अनाज मंडी के खुले परिसर में सब्जी आढ़तियों द्वारा किया हुआ अतिक्रमण।

पर सामान रखकर कब्जा कर लिया है। इसके अलावा टीन शैड लगाकर सामान भर दिया है। वहीं सब्जी आढ़तियों ने अपनी आढ़तों के सामने के वाले स्थान को पार्किंग का रूप देते हुए मंडी के खाली और खुले परिसर में दुकानें लगानी शुरू कर दी है।

आढ़तियों का कारोबार पर असर : अनाज मंडी परिसर में अतिक्रमण को जन्म देने वाले आढ़तियों को आज उल्टा असर पड़ गया है। आढ़तों के सामने टेबल और रेहड़ियां लगने से आढ़तियों को कारोबार प्रभावित होने लगा है। अपने कारोबार को बचाने के लिए सामने अतिक्रमण करने वालों से आए दिन झगड़ा करने लगे है।

मार्केट कमेटी के लिए सिर दर्द : मार्केट कमेटी ने अतिक्रमण करने वाले के खिलाफ अभियान चलाकर हटाना चाहा। लेकिन आरोप है कि मार्केट कमेटी का अभियान सचिव के पास आया मात्र एक फोन ने रोक दिया। उसके बाद मार्केट कमेटी की तरफ से करीब 25 आरोपियों को नोटिस जारी किए गए थे। अतिक्रमण करने वालों को दो दिन का समय देते हुए मंडी परिसर को खाली करने को कहा गया है।

कौन बनेगा बली का बकरा : सोमवार को मार्केट कमेटी विभाग नोटिस के बाद अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाएगी या कमेटी अधिकारी अभियान न चलाने के लिए मजबूर होकर रह जाएंगे। आखिर इस अभियान में बली का बकरा मार्केट कमेटी अधिकारी बनेंगे या फि र अतिक्रमण करने वाले सैकड़ों लोग।

गणतंत्र दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, स्वतंत्रता सेनानी सम्मानित होंगे

सोहना। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में 26 जनवरी को स्थानीय खेल स्टेडियम मैदान में प्रतिवर्ष होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम इस बार नहीं होंगे। कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर के बीच कोरोनाकाल को देखते हुए इस बार गणतंत्र दिवस पर भीड़ ना जुटाने और स्वतंत्रता सेनानियों को सरकार की तरफ से उनके आवास पर जाकर सम्मानित किए जाने के निर्देश दिया है। स्थानीय तहसील कार्यालय में उपतहसीलदार के पद पर कार्यरत लच्छीराम की माने तो कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए सरकार ने निर्णय लिया है कि नई गाइडलाइन के मुताबिक ध्वजारोहण के वक्त सामाजिक दूरी बनाए रखने, फेसमास्क पहनने, समुचित मात्रा में सैनेटाइजर रखने, स्वच्छता को प्राथमिकता देने, बड़े आयोजनों से बचने, कमजोर व्यक्तियों का बचाव करने और गृह मंत्रालय व स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी कोरोना संक्रमण से बचाव से संबंधित सभी जरूरी दिशा-निर्देशों की पालना करना प्राथमिकता में शामिल रहेगा।

बूस्टर डोज लगाने के बहाने ओटीपी पूछकर ठग कर रहे खातों को साफ

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

कोरोना की तीसरी लहर के चलते लोग आशंकित हैं। लोगों की आशंका का साइबर ठग फायदा उठा रहे हैं। लोगों को कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज (सतर्कता) लगवाने के नाम पर लोगों से साइबर ठगी हो रही है। लोगों को मैसेज व काल करके जाल में फंसाया जा रहा है।

साइबर ठग संक्रमण का हवाला देकर लोगों को डोज के लिए पंजीकरण कराने की बात कहते हैं। इसके बाद ओटीपी पूछकर खाते से रकम उड़ा देते हैं। सूत्रों की माने तो इस तरह के कई मामले कई लोगों के साथ हो चुके हैं लेकिन कोई भी आगे आने और बोलने के लिए तैयार नहीं हैं। एसीपी क्राइम प्रीतपाल सिंह सांगवान ने बताया कि साइबर ठग लोगों को काल करते वक्त खुद को स्वास्थ्य विभाग का स्टाफ बताते हैं। जो लोग वैक्सीन की दोनों डोज लगवा चुके हैं, उन्हें तीसरी डोज लगवाने को कहा जाता है। साथ ही यह भी कहा जाता है कि यह डोज केंद्र सरकार की योजना के तहत बिल्कुल मुफ्त में लगाई जा रही है। सोहना शहर में रहने वाले एक युवक के पास भी इसी तरह की काल आई लेकिन वे जानते थे कि कोरोना वैक्सीन की तीसरी डोज अभी केवल बुजुर्गों को ही लग रही है या फिर जिन्हे कोरोनारोधी दोनों डोज लग चुकी है और 9 महीने पूरे हो गए हैं। उन्हीं को लगाई जा रही है। इसलिए वे ठगों के झांसे में नहीं आए और ओटीपी ठगों को नहीं बताया।

एसीपी क्राईम प्रीतपाल सिंह सांगवान ने आम जनमानस को सचेत करते हुए कहा है कि लोगों को समझना चाहिए कि अभी केवल फ्रंटलाइन वर्कर और बुजुर्गों को ही कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज लगवाई जा रही है या फिर जिन्हें कोरोनारोधी दोनों डोज लग चुकी हैं और 9 महीने पूरे हो गए है। उन्ही को लगाई जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने सरेआम जुआ खेलने के आरोप में दो किए गिरफ्तार

सोहना। सिटी थाना पुलिस ने शहर के नंगली मोड़ पर चाय के खोखा पर बैठकर सरेआम जुआ खेलने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से जुआ में दाव पर लगाई गई 18500 रुपये की नकदी बरामद की है। शनिवार को सोहना सिटी थाना में तैनात हवलदार सुखबीर शहर की चुंगी नंबर एक पर गश्त कर रहा था। गश्त के दौरान सुखबीर को सूचना मिली कि सांप की नंगली जाने वाले मार्ग के मोड़ पर चाय के खोखा पर जुआ खेला जा रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंची सुरेन्द्र मूल निवासी राजस्थान तथा हाल निवासी राजौरिया कॉलोनी तथा मुकेश निवासी भूड़पाड़ा को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर उमेश कुमार ने बताया कि जुआ पर लगाई गई 500-500 तथा 200-200 के नोटों को बरादम किया है। जिन्हे जमीन पर रखा कट्टा के नीचे छूपाकर दाव पर लगा रहे थे। इन नोटों को इकट्ठा करके गिना गया तो वह कुल रकम 18 हजार 500 रुपये थी। जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में लेते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

भाजपा कार्यकर्ताओं को दिए जरूरी टिप्सः गार्गी

सोहना। राघव वाटिका में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक भाजपा नेता गौरव चुघ की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं के बीच मुख्य वक्ता रूप में बोलते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष गार्गी कक्कड ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि वह 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती को सम्मान दिवस के रूप में मनाएं। भाजपा नेता व नगरपार्षद मुकेश सैनी तथा दिनेश गुप्ता की माने तो भाजपा के झंडे तले सोहना मंडल में 40 से अधिक स्थानों पर लगभग डेढ़ सौ कार्यकर्ताओं समेत करीब छह हजार लोग इन कार्यक्रमों में शामिल होंगे। उन्होने बताया कि खुशी भरी बात ये है कि आजाद हिंद फौज से संबंधित परिवार एवं स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार इन कार्यक्रमों में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे।

रामलीला मैदान जैकबपुरा में लगाया वैक्सीनेशन कैंप

गुरुग्राम के जैकबपुरा स्थित रामलीला मैदान में वैक्सीनेशन लगवाने पहुंचे लोग।

गुरुग्राम। श्रीदुर्गा रामलीला कमेटी जैकबपुरा के सौजन्य व कैनविन फाउंडेशन एवं विशाल टेंट हाउस के सहयोग से रविवार को जैकबपुरा के रामलीला मैदान में कोरोना रोधी वैक्सीनेशन कैंप लगाया गया। रामलीला कमेटी के प्रधान कपिल सलूजा व महासचिव अशोक प्रजापति ने बताया कि कोरोना जैसी बीमारी से लड़ने के लिए मास्क व सामाजिक दूरी के साथ साथ वैक्सीनेशन भी एक अहम हिस्सा है, जिसके लिए सरकार ने बड़े स्तर पर वेक्सिनेशन का कार्यक्रम चला रखा है। इसी क्रम में कमेटी के सदस्यों द्वारा इस कैंप का आयोजन किया गया, ताकि आसपास के क्षेत्र के ज्यादा से ज्यादा लोगों को वैक्सिनेटेड करके बीमारी से लड़ा जा सके। इस कैंप में 18 से 44 को दोनों डोज व 15 वर्ष 18 वर्ष के बच्चों को पहली डोज लगाई। जिन्होंने वैक्सीनेशन के लिए उपयुक्त व्यवस्था की। कैम्प समाप्त होने के बाद सभी वॉलंटियर व नर्सिंग ऑफिसर को कमेटी के सदस्य द्वारा सम्मानित किया गया। भविष्य में ऐसे और कैंप लगाने के लिए अपना विसवास दिखाया। इस कैम्प में वरिष्ठ उप प्रधान विकास गुप्ता, सह सचिव गगनदीप सैनी, सतीश माचीवाल, आशीष गुप्ता, खुशी राम, कमल सलूजा, रोहताश मीणा, गगन गुलाटी व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सोहना में लोग बच रहे टेस्टिंग से-घर बैठे खुद ही ले रहे दवाइयां

सोहना। शिवनगरी सोहना में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में काफी लोग ऐसे है, जो जुकाम-खांसी, बुखार होने के बावजूद ना तो टेस्ट करवाने के लिए केन्द्रों में जा रहे है और ना ही डाक्टर से अपना इलाज करवा रहे है। बस मेडीकल स्टोर से दवाईयां खरीद कर खुद ही अपने इलाज में लगे हुए हैं। हालांकि स्वास्थ्य विभाग की माने तो सोहना समेत जिले भर में 12 हजार से अधिक लोग रोजाना कोराना संक्रमण की जांच करवा रहे हैं, जिसमें 2500 से 2800 के मध्य आंकड़ा संक्रमितों का निकल कर सामने आ रहा है लेकिन यह भी एक कटु सत्य है कि इसी बीच कुछ लोग ऐसे भी है, जो ना तो टेस्ट करवाने के लिए केन्द्रों में जा रहे है और ना ही डाक्टर से अपना इलाज करवा रहे हैं। बस मेडीकल स्टोर से दवाईयां खरीद कर खुद ही अपने इलाज में लगे हुए हैं। इंडियन काउसलिंग ऑफ मेडीकल रिसर्च ने रियल टाइम और रैपिड एंटीजन टैस्ट का निदान करने का एक बेहतर तरीका भी निकाला है। जिसके चलते लोग घर पर अपना रैपिड एंटीजन टेस्ट खुद कर सकते है। जो लोग जांच के लिए केन्द्रों तक नही पहुंच पा रहे हैं, उनके लिए यह तरीका भी बेहतर है। साथ ही रिपोर्ट निगेटिव आती है और कोरोना वायरस के लक्षण है तो तुरंत आरटीपीसीआर टेस्ट करवाना चाहिए। इस किट की कीमत 250 से 300 रुपये है। साथ ही कोरोना के लक्षण नजर आने पर उस व्यक्ति को खुद ही दस दिन के लिए आईसोलेट हो जाना ही सबसे सही और बेहतरीन उपाय है।

कोरोना के 3378 व ओमिक्रोन के 17 केस आए, एक मौत

गुरुग्राम। रविवार को जिले में कोरोना के 3378 नए केस आए और 1514 लोग कोरोना को हराकर स्वस्थ हुए। इसके अलावा रविवार को ओमिक्रोन के 17 नए केस आए हैं। अब तक जिले में कोरोना के 214369 पॉजिटिव केस आ चुके हैं, जिसमें से 192307 लोग कोरोना को हराकर ठीक हो चुके हैं। जिले में अब तक 933 लोगों की मौत हो चुकी है। जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से रविवार को जारी बुलेटिन के मुताबिक अब तक 24 लाख 74 हजार 137 लोगों को सर्विलांस पर लिया गया है। इनमें से 23 लाख 59 हजार 473 लोगों ने अपना सर्विलांस पीरियड पूरा कर लिया है। वहीं 224664 लोग अभी भी सर्विलांस पर हैं। अब तक 24 लाख 64 हजार 754 लोगों के सेम्पल लेकर जांच को भेजे गए हैं, जिनमें से 22 लाख 38 हजार 201 की रिपोर्ट नेगेटिव आई है और 214369 की रिपोर्ट पॉजिटिव। कोविड19 के अलावा ओमिक्रोन के जिले में अब तक 81 केस आ चुके हैं। कोरोना के जिले में अब एक्टिव केस 21129 हैं। रविवार को 3378 नए केस आए और 1514 लोगों ने कोरोना को मात दी। एक व्यक्ति की दुखद मौत भी हुई।

गुरुग्राम जिले में लगाई जा चुकी हैं 46 लाख 39 हजार 575 डोज

गुरुग्राम। स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीकाकरण अभियान के तहत रविवार को गुरुग्राम में 130 स्थानों पर वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें 09 हजार 455 लोगों को वैक्सीन की पहली व दूसरी डोज लगाई गई। रविवार के आंकड़ों को मिलाकर जिला में वैक्सीन की कुल 46 लाख 39 हजार 575 डोज़ दी जा चुकी है। टीकाकरण कार्यक्रम के तहत रविवार को जिला के 130 वैक्सीनेशन सेंटर्स में 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के 2 हजार 291 लोगों को पहली डोज दी गई। वहीं 4 हजार 252 लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज लगाई गई। 45 वर्ष से अधिक आयु के 204 नागरिकों को कोरोना रोधी वैक्सीन का पहला टीका लगाया गया। वहीं 513 ने वैक्सीन की अपनी दूसरी डोज़ लगवाई। आज 72 हेल्थ वर्कर्स व 174 फ्रंट लाइन वर्कर्स को कोरोनारोधी वैक्सीन की दूसरी व बूस्टर डोज़ दी गयी। जिला में वैक्सीनेशन अभियान की कमान संभाल रहे डॉ. एमपी सिंह ने बताया कि बूस्टर डोज अभियान के तहत रविवार को 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 962 लोगों को कोरोना रोधी वैक्सीन के टीके लगाए गए। डॉ. सिंह ने बताया कैम्प में आने वाले लोगों को किसी प्रकार के रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता नहीं थी। सभी लोगों का पहले आओ पहले लगवाओ की तर्ज पर मौके पर ही रजिस्ट्रेशन किया गया।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 17 जनवरी , 2022

हैरानी : बीके अस्पताल की लिफ्ट में ही हो गई चोरी

कविता। फरीदाबाद

बीके अस्पताल की लिफ्ट एक बार फिर बंद हो गई। लिफ्ट में लगी बैटरी चोर चुरा ले गए। लिफ्ट में रात को कोई नहीं होता। इसलिए आशंका जताई जा रही है कि लिफ्ट में रात के समय चोरी हुई होगी। लिफ्ट बंद होने से गर्भवती और बुजुर्ग मरीजों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बीके सिविल अस्पताल में मौजूद दो पुरानी लिफ्ट पहले ही बंद कर दी गई है। साथ ही यहां अपातकालीन कक्ष के निकट सीढ़ियों का गेट भी बंद कर दिया गया था। वर्षो पहले यहां बनी सीढ़ियों के तृतीय तल के रास्ते को बंद किया था। ओपीड़ी के भीतर बनी सीढ़िया भी एक तरह से पूरी तरह से बंद हो गई। वहीं कर्मचारियों और चिकित्सकों के लिए अपातकालीन कक्ष में बनी सीढ़ियों को खोल दिया गया है। लेकिन यहां मरीज और तीमरदारों के लिए ओपीड़ी के निकट मौजूद सीढ़ियां, लिफ्ट और रैम्प ही वार्डों, हार्ट सैंटर व डायलिसिस सेंटर तक पहुंचने का सहारा है। इसमें से लिफ्ट भी अब एक बार फिर बंद हो गई। जिससे मरीजों को रविवार को खासी परेशानी हुई। बताया गया है कि लिफ्ट से बैटरी चोरी हो गई है। जिससे लिफ्ट में खराबी आ रही है और चलते-चलते रूक रही है। चोरों ने रात के समय इसकी बैटरी चोरी की है। क्योंकि यहां रात को कोई ऑपरेटर नहीं होता है।

रात के समय लिफ्ट में नहीं रहता कोई ऑपरेटर

रविवार को बंद पड़ी बीके अस्पताल की लिफ्ट ।

क्या रात में हुई चोरी : बीके अस्पताल की लिफ्ट में तीन ऑपरेटरों की ड्यूटी कई सालों से चल रही थी। जिसमें तीनों समय लिफ्ट में ऑपरेटर होते थे। लेकिन इस बार के ठेके में मात्र दो ही ऑपरेटरों की पोस्ट निकली थी। जिसके कारण यहां एक ऑपरेटर सुबह नौ से पांच और शाम पांच से दूसरा ऑपरेटर ड्यूटी कर रहा है। रात के समय एक भी ऑपरेटर यहां नहीं होता। ऐसे में लिफ्ट में से किसी ने चार में एक बैटरी को चोरी कर लिया।

कैसे हो गई चोरी: अस्पताल की लिफ्ट में ऑपरेटिंग सिस्टम सबसे ऊपर छत्त पर है। ऐसे में चोर कैसे अंतिम तल पर गया और कैसे बैटरी को चोरी करके ले गया। यह बात सबके लिए एक रहस्य बन गई है। क्योंकि जहां से बैटरी चोरी हुई है, वहां सीढ़ियों से जाने वाले गेट पर ताला रहता है, ऐसे में वहां रात के समय चोर कैसे पहुंचा और बैटरी चोरी करके कैसे ले गया?

मानवता हॉस्पिटल लूट में तीन इनामी मोस्ट वांटेड अपराधी गिरफ्तार

आरोपियों से 4 लूट, हत्या की कोशिश व अवैध हथियार वारदातों को सुलझाया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

क्राइम ब्रांच सेक्टर 17 प्रभारी इंस्पेक्टर अशोक कुमार की टीम ने कार्यवाई करते हुए मानवता हॉस्पिटल लूट के मामले के बाद फरार चल रहे फरीदाबाद जिले के मोस्ट वांटेड तीन अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी मनोज उर्फ जीरो, प्रीतम उर्फ मन्नू निवासी गांव मच्छगर फरीदाबाद और हेमंत उर्फ फौजी निवासी सुभाष कालोनी बल्लबगढ़, फरीदाबाद के रहने वाले हैं।

पुलिस प्रवक्ता सुबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपियो ने संजय कॉलोनी में रहने वाले त्रिलोकचंद के मकान पर कब्जा करने के मामले में मानवता हॉस्पिटल के मालिक मुकेश भाटी ने त्रिलोकचंद का साथ देते हुए फैसला नही होने दिया। जिसके कारण आदित्य उर्फ कातिया गैंग ने सात दिसम्बर की रात को 11-12 बजे मानवता हॉस्पिटल में अवैध हथियार के बल पर तोड़फोड़, मारपीट व लूटपाट करके संजय कॉलोनी में जाकर त्रिलोकचंद के साथ मारपीट करके जान से मारने की धमकी देकर निकल गए।

मानवता अस्पताल में लुटपाट करने के आरोप में गिरफ्तार युवकों के साथ क्राइम ब्रांच सेक्टर-17 के पुलिसकर्मी।

बीके चौक पर एक दुकानदार से बीड़ी और सिगरेट ली और दुकानदार के पैसे मांगने पर दुकानदार पर जान से मारने की नीयत से अवैध हथियार से गोली चलाई थी। गोली दुकान की दीवार में लगी थी।

आरोपी मनोज उर्फ जीरो और प्रीतम उर्फ मन्नू पर पांच- पांच हजार रुपए का इनाम रखा गया था। दोनों मोस्ट वांटेड अपराधी मनोज उर्फ जीरो व प्रीतम उर्फ मन्नू और उनके साथी हेमंत उर्फ फौजी को क्राईम ब्रांच की टीम ने आरोपियों को गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर आईएमटी बल्लभगढ़ से गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी आदित्य उर्फ कातिया गैंग का मुख्य सदस्य हैं। आरोपियों का मुख्य काम लड़ाई झगड़ा करके जमीनों पर कब्जा करने का है। बंटी, शेरु और ईश्वर को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। मानवता हॉस्पिटल में तोड़फोड़ और लूट के मामलों में पांचों आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी हेमंत उर्फ फौजी थाना सेक्टर 58, त्रिलोकचंद के मकान कब्जे की तोड़फोड़ में शामिल था।

पुलिस जांच में आरोपी मनोज उर्फ जीरो पर फरीदाबाद के सदर बल्लभगढ़ थाना में लूटपाट, लड़ाई झगड़ा, हत्या की कोशिश, अपहरण और अवैध हथियार के आठ मामले दर्ज हैं। आरोपी प्रीतम उर्फ मन्नू पर थाना सिटी बल्लभगढ़ के दो मामले दर्ज हैं। आरोपी हेमंत उर्फ फौजी पर एक लड़ाई झगड़े का मामला दर्ज है। तीनों आरोपियों को आज पेश अदालत कर मामले में गहनता से पूछताछ के लिए दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

कोरोना विस्फोट : 1396 नए संक्रमित, एक की मौत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना विस्फोट लगातार जारी है। रविवार को जिले में जहां एक तरफ 1396 नए संक्रमित मरीज सामने आए, वहीं दूसरी तरफ जिला स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना से एक मरीज की मौत होने की पुष्टि की है। जिससे जिले में कोविड-19 के मृतकों की संख्या का आंकड़ा 719 पर पहुंच गया है। वहीं जिले में लगातार सामने आ रहे मामलों से एक्टीव केसों की संख्या का आंकड़ा 9865 पर पहुंच गया हैं। जिसमें होम आईसोलेशन में 9676 और अस्पताल में दाखिल मरीजो की संख्या 189 है। जिसमें 32 ऑक्सीजन, आईसीयू 30 और 7 वैंटीलेटर पर भर्ती है। जिले में राहत की बात यह रही कि 570 मरीज को ठीक होने पर घर भेज दिया। वहीं स्वस्थ्य होने की दर 90.52 प्रतिशत हो गई है।

टैस्टींग को बढ़ावा: जिले में कोरोना के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए लगातार टैस्टींग को बढ़ावा दिया जा रहा है। रविवार को अवकाश के बावजूद जिले में 3799 सैम्पल जांच किए गए। जिले में फिलहाल 4299 सैम्पलों की रिपोर्ट आनी शेष है। जिसमें सरकारी लैब में लिए गए 3128 और निजी प्रयोगशालाओं में लिए गए आरटीपीसीआर के 1171 सैम्पलों की रिपोर्ट शामिल है। जिले में करंट सैम्पल पॉजिविटी रेट 36.75 प्रतिशत पर है।

प्रयोगशाला में कोरोना जांच करवाते लोग।

यहां से पॉजिटिव: जिले में 1396 पॉजिटिव मरीज सामने आए है। जिसमें चार्मवुड विलेज के 19, सेक्टर-9 से 15, सेक्टर-22 से 16, सेक्टर-23 से 14, स्प्रींग फिल्ड कालोनी से 18, जवाहर कालोनी और सेक्टर-87, 11 से 10-10 मरीज है। भारत कालोनी से 2, एसजीएम नगर से 19, सेक्टर-48 से 5, अमर नगर से 4, खेड़ी कला से 19, सैनिक कालोनी से 17, सेक्टर-16 से 53, सेक्टर-29 से 15, सेक्टर-15 से 53, सेक्टर-88 से 37, सेक्टर-85 से 13, सेक्टर-21 से 49, सेक्टर-86 से 35, सेक्टर-17 से 22, ग्रीन फिल्ड कालोनी से 42, सेक्टर-37 से 23, एनएच-तीन से 26, सेक्टर-43 से 7, सेक्टर-77 से 17, सेक्टर-14 से 26, सेक्टर-19 से 36, सेक्टर-87 से 7, ग्रीन वैली से 11, आईपी कालोनी से 20 और तिलपत से 2 मरीज है।

भारतीय सेना सब से अधिक साहसी सेना

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एन आई टी तीन फरीदाबाद की जूनियर रेडक्रॉस, गाइड्स और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड ने प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में भारतीय सेना दिवस पर वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य मनचंदा ने कहा कि भारतीय सेना आज अपना 74वां स्थापना दिवस मना रही है। भारतीय सेना द्वार हर साल 15 जनवरी के दिन भारतीय सेना दिवस मनाया जाता है।

दरअसल आज ही के दिन फील्ड मार्शल केएम करियप्पा ने आजादी के बाद साल 1949 में ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर से भारतीय सेना की पूरी कमान ली थी। फ्रांसिस ने भारत में अंतिम ब्रिटिश जनरल के रूप में काम किया और इसके बाद भारतीय सेना की बागडोर फील्ड मार्शल केएम करियप्पा को सौंप दी गई और करियप्पा भारतीय सेना के पहले कमांडर इन चीफ बने। केएम करियप्पा के भारतीय थल सेना के शीर्ष कमांडर का पद संभालने के ही उपलक्ष्य में हर वर्ष 15 जनवरी के दिन भारतीय सेना दिवस मनाया जाता है।

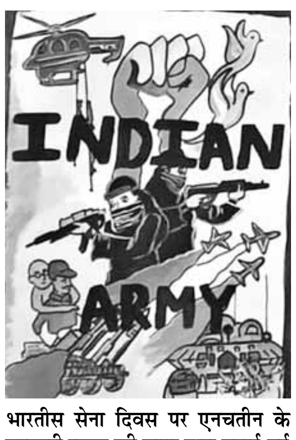

भारतीस सेना दिवस पर एनचतीन के सरकारी स्कूल की छात्रा द्वारा बनाई गई पेंटिग।

विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड प्रभारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने बताया कि फील्ड मार्शल करियप्पा ने ब्रिटिश भारतीय सेना से फौज की नौकरी प्रारंभ की और करियप्पा ने 1947 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी सीमा पर सेना का नेतृत्व किया।

आजादी की लड़ाई के श्रेय को कांग्रेस ने अपने तक ही सीमित रखा: धनखड़

जन-जन तक पंहुचाई जाएगी वीर शहीदों की अमर गाथाएं: ओमप्रकाश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कांग्रेस ने सुभाष चंद्र बोस और उन जैसे हजारों बलिदानियों के साथ धोखा किया है, जिन्होंने आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। कांग्रेस ने लाखों बलिदानियों के नाम सामने नहीं आने दिए, जिसके चलते भाजपा ने आजादी के 75वें वर्ष में भुला दिए बलिदानियों के नाम भी उजागर कर देश और प्रदेश के बच्चे-बच्चे तक पंहुचाने का संकल्प लिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री सोहनपाल सिंह के सीकरी स्थित फार्म पर आयोजित बैठक से मिलन वाटिका फरीदाबाद में वर्चुअल तरीके से वार्ड व ग्राम प्रमुखों को संबोधित करते हुए यह कहा। बैठक में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा, प्रदेश महामंत्री मोहन लाल बडौली, फरीदाबाद के प्रभारी विधायक सत्य प्रकाश जरावता, जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल राणा, विधायक सीमा त्रिखा, राजेश नागर, युवा आयोग के चेयरमेन मुकेश गौड़, प्रदेश किसान मोर्चा के महामंत्री सोहन पाल सिंह, मेहर चंद गहलोत, मेयर सुमन बाला व जिला महामंत्री मूलचंद मित्तल, आर एन सिंह मुख्य तौर पर उपस्थित रहे ।23 जनवरी को नेता जी सुभाष चंद बोस की 125 वी जयंती पर प्रदेश भर में 7500 स्थानों पर 6 लाख लोग आजाद हिंद फौज का तराना गाकर नेताजी व उनकी आजाद हिंद फौज से जुड़े स्वतंत्रता सेनानियों को याद करेंगे। प्रदेश के 6 लाख लोग 23 जनवरी को नेताजी को जयहिन्द बोलेंगें। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने इन कार्यक्रमों के लिए 16000 कार्यकर्ताओं की ड्यूटी लगाई है। इसके लिए प्रदेश के हर वार्ड और गांव में नेता जी का चित्र और उनके द्वारा दिए गए नारे एवं गीत पहुंचा दिए हैं तथा इस संबंध में हर कार्यक्रम स्थल पर दो-दो भाजपा कार्यकर्ताओं की ड्यूटी निर्धारित कर दी गई है।

23-24 फरवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का किया समर्थन

फरीदाबाद। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) द्वारा मजदूर व कर्मचारी संघों के आह्वान पर 23-24 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का समर्थन करने के फैसले को ऐतिहासिक कदम बताया है। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा ने शनिवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा लिए गए इस निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा समर्थित मजदूर व कर्मचारी संघों की यह हड़ताल अंतरराष्ट्रीय वित्तीय पूंजी द्वारा संचालित नव उदारवादी आर्थिक नीतियों का भविष्य तय करेगी। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही 23-24 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल देश की नव उदारवादी आर्थिक नीतियों द्वारा समर्थित राजनीति की दिशा को भी बदलने में साहयक हो सकती है। उन्होंने कहा कि उक्त राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान देश की दस केन्द्रीय ट्रेड यूनियन और केन्द्र एवं राज्य सरकार के कर्मचारियों के अखिल भारतीय स्तर के कर्मचारी संघों ने संयुक्त रूप से किया गया है।

गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर प्रशासन मुस्तैद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिलाधीश जितेंद्र यादव ने कहा कि आगामी 26 जनवरी 2022 को गणतंत्र दिवस समरोह मनाया जाएगा। इसका मुख्य समारोह राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, सभी राज्यों की राजधानियों व जिला स्तर पर भी मनाया जाएगा। इस पर्व पर आतंकी व अपराधिक किस्म के व्यक्ति सीमावर्ती ईलाकों, शहरों में छुपे होने की आशंका बनी रहती है। जिला फरीदाबाद भी दिल्ली के सीमावर्ती शहरों में से एक है। यहां पर अलग-अलग जिला, शहरों व राज्यों से आए भिन्न-भिन्न प्रकार के लोग रहते हैं जो इस तरह की गतिविधियों को पनाह देने में सहायता कर सकते हैं। इस प्रकार की गतिविधियों को समय से पहले रोकने के लिए और जिला फरीदाबाद में सुरक्षा बनाए रखने के लिए धारा 144 सीआरपीसी के तहत आदेश जारी किए गए हैं।

अपने आदेशों में जिलाधीश जितेंद्र यादव ने कहा कि जिला फरीदाबाद में कानून व्यवस्था को स्थापित करने के लिए दंड प्रक्रिया संहिता नियमावली 1973 की धारा 144 द्वारा प्रदान शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला फरीदाबाद के सभी होटल, गेस्ट हाउस, पीजी, धर्मशाला, मकान मालिक द्वारा किराएदार, नौकर, पेईंग गेस्ट रखने से पूर्व उनका पूर्ण विवरण प्राप्त किए बिना रखने पर प्रतिबंध लगाया जाता है। सभी होटल, गैस्ट हाउस, पीजी, धर्मशाला व अस्पताल के मालिक अपने यहां ठहरने वाले सभी व्यक्तियों की आईडी जांच उनका रिकार्ड रजिस्टर में इंद्राज करें। सभी साईबर कैफे मालिकों को निर्देश हैं कि वह अपने यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति का पूर्ण विवरण रजिस्टर में अंकित करें तथा उनके पहचान पत्र की प्रति अपने रिकार्ड में रखें। सभी अपने यहां उच्च कोटि के सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगवाएं और उनकी क्षमता 30 दिन की होनी चाहिए।सभी होटल गैस्ट हाउस, पीजी, धर्मशाला, अस्पताल इत्यादि को अपने यहां ठहरने वाले विदेशी नागरिकों के सी फार्म भरने तथा उन व्यक्तियों की आईडी व उनका पूर्ण विवरण रजिस्टर में दर्ज करना भी अनिवार्य है। अगर कोई भी संदिग्ध व्यक्ति नजर आता है तो उसकी सूचना तुरंत लोकल पुलिस थाना व पुलिस नियंत्रण कक्ष फरीदाबाद को देना सुनिश्चित किया जाए। जिला फरीदाबाद के रहने वाले सभी असला धारकों को निर्देश दिए जाएं कि वह किसी भी सार्वजनिक समारोह, शादी विवाह की पार्टियों में तथा सार्वजनिक स्थानों पर असलाह लेकर न घूमें। एसटीडी, पीसीओ बूथ मालिक भी एसटीडी व आईएसडी टेलीफोन करने वाले व्यक्तियों का नाम, पूरा पता व पहचान अंकित करें। सभी दुकानदार जो पुराने मोबाईल खरीदते व बेचते हैं वह अपनी दुकान पर एक रजिस्टर लगाकर रिकार्ड रखेंगे। इसमें फोन की डिटेल, आईएमईआई नंबर भी अवश्य दर्ज करें। इसके अलावा ड्रोन उड़ाने और रखने पर भी पूर्णता प्रतिबंधित है तथा सभी ड्रोन मालिकों को अपने ड्रोन सम्बंधित थानों में जमा कराए।

सभी होटल, गेस्ट हाउस, पीजी, धर्मशाला, मकान मालिक द्वारा किराएदार, नौकर, पेईंग गेस्ट रखने से पूर्व उनका पूर्ण विवरण प्राप्त किए बिना रखने पर प्रतिबंध लगाया

ड्रोन उड़ाने और रखने पर भी पूर्णता प्रतिबंध, सभी ड्रोन मालिकों अपने ड्रोन सर्म्बोधित थानों में जमा कराए

जिले में एक साल में लगे 34.50 लाख को टीके

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में लगातार बढ़ते कोविड-19 के मामलों को देखते हुए वैक्सीनेशन को अधिक से अधिक बढ़ावा दिया जा रहा है। लोगों को वैक्सीन न लगे होने पर सरकारी और निजी दफ्तरों में जाने से रोका जा रहा है। जिस कारण लोग वैक्सीनेशन को अधिक से अधिक आगे आ रहे है।

इसी कड़ी में पिछले दिनों 15 से 18 आयुवर्ष के बच्चों के लिए वैक्सीन की शुरूआत भी की गई है। जिसके तहत बच्चों को कोवैक्सीन की पहली डोज जिले में लगाई जा रही है। वैक्सीनेशन के जिला नॉडल अधिकारी डॉ. मान सिंह ने बताया कि जिले में फिलहाल दिए गए लक्ष्य से कही अधिक वैक्सीन लगाई जा चुकी है। उन्होंने बताया कि अब तक जिले में 34 लाख 50 हजार 493 लोगों को वैक्सीन लगी है। जिसमें प्रथम डोज 19 लाख 94 हजार, 574 लोगो को लगी है। वहीं दूसरी डोज 14 लाख 50 हजार 115 को लगी है।

वैक्सीन की पहली डोज लगवाते हुए अंशुल।

11 से 2 बजे तक भीड़: जिले में रविवार को 11356 को टीके लगे। शिविर सुबह के समय खाली नजर आए। जिसमें सुबह 10 बजे के आसपास केवल 52 ही टीके लगे। वहीं 11 बजे के बाद कुछ भीड बढ़ती शुरू हो गई और 10 से 11 बजे तक कुल 798 ने टीके लगवाये। वहीं दोपहर 12 बजे 1713 लोगों को टीके लगे।

संक्षिप्त समाचार

जूता कंपनी में लगी भयानक आग से भारी नुकसान

सरूरपुर इंडस्ट्रीज एरिया स्थित फुटवेयर कम्पनी में लगी आग पर काबू पाते दमकल कर्मी।

फरीदाबाद। सरूरपुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित जूते बनाने वाली एक कंपनी में बीती रात अचानक आग लग गई। कंपनी में मौजूद कर्मचारियों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया। लेकिन आग लगातार फैलती चली गई। आग ने थोड़ी ही देर में पूरी कंपनी को अपनी चपेट में ले लिया। आग पर काबू पाने के लिए एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक सबकुछ जलकर राख हो चुका था। जानकारी के मुताबिक सरूरपुर औद्योगिक क्षेत्र की गली नंबर में क्वालिटी शूज के नाम से जूतों का उत्पादन करने वाली एक कंपनी मौजूद है। शनिवार को कंपनी के अन्य कर्मचारी तो घर लौट गए थे। लेकिन करीब आधा दर्जन मजदूर कंपनी में रूके हुए थे। देर रात को कंपनी के एक हिस्से में अचानक आग लग गई। मौके पर मौजूद मजदूरों ने आग को बुझाने का प्रयास किया। लेकिन आग तेजी के साथ फैलती चली गई। थोड़ी ही देर में आग ने पूरी कंपनी को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू कर दिया। इस दौरान मौके पर फायर ब्रिगेड की दर्जनभर गाड़ियों को आना पड़ा। कई घंटों की मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक सबकुछ जलकर राख हो चुका था।

दो दिन मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर रहेगा पंजीकरण बंद

फरीदाबाद। उपायुक्त जितेंद्र यादव ने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा की ओर से मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर आगामी 17 व 18 जनवरी को किसानों के पंजीकरण के लिए बंद रहेगा जबकि 19 जनवरी से किसानों के लिए पोर्टल फिर से रजिस्ट्रेशन हेतु खुल जाएगा। डीसी जितेंद्र यादव ने विभाग की ओर से दिए निर्देशों की जानकारी देते हुए बताया कि पोर्टल को अपग्रेड करने की प्रक्रिया के दौरान दो दिन पोर्टल बंद रहने के बाद 19 जनवरी से मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल किसानों के पंजीकरण के लिए खोल दिया जाएगा और किसान अपनी फसल का ब्यौरा अपलोड कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि दो दिन पोर्टल अपग्रेडेशन के दौरान किसानों को चिंता करने की आवश्यकता बिल्कुल नहीं है क्योंकि 17 व 18 को ही पोर्टल पंजीकरण के लिए बंद रहेगा और 19 जनवरी से पंजीकरण की प्रक्रिया फिर से शुरू हो जाएगी।

विधायक ने किया रोजगार मेले का उद्घाटन

तिलपत में रोजगार मेला का शुभारंभ करते तिगांव के विधायक राजेश नागर।

फरीदाबाद। तिगांव से भाजपा विधायक राजेश नागर ने आज तिलपत में आयोजित रोजगार मेले का रिबन काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री नागर ने कहा कि एक व्यक्ति के जीवन में रोजगार का बड़ा महत्व है। व्यक्ति रोजगार के माध्यम से स्वयं एवं अपने परिवार का भरण पोषण करता है और देश की तरक्की में भी सहयोग करता है। तिलपत गांव की राधे बाटिका में आयोजित रोजगार मेला का उद्घाटन करने पहुंचे विधायक राजेश नागर का लोगों ने फूल मालाओं एवं पगड़ी के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर नागर ने बताया कि हमारी सरकार स्वरोजगार की दिशा में बड़े प्रयास कर रही है। इसलिए देश और प्रदेश में स्किल ट्रेनिंग के साथ साथ स्वरोजगार के लिए भी लोन दिए जा रहे हैं। अनुभव बता रहा है कि यह काम कोरोना काल में भी पहले की भांति चलता रहा है। हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में स्वरोजगार देने के काम में देश में नंबर एक स्थान पर है। विधायक राजेश नागरर ने कहा कि सरकार के प्रयासों के साथ वह अपनी ओर से भी प्रयास कर युवा साथियों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसीलिए अपने विधानसभा क्षेत्र में रोजगार मेलों का आयोजन शुरू किया है। आज सैकड़ों लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है। वहीं इससे पहले भी कई मेलों का आयोजन किया जा चुका है जिनके जरिए हजारों युवाओं को रोजगार की राह मिली है। आज के मेले में 14 कंपनियों ने करीब 500 लोगों को नौकरियां दीं। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता गिर्राज शर्मा, प्रहलाद शर्मा, पूर्व सरपंच पुष्कर राज, बासुदेव भारद्वाज, विकास शर्मा, संजय पाराशर, गगन, कालू, सुशील शर्मा, राधाचरण शर्मा, हरिओम, धनंजय सिंह, प्रदीप त्रिपाठी आदि प्रमुख व्यक्ति मौजूद रहे।

स्वास्थ्य विभाग व रेडक्रॉस ने लगाए वैक्सीनेशन कैंप

फरीदाबाद। जिला रेडक्रॉस सोसायटी एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा फरीदाबाद में विभिन्न जगह पर सभी सामाजिक संगठनों के माध्यम से वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया। सभी कैंपों का आयोजन उपायुक्त जितेंद्र यादव के आदेशानुसार किया गया। सीएमओ विनय गुप्ता ने स्वयं जाकर लोगों का उत्साह वर्धन किया। वह ज्यादा से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सभी जगह पर आरएसएस प्रांत प्रमुख गंगा शंकर मिश्र मुख्य रूप से उपस्थित रहे। विशेष रुप से सभी सामाजिक, धार्मिक संगठनों का हृदय से आभार किया कि जो इस पुनीत कार्य में सभी अपनी सेवाएं जनमानस के लिए उपलब्ध करा रहे हैं। कार्यक्रम के संयोजक विमल खंडेलवाल ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ मिलकर फरीदाबाद में विभिन्न जगह पर वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया। जिला उपायुक्त जितेंद्र यादव के नेतृत्व में आगे भी चलता रहेगा। इस अवसर पर लायंस क्लब क्लब फरीदाबाद सेंट्रल, सावन वेलफेयर एसोसिएशन, जय सेवा फाउंडेशन, सशक्त युवा फाउंडेशन, वैश्य समाज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक, आरडब्लुए एवं सामाजिक संगठनों का विशेष योगदान रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अनिल अरोड़ा, राहुल सिंगला, शिवकुमार अग्रवाल, सौरभ गर्ग, एमपी रूंगटा, रोहित रूंगटा, बी.आर सिंगला, मनोज बंसल, एवं अन्य समाज के प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे।

जिला ब्राहण सभा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

फरीदाबाद। जिला फरीदाबाद ब्राहण सभा की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन शिवम वाटिका पल्ला-1 में हुआ। जिसकी अध्यक्षता बृजमोहन वत्स द्वारा की गई। इसके अलावा इस बैठक में पूर्व विधायक टेकचन्द शर्मा, भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व जिलाध्यक्ष अनिता शर्मा, पंडित ओपी शर्मा, योगेश शर्मा भी मुख्य रूप से मौजूद थे। बैठक का आयोजन पंडित अवनेश कुमार द्वारा किया गया। बैठक से पूर्व सभी ने भगवान परशुराम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। बैठक में कई महत्वपूर्ण मुददो पर चर्चा हुई और समाज में फैली कुरीतियों को किस प्रकार दूर किया जाए इस बारे में गहनता से विचार विर्मश किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए बृजमोहन वत्स ने कहा कि बाह्णण समाज हमेशा से ही देश की भलाई के लिए कार्य करता आया है और देश के विकास में इस समाज के लोग आज भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। पंडित अवनेश शर्मा ने कहा कि समाज के उत्थान के लिए समाज के ही मौजिज लोगों को आगे आना चाहिए ताकि यह समाज दिन दूनी रात चौगनी तरक्की कर सके। उन्होंने कहा कि जिला फरीदाबाद ब्राहण सभा ने हमेशा ही समाज के लोगों को एक छत के नीचे लाकर आपस में भाईचारे के एक सूत्र में पिरोने का काम किया है। उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर समाज के उत्थान के लिए आगे आएं।

दंड विधि सुधार

सरकार व न्यायालय सहमत

पिछले कुछ दिनों से दिल्ली उच्च न्यायालय वैवोहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने पर याचिकाओं की सुनवाई कर रहा है। सुनवाई के दौरान केन्द्र ने अदालत को सूचना दी है कि वह दंड विधि में एक समग्र सुधार का प्रस्ताव करेगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने मंगलवार को भारत के प्रधान न्यायाधीश, संसद सदस्यों तथा मुख्यमंत्रियों से 'जन केन्द्रित कानूनी ढांचा' बनाने पर राय मांगी है। गृह मंत्री ने पहले भी 2016 में भी इसी प्रकार के विचार व्यक्त करते हुए कहा था कि भारतीय दंड संहिता, अपराध प्रक्रिया संहिता, आर्म्स एक्ट, आदि में बदलाव की आवश्यकता है। इसी वर्ष सर्वोच्च न्यायालय ने भी केन्द्र से पुलिस कानूनों में सुधार के लिए कहा था। कहावत है, कभी नहीं से देर भली। इन कानूनों तथा अनेक अन्य संहिताओं के अनेक हिस्से औपनिवेशिक विरासत में मिले थे और वे पुराने पड़ गए हैं। हालांकि, उनका अब भी प्रयोग होता है, लेकिन उनका उल्लंघन अधिक होता है और उनको समाप्त करने की जरूरत है। वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने का मामला भी इनमें शामिल है जो स्पष्ट रूप से 'जन-केन्द्रित' न होते हुए भी कानूनी किताबों का हिस्सा है। ऐसे में गृह मंत्रालय इस बारे में सुधार के अनेक सुझाव देगा। लेकिन मंत्रालय को वे प्राविधान पहचानने चाहिए जिनकी समीक्षा की जरूरत है। कुछ लोग अपराधों के वर्गीकरण, विधि प्रक्रियाओं, दंड की मात्रा तथा दंड न्यायशास्त्र के सिद्धान्तों में व्यापक सुधारों के पक्ष में हैं क्योंकि इनमें दशकों से परिवर्तन नहीं हुए हैं।

1860 में तैयार की गई भारतीय दंड संहिता में अब तक केवल 77

संशोधन हुए हैं, जिनमें से 37 स्वतंत्रता के बाद हुए हैं। सीआरपीसी में 1974 व 2014 के बीच 18 बार संशोधन हुए हैं। सामाजिक प्रगति व तकनीकी उच्चीकरण को देखते हुए स्पष्ट है कि ये कानून विरले ही समय के साथ चलने में सफल हुए हैं। सुधारात्मक व परिवर्तनात्मक न्याय को ध्यान में रखते हुए नए प्रकार के दंड भारतीय व्यवस्था में शामिल किए जाने चाहिए। प्रक्रियागत रूप से सैद्धान्तिक सजा समय की आवश्यकता है ताकि समान प्रकृति के अपराधों के लिए विभिन्न प्रकार की सजा में बदलाव सुनिश्चित हो सके और उनको समान स्तर पर लाया जा सके। सरकार को बताना चाहिए कि वह सुधारों को कैसे 'जन केन्द्रित' बनाना चाहती है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी उपयुक्त प्रक्रियायें होनी चाहिए जो जल्दी से उत्पीड़न के कारणों की पहचान कर कानूनों में सुधार कर सकें ताकि अपराध से पीड़ितों को अधिकार मिल सकें। मैकाले के समय के कानूनों का उद्देश्य राजा का हित रक्षण था। उनका जनता की ओर उन्मुखीकरण जरूरी है जो पहले औपनिवेशिक शासन से पीड़ित थी और स्वतंत्रता के बाद औपनिवेशिक कानूनों से पीड़ित है। कानूनों को पीड़ित संरक्षण योजनाओं का लाभ उठाने वाला होना चाहिए तथा अपराध सुनवाइयों में पीड़ित की सहभागिता और पीड़ितों को मुआवजे व बहाली की योजनायें बननी चाहिए। पीड़ितों की पैरवी तथा मानवाधिकार महत्वपूर्ण बिंदु हैं। लेकिन ये सारे परिवर्तन अपराध से निपटने में मजबूत मानसिक प्रतिबद्धता के बिना संभव नहीं हैं। पहला, अपराध जांच एजेसियों की भूमिका में राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए, दूसरा, शिकायतकर्ताओं के प्रति पुलिस के दृष्टिकोण में बदलाव होना चाहिए तथा तीसरा, पुलिस पर कोई बाहरी दबाव नहीं होना चाहिए।

पर्यावरणीय अर्थशास्त्री महात्मा गांधी

आज गांधीजी के विचार अधिक प्रासांगिक हैं क्योंकि भारत रोजगार विहीन प्रगति तथा भयंकर बेरोजगारी संकट जैसी समस्याओं से निपट रहा है।

बीकेपी सिन्हा
(लेखक सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी हैं)

भारत को पहले मसालों, कपड़ों, मूल्यवान धातुओं व रत्नों के फलते-फूलते व्यापारिक केन्द्र के रूप में जाना जाता था। स्वतंत्रता के बाद भारत को ऐसी अर्थव्यवस्था विरासत में मिली जो दुनिया में सबसे गरीब थी, उसका कोई औद्योगिक आधार नहीं था तथा जंगलों व उर्वरता से वंचित भूमि थी। अंग्रेजों ने पहले से अपनी गुणवत्ता व हुनरमंदी के लिए विकसित और दुनिया भर में प्रशंसित दस्तकारियों को कमजोर कर दिया था। महात्मा गांधी के विचार से ब्रिटिश शासन द्वारा थोपी गई औद्योगिक सभ्यता ने भारत को सामाजिक, पर्यावरणीय व आर्थिक संकटों में धकेल दिया था। उनका विश्वास था की भारत की मुक्ति उसकी प्राचीन सभ्यता की बहाली से ही संभव है जहां आर्थिक प्रगति व नैतिक प्रगति एक दूसरे से जुड़ी थीं। गांधीजी जानते थे कि 'भारत अपने सात लाख गांवों' में जीवित है, अत: भारत के पुनर्निर्माण के लिए इन गांवों की आर्थिक व सामाजिक प्रगति एक पूर्वशर्त थी। वे चाहते थे कि गांव आत्मनिर्भर बनें तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था केवल कृषि व संबंधित गतिविधियों पर निर्भर न रह कर मजबूत ग्रामीण उद्योगों का विकास भी होना चाहिए ताकि ग्रामीणों को रोजगार मिल सके। गांधीजी ने एक बार कहा था, 'यदि गांव नष्ट होंगे तो भारत भी नष्ट हो जाएगा।' उन्होंने कल्पना की थी कि आदर्श गांव में घर स्थानीय संसाधनों वाली सामग्री से बने होंगे, उनमें समुचित प्रकाश आएगा, हवा आएगी, तथा समुचित सफाई होगी। वे आदर्श गांव अपना अनाज, फल, सब्जियां तथा खादी पैदा करेंगे। इन गांवों में कुंए, पूजा स्थल, बैठकों के साझा स्थान, साझा चरागाह, सहकारी डेरी, प्राथमिक व सेकेंड्री स्कूल, पेशा प्रशिक्षण केन्द्र होंगे तथा पंचायतें विवादों का निपटारा करेंगी।

गांधीजी सत्ता के केंद्रीकरण और ऐसी व्यवस्था के खिलाफ थे जो लोगों को मशीन और सामग्री समझती है। वे समन्वयवादी, गरीबी से मुक्त करने वाली, अहिंसक तथा सहकारिता व नैतिकता आधारित विकास प्रक्रिया चाहते थे। उन्होंने ऐसे पर्यावरणीय माडल की पैरवी की थी जहां इच्छायें सीमित हों, जबकि भौतिक समृद्धि की पैरवी करने वाली आधुनिक सभ्यता हिंसा, दु:ख तथा उत्पीड़न, शोषण व प्रभुत्व की संस्कृति पैदा करती है। टिकाऊ विकास की गांधीजी की अवधारणा व्यक्ति व समाज के समग्र विकास पर केंद्रित थी जो प्रकृति से जुड़ी हो। 'सादा जीवन' की पैरवी कर गांधीजी मनुष्यों के लालच तथा प्राकृतिक संसाधनों के विचारहीन दोहन पर लगाम लगाना चाहते थे। उन्होंने कहा था कि हमें 'आवश्यकता' और 'लालच' के बीच अंतर समझना चाहिए तथा अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति से अधिक नहीं लेना चाहिए। एक प्रकार से ऐसा करना अन्य प्रजातियों, मनुष्यों तथा भविष्य से लूट है। गांधीजी अक्सर कहते थे, 'जमीन के पस सभी मनुष्यों की आवश्यकतायें पूरी करने के लिए सब कुछ है, पर किसी का लालच पूरा करने के लिए कुछ नहीं।' उन्होंने पश्चिम के अत्यधिक औद्योगीकरण तथा गैर-टिकाऊ उपभोग के तरीकों के खिलाफ चेतावनी दी थी। उन्होंने शहरीकरण की प्रक्रिया को 'दुहरा नुकसान' कहा था जो गांवों और ग्रामीणों को नुकसान पहुंचाती है तथा दोनों के लिए घातक है। अत: आर्थिक संतुलन सुनिश्चित करने के लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि शहरी क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्र को नष्ट न करे तथा केन्द्रीकरण के बजाय विकेन्द्रीकरण को केन्द्र में रखा जाए। उनका तर्क था कि तकनीकी रूप से संवेदनशील अर्थव्यवस्था के दो परिणाम होंगे। यह जनता की आर्थिक स्वायत्तता छीन लेगी तथा वह पर्यावरणीय ढांचा नष्ट कर देगी जिस पर लाखों लोग निर्भर हैं। इसलिए उत्पादकता बढ़ाने के लिए हमें आयातित तकनीकी के अंधाधुंध प्रयोग से बचना होगा। उन्होंने अनुमान लगाया था कि कुटीर उद्योग तकनीक के विकास से ग्रामीण उत्पादन की क्षमता बढ़ेगी तथा ग्रामीण श्रम का विस्थापन नहीं होगा। उन्होंने उपयुक्त प्रौद्योगिकी की पैरवी की थी जहां विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सामाजिक लाभ अधिकतम करने के लिए उत्पादन पर नियंत्रण होगा तथा मनुष्य व पर्यावरण के बीच समुचित संतुलन बनाए रखा जाएगा। उन्होंने ग्रामीण व कुटीर उद्योगों के विकास पर जोर दिया था जहां दस्तकारी, बुनाई, कताई, आदि आय व राजस्व पैदा करने के साधन बनेंगे। इससे ग्रामीण कौशल सुरक्षित रहेंगे तथा कामगारों को सत्ता की भूखी मशीनों से प्रतियोगिता से बचाया जाएगा। इससे ग्रामीणों को रोजगार सुनिश्चित होगा।

आज गांधीजी के विचार अधिक प्रासांगिक हैं क्योंकि भारत वैश्विक महामारी की स्थितियों में रोजगार विहीन प्रगति तथा भयंकर बेरोजगारी संकट जैसी समस्याओं से निपट रहा है। स्पष्ट है कि विकास की वर्तमान अवधारणा गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को जन्म दे रही है जिनका सामाजिक या परिस्थितिकीय नियंत्रण संभव नहीं है। इनसे इस ग्रह में असमानता तथा गरीबों व अमीरों के बीच खाई बढ़ रही है। हम गरीबी में दबे लाखों लोगों की समस्याओं को संबोधित नहीं कर पा रहे हैं। गांधीजी अच्छी तरह ऐसे परिवर्तनों तथा विभिन्न वर्गों के बीच संपदा के असमान वितरण के नकारात्मक नतीजे समझते थे। विश्व असमानता रिपोर्ट, 2022 ने भारत को दुनिया का सर्वाधिक असमान देश माना है। यहां सबसे ऊपर के 10 प्रतिशत तथा सर्वोच्च एक प्रतिशत लोगों के पास कुल राष्ट्रीय आय का क्रमश: 57 प्रतिशत व 22 प्रतिशत जाता है, जबकि सबसे नीचे के आधे लोगों के हिस्से में 13 प्रतिशत की कमी आई है तथा उनके पास लगभग कुछ नहीं है। थामस पिकेटी ने अपनी प्रभावशाली पुस्तक 'कैपिटल इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' में लिखा है कि असमानता तेजी से बढ़ रही है तथा वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है ताकि अमीरों को एक देश से दूसरे में संसाधन हस्तांतरित करने से रोका जा सके। उन्होंने उच्च आयकर दाताओं के लिए वैश्विक संपदा कर के साथ बहुत अधिक आयकर की पैरवी की है।

नैतिकता से वंचित आर्थिक प्रगति जनता के बीच विभाजनों को गहरा करेगी तथा असंतोष बढ़ाएगी। बढ़ती जनसंख्या और खाद्यान्नों की बढ़ती मांग से भूमि-प्रयोग में व्यापक परिवर्तन किया है। जंगलों और चरागाहों की कीमत पर गहन खेती ने रसायनों व उर्वरकों के प्रयोग से प्रदूषण बढ़ाया है, मृदा व भूमिगत जल प्रदूषित हुए हैं, जैवविविधता का विनाश हुआ है तथा उर्वरता बढ़ाने वाले लाभदायक जीव नष्ट हुए हैं। गांधीजी का टिकाऊ खेती में विश्वास था और उन्होंने मृदा की उर्वरता बढ़ाने के लिए जैविक खादों व जैविक कीटनाशकों की पैरवी की थी। आज स्वास्थ्यरक्षा विशेषज्ञ रसायन-मुक्त फसलों की पैरवी कर रहे हैं क्योंकि पौधों में मौजूद अत्यधिक रसायन मनुष्यों में स्वास्थ्य संबंधी समस्यायें पैदा कर रहे हैं। इनसे वृक्क व फेफड़े प्रभावित होते हैं, कैंसर हो सकता है तथा बच्चों में कुपोषण के साथ ही गर्भ में विकृतियों का भी खतरा है।

पर्यावरण संकट के बारे में गांधीजी की समझदारी उनके युग से बहुत आगे थी। उन्होंने वर्तमान समय की अनेक सबसे बड़ी चुनौतियों का पूर्वानुमान कर लिया था। वे जानते थे कि भावी जल संकट का मुकाबला करने के लिए वनीकरण जरूरी होगा और उन्होंने लोगों से पेड़ लगाने की अपील की थी। उन्होंने सूखे और अकाल से बचने हेतु सिंचाई के लिए वाटर हार्वेस्टिंग की पैरोकारी की थी। जलवायु परिवर्तन एक बार फिर गांधीजी की आत्मनिर्भरता व टिकाऊ विकास की सोच का महत्व प्रकट करता है। दुनिया ऐसी जीवनशैली का महत्व समझ रही है जिससे न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव हो। ये सिद्धान्त संरा. जलवायु समझौतों, पर्यावरणीय संरक्षण समझौतों तथा टिकाऊ विकास लक्ष्यों का आधार हैं।

इनमें से अनेक विचार टिकाऊ विकास के 'एजेंडा 2030: ट्रांसफार्मिंग अवर वर्ड' का आधार हैं। इसका केन्द्रीय विचार 'किसी को पीछे न छोड़ो' है। इस योजना का लक्ष्य सभी लोगों और ग्रह की समृद्धि है। इसमें 'परिवर्तनकारी' बदलावों का आह्वान किया गया है जिनमें हमारे जीने, उत्पादन करने तथा उपभोग करने के तरीके बदलना शामिल है। इस प्रकार वर्तमान जलवायु संकट टिकाऊ विकास के तरीके तलाशने को मजबूर करता है जिनको लंबे समय तक दबाया गया था। गालब्रेथ का यह सवाल आज भी जवाब की प्रतीक्षा कर रहा है कि 'किसी देश को कितना उपभोग करना चाहिए?' इसके साथ ही गांधीवादी सवाल है, 'किसी व्यक्ति को कितना उपभोग करना चाहिए?' ये इक्कीसवीं शताब्दी के मूल सवाल बन गए हैं तथा हमारी बौद्धिक व राजनीतिक बहसों पर छाए रहेंगे।

साम्प्रदायिक विद्वेष के कारण

> किसी धर्म के खिलाफ घृणा से भरे भाषण सार्वजनिक व्यवस्था व शांति भंग कर सकते हैं।

जगदीश कौर
(लेखिका महिला सशक्तीकरण हेतु कार्यरत हैं)

भारत में नए साल की शुरुआत 'बुल्ली बाई' एप संबंधी खुलासे से हुई है जिसमें अल्पसंख्यक महिलाओं को अपमानजनक व निन्दाजनक ढंग से निशाना बनाया गया था। इस एप ने अनेक मुस्लिम महिलाओं के फोटो का दुरुपयोग किया था जिनमें छात्र, प्रमुख व्यक्तित्व, पत्रकार व सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थीं। इसके खिलाफ पूरे देश में विरोध हुआ।

मानवाधिकार और महिला अधिकार समूहों के दबाव पर गिटहिब ने बुल्ली एप को ब्लाक किया। बुल्ली बाई एप के अब कई स्वामी अब इंडियर कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम सर्ट-इन द्वारा गिरफ्तार किए गए हैं और पुलिस हिरासत में हैं। पिछले साल शुरु किए गए 'सुल्ली डील्स' एप ने 'नीलामी' के लिए अनेक मुस्लिम महिलाओं के फोटो प्रयोग किए जिनको बिना अनुमति प्राप्त कर अब गिरफ्तार लोगों ने विकृत किया था। सवाल है कि क्या इन गिरफ्तारियों से इस प्रकार का अपमानजनक इरादा प्रभावित होगा जिसका निशाना कुछ धर्मों, नस्लों, समुदायों, जातियों या समूहों पर था? निश्चित रूप से ऐसा नहीं होगा क्योंकि ये एक बार किए जाने वाले अलग-थलग अपराध नहीं हैं। ये संगठित व लगातार जारी घृणा अभियानों का नतीजा हैं जिनसे भारतीयों व खासकर नौजवानों में अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ जहर भरा गया है। पिछले कुछ सालों से सोशल मीडिया का प्रयोग ऐसे प्लेटफार्म बनाने और सामग्री परोसने के लिए किया गया है जो घृणा का दृष्टिकोण पैदा करती है।

स्टेटिस्टा रिसर्च डिपार्टमेंट के अनुसार 2015-2019 तक चले अधिकांश घृणा अपराधों में दलितों को निशाना बनाया गया और इसके बाद मुसलमानों का नंबर आता था। इसके बाद अनेक खबरें

आईं कि उत्तर भारत के कुछ स्थानों पर मुसलमानों को नमाज नहीं पढ़ने दी जा रही है तथा ईसाइयों पर धर्मांतरण के शक में निशाना लगाया जा रहा है। भारत में ईसाइयों के खिलाफ अत्याचारों पर निगरानी रखने वाले मानवाधिकार समूहों ने हिंदुत्व समूहों द्वारा सभी राज्यों में की गई हिंसा का दस्तावेजीकरण कर 'क्रिश्चियन्स अंडर अटैक इन इंडिया' नामक एक तथ्यात्मक रिपोर्ट जारी की है। असोसियेशन आफ प्रोटेक्शन सिविल राइट्स, युनाइटेड क्रिश्चियन फोरम तथा युनाइटेड अगेंस्ट हेट द्वारा यह रिपोर्ट अक्टूबर, 2021 में दिल्ली में एक प्रेस कान्फ्रेंस में जारी की गई। इसमें कहा गया है कि 2021 के नौ महीनों में 21 राज्यों व खासकर उत्तर भारत में ऐसी 300 घटनायें सामने आई हैं। लगभग एक साल तक प्रदर्शन करने वाले किसानों को बार-बार 'खालिस्तानी' कहा गया तथा उनके खिलाफ घृणा वाले संदेश सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर चलते रहे। पिछले कुछ साल से अल्पसंख्यकों के खिलाफ अनेक प्रकार की उकसावे वाली घटनायें बढ़ी हैं। हमें लगातार 'लव जिहाद', 'घर वापसी' तथा अनेक अन्य नए शब्द सुनाई देते हैं जिनका उद्देश्य कुछ अल्पसंख्यक समुदायों पर निशाना लगाना है। सर्वोच्च न्यायालय ने हरिद्वार व दिल्ली में दिसंबर, 2021 की दो घटनाओं के बारे में जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करना स्वीकार किया है।

सोशल मीडिया पर मध्य युग में मुगलों या मुसलमानों द्वारा हिंदुओं के खिलाफ किए जाने वाले अत्याचारों के बारे में अनेक संदेश व वीडियो प्रसारित हो रहे हैं। भारत को 'हिदू राष्ट्र' बनाने की मांग करने वाले स्वर धीरे-धीरे तेज हो रहे हैं। किसी धर्म के खिलाफ घृणापूर्ण भाषण या घृणापूर्ण कार्रवाइयों से केवल सार्वजनिक व्यवस्था तथा शांति में असंतुलन पैदा होता है। आज शिक्षित नौजवान राष्ट्र निर्माण के सृजनात्मक मुद्दों पर बहस करने के बजाय धर्म और घृणा पर बहस कर रहे हैं। क्या इसका कोई समाधान है? सांप्रदायिक घृणा की बढ़ती प्रवृत्ति पर एक समय में लक्षित लोगों द्वारा प्रतिक्रिया की आशंका है जिससे बहुसांस्कृतिक भारतीय समाज का ताना-बाना बिखर सकता है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'आंख के बदले आंख के कारण सारी दुनिया अंधी हो जाएगी।' भारतीय संविधान समानता और सभी भारतीयों के प्रति सम्मान पर आधारित है। किसी धर्म, समुदाय या नस्ल के खिलाफ घृणा वाले अभियानों की कठोरतम शब्दों में निन्दा करना तथा इसे फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है। राजनेताओं, धर्मगुरुओं व समुदायों के नेताओं तथा सभी क्षेत्रों के लोगों को एकजुट होकर घृणा अभियानों की निन्दा करनी चाहिए। स्कूली पाठ्यक्रम में अनिवार्य रूप से सांप्रदायिक सद्भाव पर विषयवस्तु होनी चाहिए ताकि भावी पीढ़ियां सद्भावनापूर्ण भाईचारे का महत्व समझ सकें।

आप की बात

दलबदल का दौर

पांच राज्यों मे चुनाव की घोषणा होते ही दलों के बीच दलबदल का ज्वार भाटा उफान पर है । यूं तो दलबदल मतलब परस्ती है, जिधर हवा, उधर हम, विचारधारा जाए भाड़ में! चाहे किसी भी दल में इधर से उधर होता है, यह बीमारी कोढ़ में खाज बन गयी है । ऐसे समय में मतदाताओं की ज्यादा जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वह मतलब परस्तों को सबक सिखाए । लेकिन अभी कुछ समय पहले कर्नाटक का नाटक व मध्य प्रदेश की रेलम पेल देख चुके हैं, जिसमें जनता ने दलबदल करने वालों को ही आशीर्वाद दिया था । केवल पश्चिम बंगाल में जनता ने मौकापरस्त को जरूर सबक सिखाया है । अभी जो दल बदल कर रहे हैं, वह अच्छा काम तो नहीं कर रहे हैं, लेकिन यह सकारात्मक बात है कि ऐन चुनाव के मौके पर दलबदल करने से इनके जीतने पर आगामी समय में कोई फर्क नहीं पड़ेगा । चुनाव होने के बाद अध बीच में पद से त्यागपत्र देने पर ना केवल उप चुनाव होते हैं, बल्कि समय, श्रम व धन भी बर्बाद होता है। फिर भी इस प्रकार के दलबदल को रोकने के लिए उपाय होने ही चाहिए। जनता को भी अपनी जागरूकता का परिचय देना होगा ऐसे मौके पर ताकि दल बदल की बुराई को जमींदोज किया जा सके।

– **हेमा हरि उपाध्याय**, उज्जैन

नकली भारतीय मुद्रा

राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा 30 दिसम्बर 2021 को प्राथमिकी दर्ज कर बांग्लादेशी नागरिक से 7.35 करोड़ की फर्जी भारतीय करेंसी बरामद करने के लिये बंगला देशी जांच एजेंसियों के साथ मिलकर जांच में जुट गई है ।देश मे नकली नोटों का कारोबार वर्षो से जारी है ।समय समय पर नकली मुद्राएं और कारोबारी पकड़े जाते है। देश की अर्थव्यवस्था को सत्यानाश करने के लिये पड़ोसी देशो द्वारा नकली मुद्रा भेजी जाती है ।जिसको देश मे बैठे गद्दार इनको एजेंटो के माध्यम से खपाते है। देश मे नकली मुद्रा दो रास्तों नेपाल और बांग्लादेश की सीमाओं से आती है ।इन नकली मुद्रा के तस्करों पर अब तक कोई प्रभावी कार्यवाही नही हुई। दूसरी बात देश मे भी कुछ लोग नकली मुद्रा बनाने की कोशिश करते है। प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2016 में मुद्रा का विमुद्रीकरणकरते हुये 500 और 1000 की नोटों को बंद कर दिया गया था ।जो नई नोटे दस से लेकर दो हजार तक आर बी आई द्वारा निर्गत की जा रही है। उन्हें आमजनता शिकायत करती है कि ये नोटे टिकाऊ नही है ।बहुत जल्दी खराब हो जाती है। इनको बनाने के लिये प्रयुक्त पहले का कागज ठीक था। इसलिये केंद्र सरकार को जो भी नोटें छापी जाए।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव, उन्नाव

व्यक्तित्व विकास

समाज में इंसान के अस्तित्व को उसका व्यक्तित्व कायम रखता है और यही बात है की आज हर कोई अपना व्यक्तित्व उभारने हेतु हर मुमकिन कोशिश करता है। आज पर्सनैलिटी डेवलपमेंट एक अहम विषय बना हुआ है, कारण बस इतना है की इंसान भीड़ में खोना नहीं चाहता और खोने से डरता है। लेकिन कई ऐसे पहलू होते है जो इंसान अपने व्यक्तित्व को सुधारने के दौरान भूल जाता है, जैसे अपनी सोच का विस्तार और अपने आचार व्यवहार में सुधार। अमूमन लोग सिर्फ रूप रंग को संवारना ही अपना व्यक्तित्व विकास मानते है, लेकिन वास्?तविकता कुछ और ही है। दरअसल, अपने व्यक्तित्व को निखारना सिर्फ चाल, ढाल को संवारना नहीं बल्कि तन के साथ अंतर्मन को संवारना है। जब यक्ति अपने चरित्र, व्यवहार और अंतरमन को संवारता है वह सही मायने में अपने व्यक्तितव को सुधारता है और, आज हर व्यक्ति को यह बात समझने की भी ज़रूरत है। अत: जब व्यक्ति इस मूलमंत्र को समझकर अग्रसर होने लगता है, वह सही मायने में व्यक्तित्व विकास क्या है।

– **निखिल रस्तोगी**, कुरुक्षेत्र विवि

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

मैं टीकाकरण अभियान से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को सलाम करता हूं। हमारे डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका असाधारण है।

– **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

ममता बनर्जी से अधिक और कौन समझता होगा कि जनता क्या चाहती है? पार्टी की नीतियां उनके द्वारा निर्धारित की जाती हैं।

– **कल्याण बनर्जी**
तृणमूल सांसद

इमरान खान मेरे नेता और वज़ीरे आज़म हैं। मैंने उन्हें नहीं बताया था कि मैं उनके पक्ष में वोट नहीं दूंगा।

– **परवेज़ खट्टक**
पाक रक्षा मंत्री

मजबूत और आधुनिक पंचायतें होंगी यूपी की पहचानः मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● सीएम ने प्रधानों से किया संवाद, कहा आप गांव के अभिभावक, बूथ तक लाएं हर मतदाता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार ने ग्राम पंचायतों को न केवल वित्तीय रूप से सशक्त बनाया बल्कि गांवों में अवस्थापना विकास और पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशासनिक अधिकार देकर मजबूत भी बनाया। सीएम ने कहा है कि गांव की जरूरत और पंचायत प्रतिनिधियों की भावनाओं के अनुरूप विधानसभा चुनाव के बाद भी पंचायतों के सशक्तिकरण का यह काम जारी रहेगा। यह स्वावलंबी, सशक्त और आधुनिक पंचायतें नए यूपी की पहचान होंगी।

सीएम योगी रविवार को प्रदेश के 58,189 ग्राम प्रधानों से वर्चुअल माध्यम से बातचीत कर रहे थे। संवाद कार्यक्रम में सीएम ने कोरोना की अब तक कि लड़ाई में निगरानी समिति के मुखिया के रूप में प्रधानों की भूमिका की सराहना की तो तीसरी लहर में उनकी जिम्मेदारी का अहसास भी कराया। बीते 15 दिसंबर को लखनऊ में सम्पन्न पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मेलन की याद दिलाते हुए मुख्यमंत्री ने पंचायत प्रतिनिधियों के मानदेय में वृद्धि की बात भी दोहराई। उन्होंने कहा कि कोरोनाकाल में शानदार काम करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, एएनएमए आशा बहनों का मानदेय बढ़ा तो पंचायत प्रतिनिधि भला कैसे वंचित रहते। अब तो ग्राम प्रधानों का मानदेय 3500 से बढ़ाकर 5000 कर दिया गया है। ब्लॉक प्रमुख को 9800 की जगह 11300 और जिला पंचायत अध्यक्ष को अब 14000 की जगह 15500 मानदेय मिल रहे। ग्राम पंचायत सदस्य को प्रति बैठक 100 मिलेंगे तो बीडीसी को प्रति बैठक 500 की जगह 1000 और जिला पंचायत सदस्य को प्रति बैठक 1000 की जगह 1500 मिलेंगे।

यही नहीं हर गांव पंचायत में ग्राम पंचायत कोष का गठन किया जा रहा है। इस कोष से आकस्मिक दुर्घटना के शिकार होने पर ग्राम प्रधान के परिजनों को 10 लाख, जिला पंचायत सदस्य को 5 लाख, क्षेत्र पंचायत सदस्य को 3 लाख और ग्राम पंचायत सदस्य के परिजनों को 2 लाख की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का यह निर्णय पंचायत प्रतिनिधियों के प्रति सम्मान है।

सीएम योगी ने कहा कि स्वावलंबी ग्राम पंचायतें आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के सपने का आधार हैं। और यही कारण है कि आज अगर प्रदेश के सभी 58,189 ग्राम पंचायतों में सचिवालय बन रहे हैं। वहां कम्प्यूटर-इंटरनेट की कनेक्टिविटी मिल रही है, पंचायत सहायक तैनात हो रहे हैं। अब पेंशन का पैसा निकलना हो तो बीसी सखियां हैं, आय, जाति प्रमाण पत्र बनवाना है तो ऑनलाइन सुविधा से लैस ग्राम सचिवालय हैं। यही नहीं, सरकार ऐसी व्यवस्था कर रही है जिससे अब ग्राम पंचायतें अपनी परियोजनाओं का स्टीमेट बनाने, एमबी कराने का कार्य विकास खंड के नामित अभियंता के अलावा जनपद में कार्यरत लोक निर्माण विभाग, आवास एवं विकास परिषद, विकास प्राधिकरण, सिंचाई विभाग, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग आदि सरकारी विभागों के इंजीनियरों से बनवाने के अलावा निजी क्षेत्र के विशेषज्ञ आर्किटेक्ट-सिविल इंजीनियर से बनवा सकेंगी। जूम लिंक के माध्यम से सीएम से जुड़े प्रधानों ने ग्राम पंचायतों को मजबूत बनाने के लिए मुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना भी की। हाथरस से प्रधान प्रियंका तिवारी ने कहा कि 15 दिसंबर 2021 को सीएम ने जो किया वह अभूतपूर्व था। आपने हमें मजबूत किया। हमारी ताकत बढ़ी अब 10 मार्च के बाद फिर से साथ काम करेंगे और उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाएंगे। बिजनौर से प्रधान राहुल ने सीएसआर के माध्यम से गांव के विकास के अपने कोशिश की जानकारी दी तो लखनऊ से वीरेंद्र शुक्ला ने सीएम के मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया। चन्दौली से नीलम ओहारी ने गांव में जारी मनरेगा और कायाकल्प मिशन का अपडेट मुख्यमंत्री को दिया तो मेरठ से परमेंदर ने सशक्त ग्राम पंचायतों से बदल रही तस्वीर का बयान किया। सीएम ने कहा कि विधानसभा चुनाव लोकतंत्र का उत्सव है। हर प्रधान यह सुनिश्चित करें कि कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए हर एक नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करे। वर्चुअल माध्यम से प्रधानों से मुखातिब मुख्यमंत्री योगी ने मेरा गांव, कोरोना मुक्त गांव का लक्ष्य हासिल करने के लिए ग्राम प्रधानों से सहयोग भी मांगा। उन्होंने कहा कि यूपी ने कोविड प्रबंधन का जो मॉडल दिया, उसे आज पूरी दुनिया सराह रही है। इस काम में ग्राम पंचायतों में गठित निगरानी समितियों की भी अहम भूमिका रही है। और आज उस स्थिति में हैं, जहां सजगताए सतर्कता, सावधानी बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान के रूप में आप सभी अपन अपने गांव के अभिभावक हैं और निगरानी समितियों के अध्यक्ष हैं। हमारी निगरानी समितियों ने अब तक बहुत ही अच्छा कार्य किया है। एक एक घर जाकर लोगों की स्क्रीनिंग कीए जरूरत के अनुसार उन्हें मेडिकल किट दिया। लोगों के टेस्ट कराए, क्वारन्टीन किया। यही काम एक बार फिर करना है। गांव में कोई भी टीकाकरण से न वंचित न रहे। पात्र लोगों को प्री-कॉशन डोज लग जाए। गांव में बाहर से कोई भी आये उस पर नजर रखें। संदिग्ध लक्षण हो तो टेस्ट कराएं, मेडिकल किट दें। कोरोना की चुनौतियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना का हम सभी पर बहुत असर पड़ा है। हमारी प्राथमिकता जीवन और जीविका दोनों को बचाना है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार सभी के भरण पोषण की व्यवस्था कर रही है। आज 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। ग्राम प्रधान यह सुनिश्चित कराएं कि एक भी पात्र व्यक्ति राशन से वंचित न रहे।

ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का मुआवज़ा देगी योगी सरकार

● उच्चस्तरीय बैठक में सीएम योगी ने ओलावृष्टि से प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के दिये निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य सरकार प्रदेश में ओलावृष्टि से किसानों की फसलों को हुए नुकसान की भरपाई करेगी। वह प्रभावित हुए किसानों को उनकी फसल का पूरा मुआवजा देगी। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। रविवार को उच्चस्तरीय बैठक में उन्होंने कहा है कि ओलावृष्टि से प्रभावित जिलों में पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित किये जाएं। किसानों को हुए नुकसान का आकलन कर तत्काल भरपाई कराई जाए।

मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का आकलन कर जल्द शासन को रिपोर्ट उपलब्ध कराएं जिससे इस सबंध में आगे की कार्रवाई की जा सके। किसानों को उनकी खराब फसलों का सही समय पर मुआवजा दिया जा सके। उन्होंने राहत विभाग को ओलावृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर राहत कार्य पर नजर रखने और प्रभावित लोगों की तत्काल मदद करने को कहा है। बता दें कि इससे पहले भी सरकार बारिश और ओलावृष्टि से हुए नुकसान का मुआवजा किसानों को दे चुकी है। बारिश हो या फिर बाढ़ आने पर सरकार ने किसानों को तत्काल राहत देने का काम किया है। प्रदेश की योगी सरकार की प्राथमिकता किसानों के साथ हमेशा खड़े रहने की है। किसानों की हर संभव सहायता करना और उनकी समस्याओं को दूर करने में वह हमेशा आगे रही है।

भाजपा से जुड़ रहे ईमानदार, बेदाग छवि के लोगः स्वतंत्र देव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● सीएम ने प्रदेश में कानून का बेहतर माहौल तैयार किया, पिछले पांच वर्ष में पुलिस के लिए बिना किसी दबाव के काम करने का इससे बेहतर अवसर कभी नहीं रहाः असीम अरुण

कानपुर के पहले पुलिस कमिश्नर रहे आईपीएस अधिकारी असीम अरुण रविवार को भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए। रविवार को सपा के 2 बार के एमएलसी घनश्याम लोधी, 4 बार के एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, फिरोजाबाद के शिकोहाबाद से बसपा के विधायक रहे ओम प्रकाश, बसपा नेता पूर्व आईएएस राम बहादुर अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में चारों नेताओं को पट्टिका पहनाकर उनका स्वागत किया और उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई।

स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि असीम ने दलित, पिछड़े, वांछित समाज के सम्मान के लिए काम किया है। उनका करियर बेदाग है और अपराधी, माफिया और गुंडे उनसे खौफ खाते रहे हैं। उनके पिता श्रीराम अरुण ने भी डीजीपी रहते हुए बेहतर कार्य किया था। अपने पिता के रास्ते पर चलते हुए ही असीम अरुण यहां तक पहुचे। भाजपा ऐसे ईमानदार अधिकारी को सम्मान करती है और ऐसे लोगों को कार्य करने का अवसर देती है। वे सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का मंत्र को लेकर आगे बढ़ेंगे और सर्व समाज के हित के लिए काम करेंगे। उनके आने से दलित.पिछड़े समाज का एक बड़ा वर्ग भाजपा से जुड़ेग। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दंगाइयों, अपराधियों और माफिया को अपनी पार्टी का ब्रांड एम्बैसडर बना दिया है। सपा गठबंधन की पहली सूची से ही इनके का चाल-चरित्र पता चलता है। इनकी सूची में अपराधियों की भरमार है। इनके सहारे वह लोगों को डरा धमकाकर अपने पक्ष में माहौल नहीं बना सकते। प्रदेश की जनता को सपाई गुंडे दोबारा नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की प्रतीक भाजपा प्रत्याशियों की पहली सूची देखकर अखिलेश ने हार स्वीकार कर ली है। अब अखिलेश और उसके नेता हिंसा और धमकी पर उतर आये हैं, जिसका जवाब जनता पुरजोर ढंग से देगी। जनता ने ठान लिया है कि दंगाराज वाली, गुण्डाराज वाली समाजवादी पार्टी की सरकार नहीं चाहिए। उसने भाजपा को 300 प्लस सीटों का आशीर्वाद देने का मन बना लिया है।

केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि युवाओं के लिए प्रेरणा और ईमानदार छवि वाले असीम अरुण का भाजपा में स्वागत है। आशा है कि वह अपनी नई पारी में भी लोकहित और युवाओं को प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने अरुण को युवाओं के लिए एक प्रेरणा भी बताया और कहा कि असीम एक ऐसा चेहरा हैं जो अनुभवी भी है, युवा भी है। करियर के दौरान एक भी दाग जिनके ऊपर नहीं है, जिनकी पहचान ही ईमानदारी हो, ऐसे युवा अपना लंबा करियर छोड़कर भाजपा में आ रहे हैं। ठाकुर ने कहा कि असीम अरुण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं से प्रेरणा लेकर यहां आए हैं। असीम अरुण ने कहा कि मैं आभारी हूं कि आज मुझे भाजपा में काम करने का मौका मिल रहा है।

मेरी पूरी कोशिश भी रहेगी कि मैं यहां भी अपना बेहतर करने का प्रयास करूं। असीम अरुण ने यह भी कहा कि मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने प्रदेश भर में कानून का एक बेहतर माहौल तैयार किया। पुलिस अधिकारियों को या सभी को पूरी ईमानदारी से काम करने की प्रेरणा दी। मैं पूरी ईमानदारी से आपको बता सकता हूं कि पिछले पांच वर्ष में पुलिस के लिए बिना किसी दबाव के काम करने का इससे बेहतर अवसर कभी नहीं रहा ।

भाजपा सरकार के कार्यकर्ता के रूप में काम करने वाले अधिकारियों को हटाया जाएः अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग से मांग की है कि भाजपा सरकार के कार्यकर्ता के रूप में काम करने वाले अधिकारियों को हटाया जाए। उन्होंने आयोग से यह भी कहा कि कोविड.19 के प्रोटोकॉल के तहत गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों से आने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं को रोके और जो लोग यहां आ गए हें उन्हें वापस भेंजे। ये लोग यहां ट्रेनिंग लेकर अफवाह फैलाने, पैसा बांटने, झूठ और नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। इससे निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव प्रभावित हो रहा है। सपा मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान अखिलेश ने कहा कि जनता भाजपा से नाराज और आक्रोशित है। भाजपा के नेता वोट मांगने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे है। जनता इनकी कुटाई कर रही है। भाजपा से समाजवाद, लोकतंत्र और सद्भाव को खतरा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि सब साथ आएं और भाजपा की जमानत जब्त कराएं।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी विकास और सकारात्मक राजनीति करती है। बीजेपी लगातार झूठ बोलने, नकारात्मक विभाजन और समाज को तोड़ने की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव में तमाम सर्वे दिखाए जा रहे हैं। लेकिन जमीनी हकीकत में समाजवादी पार्टी के पक्ष में लहर है। श्री यादव ने कहा कि महंगाई बहुत बढ़ गई है गरीब लोग कुछ भी नहीं खरीद सकते। इसके लिए भाजपा जिम्मेदार है। मकर संक्रांति पर मुख्यमंत्री जी के दलित के घर खिचड़ी खाने को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा वोट के लिए सब करती है। वोट के लिए खिचड़ी खा रहे हैं। उन्हें पेड पौधों पशुपक्षियों और प्रकृति से कोई लगाव नहीं है। अब उन्हें गोरखपुर में ही ठहर जाना है। इस बात को दलित और पिछड़े सब समझते हैं। भाजपा ने उनका हक मारा है। भाजपा बताएं कि गोरखपुर विश्वविद्यालय और एकेटीयू समेत अन्य स्थानों पर हुई भर्तियों में कितना सामाजिक न्याय किया है। अब धीर धीरे इनकी हर जगह पोल खुल रही है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा धीरे धीरे सब कुछ निजी क्षेत्र में देकर आरक्षण खत्म कर देगी।

बीजेपी साजिश और षडयंत्र करके संविधान विरोधी काम कर रही है और आरक्षण को कमजोर कर रही है। इस बात को दलित और पिछड़ा समझता है। प्रदेश में समाजवादी पार्टी गठबंधन की सरकार बनने पर हम 3 महीने में जातीय जनगणना कराकर सभी जातियों और वर्गों को उनका हक और सम्मान दिलाएंगे।

समाजवादी पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों में पदाधिकारी नामित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वीकृति से समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद फहद द्वारा राष्ट्रीय कार्यकारिणी में मुकेश यादव अमेठी, धर्मेन्द्र मिश्रा जौनपुर और शिव प्रसाद गिरि मिर्जापुर को राष्ट्रीय सचिव नामित किया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मो इकबाल कादरी द्वारा समाजवादी अल्पसंख्यक सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में नोमान खान मुरादाबाद को राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नामित किया गया है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की संस्तुति से समाजवादी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह सोलंकी भुर्जी द्वारा समाजवादी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की राज्य कार्यकारिणी में सर्वश्री दिनेश कुमार एडवोकेट पीलीभीत, तेजनाथ उर्फ चिन्टू सागर उन्नाव, रजनीगंधा वाराणसी, चांदनी यादव प्रयागराज को प्रदेश सचिव तथा शीबा सिद्दीकी सहारनपुर, अजीत रंगीला देवरिया को प्रदेश सदस्य के अलावा छोटे लाल निवासी देवरिया को विशेष आमंत्रित सदस्य नामित किया गया है।

निषाद पार्टी 15 सीटों पर लड़ेगी विधानसभा चुनावः संजय निषाद

भाषा। लखनऊ

निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने रविवार को कहा कि उनकी भाजपा के साथ गठबंधन करके उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में 15 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। निषाद ने कहा कि वह सोमवार को दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह तथा भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि इस दौरान यह तय किया जाएगा कि वह 15 सीटें कौन सी होंगी जिन पर निषाद पार्टी अपने उम्मीदवार उतारेगी। निषाद ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, उत्तर प्रदेश की 403 में से 15 सीटें हमें भाजपा के साथ गठबंधन के तहत मिली हैं। इनमें से ज्यादातर सीटें पूर्वांचल की हैं जबकि पश्चिमांचल से भी कुछ सीटें मिली हैं। बदलते राजनीतिक समीकरणों की वजह से हम कुछ सीटों पर बदलाव चाहते हैं। हम सीट पर नहीं बल्कि जीत पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद पार्टी) का गठन वर्ष 2016 में हुआ था और इसके नेताओं का दावा है कि उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रभावशाली निषाद समुदाय का समर्थन हासिल है। संजय निषाद ने कहा कि उनकी पार्टी ने पूरे प्रदेश में अपना जनाधार बनाया है और खास तौर पर गोरखपुर, बलिया, संत कबीर नगर, अंबेडकर नगर, जौनपुर, भदोही, सुल्तानपुर, अयोध्या, चित्रकूट, झांसी, बांदा, हमीरपुर और इटावा जिलों में उसका खासा प्रभाव है। निषाद पार्टी ने वर्ष 2017 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में पीस पार्टी, अपना दल और जन अधिकार पार्टी के साथ गठबंधन करके 100 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे लेकिन उसे भदोही के ज्ञानपुर के रूप में एकमात्र सीट हासिल हुई थी। हाल ही में विधान परिषद सदस्य बनाए गए निषाद ने गोरखपुर ग्रामीण क्षेत्र से पिछला विधानसभा चुनाव लड़ा था और वह तीसरे स्थान पर रहे थे। वर्ष 2018 के गोरखपुर लोकसभा उपचुनाव में संजय के बेटे प्रवीण निषाद समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार थे और उन्होंने वहां भाजपा को शिकस्त दी थी। प्रवीण निषाद इस वक्त संत कबीर नगर से भाजपा के सांसद हैं। निषाद बिरादरी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कर्मभूमि गोरखपुर में दूसरा सबसे बड़ी आबादी वाला समुदाय है। विपक्षी दल आरोप लगा रहे हैं कि भाजपा निषाद पार्टी के टिकट पर बाहुबली और माफिया लोगों को चुनाव मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है। इस बारे में पूछे जाने पर निषाद ने कहा, "हम हर उम्मीदवार की छवि और पार्टी कार्यकर्ताओं में उसकी स्वीकार्यता का आकलन करेंगे। अगर कार्यकर्ता और लोग उस उम्मीदवार को पसंद करेंगे तो उसे मौका दिया जा सकता है। पिछड़े वर्ग के कुछ बड़े नेताओं के भाजपा छोड़कर सपा में शामिल होने के बारे में उन्होंने कहा,उन नेताओं की कोई लोकप्रियता नहीं थी। विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते नहीं थकते थे। अब वे चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद शक्तिहीन हो गए थे। इसी वजह से उन्होंने पार्टी छोड़ दी। निषाद ने एक अन्य सवाल पर कहा, ऐसा लगता है कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा और सपा की सीधी टक्कर होगी लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन एक बार फिर तीन सौ से ज्यादा सीटें जीतेगा। समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने जा रही सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर पर निशाना साधते हुए निषाद ने कहा, राजभर को तो उन्हीं के क्षेत्र के लोग महत्त्व नहीं देते हैं, तो बाकी का क्या कहा जाए।

आम आदमी पार्टी ने 150 सीटों पर प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● उम्मीदवारों में 8 एमबीए, 38 पोस्ट ग्रेज्युएट, 4 डॉक्टर, 8 पीएचडी, 7 इंजीनियर, 8 बीएड, 39 ग्रेजुएट, 6 डिप्लोमा धारक, आठ महिलाएं भी शामिल

● लखनऊ मध्य से नदीम अशरफजायसी, पूरब से आलोक सिंह, उत्तर से अमित श्रीवास्तव त्यागी, पश्चिम विधानसभा से राजीव बक्शी, मोहनलालगंज से सूरज कुमार और सरोजनीनगर से रोहित श्रीवास्तव को चुनाव मैदान में उतारा

विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। रविवार को आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी और राज्य सभा सदस्य संजय सिंह ने 403 सीटों में से 150 सीटों पर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह के साथ प्रेसवार्ता कर प्रत्याशियों की घोषणा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में बदलाव की नई राजनीति के लिए राजनीति की गंदगी पर झाड़ू चलाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, किसानी को राजनीति के केन्द्र में मुद्दे के रूप में लाने के लिए आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश की सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

संजय सिंह ने कहा कि आप ने अपनी पहली सूची में चुनावी मैदान में अच्छे और सुयोग्य उम्मीदवारों को उतारा है। इनमें शिक्षित, पेशे से डॉक्टर और इंजीनियर उम्मीदवार भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से लगभग 150 सीटों पर प्रत्याशियों का चयन अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में केन्द्र के हमारे नेताओं ने लिया है और उसपर स्वीकृति दी है। जिनमें से आज 403 में 150 प्रत्याशियों की पहली सूची आम आदमी पार्टी की ओर से जारी की जा रही है और बाकी प्रत्याशियों की सूची भी जल्द जारी की जाएगी। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी संजय सिंह ने कहा कि पहली लिस्ट में एमबीए की शिक्षा प्राप्त कर चुके 8 उम्मीदवार हैं। पोस्ट ग्रेज्युएट 38 उम्मीदवार हैं, डॉक्टर 4 उम्मीदवार हैं, पीएचडी 8 उम्मीदवार हैं, इंजीनियर 7 उम्मीदवार हैं, बीएड 8 उम्मीदवार हैं, ग्रेजुएट 39 उम्मीदवार हैं डिप्लोमा 6 उम्मीदवार हैं। पहली सूची में आठ महिलाओं को टिकट दिया गया है। यूपी की राजधानी

लखनऊ की सभी सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी गई हैं। लखनऊ मध्य से नदीम अशरफ जायसी, लखनऊ पूरब से आलोक सिंह, लखनऊ उत्तर विधानसभा से अमित श्रीवास्तव त्यागी, लखनऊ पश्चिम विधानसभा से राजीव बक्शी, मोहनलालगंज से सूरज कुमार और सरोजनीनगर से रोहित श्रीवास्तव को चुनाव मैदान में उतारा है। आदमी पार्टी भाजपा के वर्तमान विधायक पंकज सिंह के खिलाफ नोयडा से पंकज अवाना को चुनाव लड़ा रही है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के सिराथू से आम आदमी पार्टी ने विष्णु कुमार जायसवाल को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। शाहजहांपुर में सुरेश खन्ना के खिलाफ राजीव यादव को खड़ा किया है। शामली के थाना भवन से अरविंद देशवाल को उम्मीदवार बनाया है। इस तहर से अयोध्या के गोसाईगंज से आलोक द्विवेदी, अयोध्या के मिल्कीपुर से हर्षवर्द्धन और अयोध्या की रुदौली विधानसभा से मनोज कुमार मिश्र को मौका दिया है। आगरा कैंट से प्रेम सिंह जाटव, आगरा नार्थ से कपिल बाजपेई, आगरा ग्रामीण से केशव कुमार निगम और आगरा साउथ से रमजान अब्बास को टिकट दिया है। आजमगढ़ की गोपालपुर सीट से इंजीनियर सुनील कुमार यादव, बागपत से नवीन चौधरी, बरेली से कृष्णा भारद्वाज, बिजनौर से विनीत शर्मा, बुलंदशहर से विकास शर्मा, खुर्जा से जयदेव निरंकारी, वाराणसी साउथ से अजीत सिंह, वाराणसी नार्थ से डॉ आशीष जायसवाल, रोहनिया विधानसभा से पल्लवी वर्मा और वाराणसी की ही पिंदरा विधानसभा से अमर सिंह पटेल को चुनाव लड़ा रही है। शामिली से बिजेन्द्र मलिक को मौका दिया गया है। इस मौके पर संजय सिंह ने कहा कि अभी उत्तर प्रदेश की जनता के ऊपर हैं कि वह योग्य उम्मीदवारों पर अपना आर्शीवाद दें और उनको चुनकर विधानसभा में भेजें और उत्तर प्रदेश से राजनीति की गंदगी का सफाया करें। उन्होंने कहा कि पिछड़े वर्ग की बात हम करें तो 55 उम्मीदवार ओबीसी केटिगिरी से हैं। अनुसूचित जाति की बात करें तो 31 उम्मीदवार अनुसूचित जाति से हैं। 14 उम्मीदवार माइनोरिटी मुस्लिम्स हैं। कायस्थ 6 हैं, व्यापारी 7 हैं ब्राहमण 36 उम्मीदवार हैं।

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए सपा ने 30 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। समाजवादी पार्टी ने राज्य की 70 में से 30 विधानसभा सीटों के लिए अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। सपा के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तराखंड प्रभारी राजेंद्र चौधरी के मुताबिक उत्तरकाशी जिले की पुरोला सीट से चयन सिंह, गंगोत्री से पंडित विजय बहुगुणा, बदरीनाथ से वीरेंद्र कैरूनी, थराली से किशोर कुमार, कर्णप्रयाग से गजेंद्र सिंह को प्रत्याशी बनाया गया है।

पौड़ी गढ़वाल जिले की यमकेश्वर विधानसभा सीट से विपिन बडोनी, पौड़ी से राजेंद्र प्रसाद, श्रीनगर से सुभाष नेगी, चौबट्टाखाल से जय प्रकाश टम्टा, लैंसडौन से संदीर रावत, पिथौरागढ़ जिले की धारचूला सीट से मनोज प्रसाद, डीडीहाट से सुरेंद्र सिंह गुरंग, पिथौरागढ़ से रमेश सिंह बिष्ट, गंगोलीहाट से गोपाल दास खुमति, बागेश्वर जिले के कपकोट से हरी राम शास्त्री, बागेश्वर से लक्ष्मी देवी को प्रत्याशी बनाया गया है। अल्मोड़ा जिले की द्वाराहाट विधानसभा सीट से गणेश कांडपाल, सल्ट से मुकेंद्र बंगारी, रानीखेत से सुनीता रिखाड़ी, सोमेश्वर से बलवंत आर्य, अल्मोड़ा अर्जुन सिंह भाकुनी, जागेश्वर रमेश सनवाल, चंपावत जिले की लोहाघाट सीट से मो हारुन, नैनीताल जिले की हल्द्वानी सीट से सुऐब अहमद, कालाढूंगी से राजेंद्र कुमार वालिया, ऊधमसिंह नगर जिले की कालाढूंगी सीट से राजेद्र कुमार वालिया, काशीपुर से सरदार बलजिंदर सिंह, बाजपुर से मनीषा, हरिद्वार जिले की रुड़की विधानसभा सीट से राजा त्यागी, देहरादून जिले की धर्मपुर सीट से मो नासिर, देहरादून कैंट विधानसभा सीट से डॉ. राकेश पाठक को समाजवादी पार्टी ने अपना प्रत्याशी बनाया है।

तमिलनाडु पुलिस ने कोविड-19 पांबदियों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की

भाषा । चेन्नई

तमिलनाडु पुलिस ने कोविड-19 की वजह से राज्य में लागू पाबंदियों का उल्लंघन करने वालों पर करीब तीन करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है और राजधानी चेन्नई में रात्रि कर्फ्यू की अवज्ञा करने पर 307 वाहनों को जब्त किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। राज्य पुलिस ने बताया कि सात जनवरी से अब तक रात्रि कर्फ्यू और लॉकडाउन संबंधी पाबंदियों का उल्लंघन करने वालों पर पूरे राज्य में कुल 3.45 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने बताया कि सात जनवरी से अब तक मास्क नहीं लगाने पर 1.64 लाख लोगों पर जुर्माना लगाया गया है जबकि करीब दो हजार लोगों को सामाजिक दूरी नहीं बनाए रखने के लिए चालान किया गया है। वहीं, भीड़ एकत्र करने पर भी लोगों (1,552 पर) पर जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने बताया कि शनिवार रात 10 बजे से रविवार सुबह पांच बजे के बीच चेन्नई में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में गश्त के दौरान कोविड-19 महामारी की वजह से लागू रात्रि कर्फ्यू का उल्लंघन करने के आरोप में 103 मामले दर्ज किए गए और 307 वाहनों (280 दुपहिया वाहन,16 ऑटोरिक्शा और 11 अन्य हल्के मोटर वाहन) को जब्त किया गया। पुलिस की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि कोविड-19 नियमों का उल्लंघन कर बिना उचित कारण रात को शहर में घूमने वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि चेन्नई में रात्रि कर्फ्यू और रविवार को लॉकडाउन लागू कराने के लिए 312 वाहन जांच चौकी स्थापित की गई है और 10 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। चेन्नई पुलिस ने बताया कि कोविड-19 रात्रि कर्फ्यू छह जनवरी को लागू हुआ और तब से अब तक मास्क नहीं पहनने के मामलों में 10,93,800 रुपए का जुर्माना वसूला गया है तथा 5,469 मामले दर्ज किए गए हैं।

तमिलनाडु में 31 जनवरी तक दसवीं से 12वीं कक्षा के लिए भी स्कूल बंद

चेन्नई। कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए तमिलनाडु की सरकार ने 31 जनवरी तक दसवीं से 12वीं कक्षा के लिए भी स्कूल बंद करने की रविवार को घोषणा की। सरकार ने बताया कि दसवीं और 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए 19 जनवरी से होने वाली परीक्षाएं भी स्थगित कर दी गई हैं। पहली कक्षा से नौवीं कक्षा तक के छात्रों के लिए पहले से ही छुट्टियां घोषित की गई थीं लेकिन दसवीं से 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए स्कूल खुले हुए थे। वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए छात्रों के हित में 31 जनवरी तक दसवीं, 11वीं और 12वीं कक्षा के लिए भी छुट्टियां घोषित की गई हैं। दसवीं और 12वीं कक्षाओं के लिए परीक्षा की नई तारीखें बाद में घोषित की जाएंगी। वायरस के प्रसार पर रोक लगाने के लिए पांच जनवरी को सरकार ने पहली कक्षा से नौवीं कक्षा तक के छात्रों के लिए राज्य भर में स्कूल बंद कर दिया था और केवल दसवीं से 12वीं कक्षा तक के छात्रों के लिए स्कूल खोलने की अनुमति थी।

महाराष्ट्र में एक जोड़ी बैल के अभाव में व्यक्ति ने छोटा ट्रैक्टर बना दिया

औरंगाबाद (**महाराष्ट्र**)। महाराष्ट्र के बीड जिले में एक व्यक्ति ने देश के समक्ष स्टार्टअप का अच्छा उदाहरण पेश किया है। इस व्यक्ति ने एक जोड़ी बैल की कमी पूरी करने के लिए 18 हार्स पावर का छोटा ट्रैक्टर बना दिया ताकि कृषि कार्यों में मदद मिल सके। राष्ट्रीय स्टार्ट-अप दिवस पर बातचीत में औरंगाबाद से 150 किलोमीटर दूर स्थित पिंपलनेर निवासी 36 वर्षीय नामदेव अनेरव ने कहा कि ट्रैक्टर बनाने का विचार उनके मन में 2008 के दौरान आया जब उन्हें अपने पैतृक खेत में एक जोड़ी बैल की जरूरत पड़ी। इसके बाद उन्होंने एक डेढ़ फुट चौड़ा और पांच फुट लंबा ट्रैक्टर बनाने के बारे में सोचा।

नामदेव ने कहा, बड़े ट्रैक्टर छोटे खेतों में बेहतर ढंग के साथ नहीं काम कर सकते। इस कमी को पूरा करने के लिए मैंने छोटा ट्रैक्टर बनाया, जो पेट्रोल और डीजल से संचालित है। लंबे समय तक किए गए परीक्षण के बाद मैंने 2011-12 में अपने वेल्डिंग कौशल का इस्तेमाल करके पहला प्रोटोटाइप तैयार किया। अंतिम रूप से तैयार ट्रैक्टर जुताई और घास हटाने के अलावा मिट्टी के ढेर को तोड़ सकता है। उन्होंने कहा कि मुझे अगले चार महीनों में 40 ऐसे ट्रैक्टर देने हैं, जिनके लिए मैंने सात लोगों को रोजगार दिया है। इसके लिए पिंपलनेर में ही पूरी सुविधा प्रदान करने पर विचार कर रहा हूं ताकि लोगों को रोजगार मिल सके। मैंने खुद के 1.10 लाख रुपए से शुरुआत की थी।

आरएसएस सरसंघचालक पहुंचे मध्य प्रदेश, महामंडलेश्वर से की मुलाकात

भाषा । नरसिंहपुराजबलपुर (मप्र)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत रविवार सुबह मध्य प्रदेश पहुंचे और नरसिंहपुर जिले में महामंडलेश्वर ईश्वरानन्द महाराज उत्तम स्वामी से मुलाकात की। इसके बाद वह जबलपुर आ गए हैं। आरएसएस के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी।

आरएसएस से जुड़ी संस्था विद्या भारती के जिला सचिव धर्मेन्द्र ममार ने नरसिंहपुर में पीटीआई-भाषा को बताया कि भागवत रविवार सुबह नागपुर-जबलपुर ट्रेन से करेली पहुंचे और यहां पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार संघ पदाधिकारी के यहां कुछ देर रुकने के बाद सुबह करीब 8 बजकर 50 मिनिट पर बरमान खुर्द पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले बरमान खुर्द स्थित शारदा मंदिर में नर्मदा नदी की पैदल परिक्रमा कर रहे महामंडलेश्वर ईश्वरानन्द महाराज उत्तम स्वामी से मुलाकात की और उनसे करीब पौने घण्टे तक एकांत में चर्चा की। उन्होंने बताया कि इसके बाद भागवत ईश्वरानन्द महाराज के साथ नर्मदा परिक्रमा करने वाले अन्य 182 तीर्थयात्रियों से भी मिले।

ममार ने बताया कि इस संक्षिप्त दौरे के बाद भागवत मन्दिर से पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए। इसी बीच आरएसएस के महाकौशल प्रांत प्रचार प्रमुख विनोद कुमार ने जबलपुर में बताया कि बरमान खुर्द में महामंडलेश्वर ईश्वरानन्द महाराज से मुलाकात करने के बाद भागवत अब जबलपुर पहुंच गए हैं।

उन्होंने कहा कि भागवत का रविवार को जबलपुर में एक कार्यक्रम में शामिल होना था, लेकिन कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में यहां तेजी से हो रही वृद्धि के कारण इसे रद्द कर दिया गया है। कुमार ने कहा कि संघ सरसंघचालक सोमवार को हैदराबाद के लिए रवाना होंगे।

अरब सागर में भारतीय नौसेना के स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस कोच्चि ने रूसी संघ की नौसेना के आरएफएस एडमिरल ट्रिब्यूट्स के साथ अभ्यास किया

13 जोड़ों का सामाजिक बहिष्कार करने के आरोप में मामला दर्ज

अंतरजातीय विवाह का मामला

भाषा । पुणे (महाराष्ट्र)

महाराष्ट्र के सांगली जिले में जात पंचायत के छह सदस्यों के खिलाफ कथित तौर पर अंतरजातीय विवाह के लिए 13 जोड़ों के सामाजिक बहिष्कार का आदेश देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घुमंतू जनजाति नंदीवाले समुदाय की जात पंचायत ने नौ जनवरी को सांगली के पलुस में हुई अपनी बैठक में सामाजिक बहिष्कार का आदेश दिया था। इस मामले में पीड़ितों और शिकायतकर्ता में शामिल एक व्यक्ति ने कहा कि इन 13 जोड़ों की शादी कई साल पहले जिले के विभिन्न हिस्सों में हुई थी।

पलुस थाने के निरीक्षक विकास जाधव ने बताया कि हमने जात पंचायत के छह सदस्यों के खिलाफ 13 जोड़ों का उनके समुदाय से बाहर शादी करने पर कथित तौर पर सामाजिक बहिष्कार करने के आरोप में मामला दर्ज किया है।

इस संबंध में प्रकाश भोसले (42) ने शिकायत दर्ज कराई है। भोसले ने कहा कि उन्होंने 2007 में अंतरजातीय विवाह किया था, जिसके बाद जात पंचायत द्वारा उन्हें समुदाय से बहिष्कृत कर दिया गया। भोसले ने कहा कि हमारे समुदाय में मेरे जैसे कई पीड़ित हैं, जिन्हें जाति से बाहर शादी करने के लिए बहिष्कृत कर दिया गया। पिछले साल दिसंबर में सतारा जिले के कराड में समुदाय के कुछ सदस्यों द्वारा एक बैठक बुलाई गई थी, जिसमें यह निर्णय लिया गया था कि इन जोड़ों को फिर से समुदाय का हिस्सा बनने की अनुमति दी जानी चाहिए। मैं उस बैठक में मौजूद था।

भोसले ने कहा कि बाद में कुछ सदस्यों ने इस फैसले पर आपत्ति जताई और नौ जनवरी को पलुस में एक बैठक बुलाई, जिसमें यह बताया गया कि इन जोड़ों को समुदाय में वापस नहीं लिया जा सकता है।

मधुमेह रोगियों में हृदयरोग का खतरा बढ़ाने वाला प्रोटीन मिला

तिरुवनंतपुरम। राजीव गांधी जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (आरजीसीबी) के शोधकर्ता साइक्लोफिलिन-ए नाम के एक ऐसे प्रोटीन की पहचान करने में कामयाब रहे हैं, जो मधुमेह रोगियों में हृदयरोगों का खतरा बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने दावा कि मधुमेह रोगियों में इस प्रोटीन की सक्रियता घटाकर दिल की बीमारियों का जोखिम काफी हद तक घटाया जा सकता है। गौरतलब है कि धमनियों में जमे कोलेस्ट्रॉल के थक्कों के टूटने से व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ सकता है। आरजीसीबी की कार्डियोवास्कुलर डिजीज एंड डायबिटीज बायोलॉजी लैब में वैज्ञानिक डॉ. सूर्या रामचंद्रन का कहना है, मधुमेह से जूझ रहे मरीजों की धमनियों में जमे कोलेस्ट्रॉल के थक्कों के टूटने का जोखिम ज्यादा होता है। हमारे शोध से पता चला है कि साइक्लोफिलिन-ए मृत कोशिकाओं को बाहर निकालने की प्रक्रिया में बाधा डालकर कोलेस्ट्रॉल के थक्के जमाने में अहम भूमिका निभाता है। इसकी क्रिया को नियंत्रित करने वाले रसायन मधुमेह रोगियों को दिल का दौरा पड़ने से बचाने में खासे मददगार साबित हो सकते हैं। आरजीसीबी के निदेशक प्रो. चंद्रभास नारायण ने कहा, शोध के नतीजे उन आणविक क्रियाओं को लेकर बेहतर समझ विकसित करने में मदद करेंगे, जो मधुमेह रोगियों में हृदयरोगों का खतरा बढ़ाती हैं। इनके आधार पर मधुमेह के मरीजों में दिल की बीमारियों की आशंका आंकने और उनका बेहतर इलाज खोजने में मदद मिलेगी। शोध के नतीजे सेल्स जर्नल के हालिया अंक में प्रकाशित किए गए हैं।

रालोद नेता जयंत चौधरी ने भाजपा पर ध्रुवीकरण का आरोप लगाया

भाषा । नई दिल्ली

राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) प्रमुख जयंत चौधरी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर उत्तर प्रदेश चुनाव के दौरान ध्रुवीकरण करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि भाजपा एक गियर वाली कार चला रही है जो उसे पीछे की ओर ले जा रही है। चौधरी ने कहा कि मुस्लिम विरोधी बयानबाजी से भाजपा को कोई फायदा नहीं होने वाला है, क्योंकि लोग इस तरह की राजनीति से तंग आ चुके हैं।

जयंत चौधरी (43) की पार्टी ने अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ गठबंधन किया है। जयंत ने कहा कि वह उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे और इसके बजाय वह प्रचार पर ध्यान केंद्रित करेंगे। चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ भाजपा के नेताओं के सपा-रालोद गठबंधन में शामिल होने से पता चलता है कि गठबंधन सही मार्ग पर आगे बढ़ रहा है और यह एक आकर्षक, व्यवहार्य विकल्प है, क्योंकि गठबंधन जमीनी स्तर का प्रतिनिधित्व करना चाहता है। रालोद प्रमुख ने भरोसा जताया कि विपक्षी वोट विभाजित नहीं होंगे, क्योंकि इस बार सपा-रालोद गठबंधन और भाजपा के बीच सीधी लड़ाई है। चौधरी ने कहा कि विपक्ष के वोट नहीं बंटेंगे, मुझे भरोसा है। पिछली बार भाजपा को वोट देने वाले लोग भी इस बार वास्तव में सपा के साथ हमारे गठबंधन के लिए मतदान करने वाले हैं। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि मौजूदा सरकार ने पांच साल से अधिक समय में शासन, नेतृत्व और विकास के बारे में कुछ नहीं किया है।

सपा और रालोद में शामिल होने के लिए मंत्रियों, विधायकों और नेताओं के भाजपा छोड़ने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि टिकट चाहने वाले, मौजूदा विधायक और राजनीतिक रूप से महत्व रखने वाले लोगों का गठबंधन में शामिल होना जमीनी स्तर पर मिल रहे समर्थन का संकेत है। चुनावों में ध्रुवीकरण और इससे निपटने की उनकी योजना के बारे में पूछे जाने पर चौधरी ने कहा कि लोग इससे निपट लेंगे, क्योंकि मतदाता बहुत समझदार होते हैं।

उन्होंने कहा कि हां, हाल के दिनों में राज्य में विघटनकारी, दिल को दहला देने वाली कई घटनाएं हुई है। लोगों को ठगे जाने का अहसास हुआ है। तथ्य यह है कि दंगे किसी की मदद नहीं करते हैं, इसलिए मुझे लगता है कि लोग नफरत और समाज में घोले जा रहे जहर से दूर रहना चाहते हैं। चौधरी ने कहा कि उदाहरण के लिए अगर आप ध्यान दें तो मथुरा में मंदिर के मुद्दे को जगाने के प्रयासों का जमीनी स्तर पर कोई असर नहीं हुआ और इसके समर्थन में दस लोग भी सड़कों पर नहीं उतरे। उन्होंने कहा कि यह एक संकेत है कि लोग ध्रुवीकरण की राजनीति से तंग आ चुके हैं और मंदिर और मुस्लिम विरोधी बयानबाजी के मुद्दे काम नहीं आएंगे। चौधरी ने भाजपा पर चुनावों के लिए ध्रुवीकरण करने का आरोप लगाते हुए कहा, यह एक गियर वाली कार है जिसे वे चला रहे हैं और यह उन्हें पीछे की ओर ले जा रही है। रालोद प्रमुख ने कहा कि चुनावों के प्रमुख मुद्दों में किसानों का संकट शामिल होगा।

उन्होंने कहा कि किसान आज इस तथ्य से बहुत परेशान हैं कि उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। बेशक, विधेयकों के खिलाफ (कृषि कानून) आंदोलन जिस तरह से सामने आया, जिस तरह से आंदोलनकारियों ने कड़ी मेहनत से जीत हासिल की, उसने किसानों में कुछ आत्मविश्वास पैदा किया है। यह चुनाव में एक बड़ा मुद्दा होने जा रहा है।

चौधरी ने कहा कि दूसरा बड़ा मुद्दा युवाओं से जुड़ी समस्याओं का होगा क्योंकि सरकारी भर्ती प्रभावी तरीके से नहीं हो रही है और समय पर भर्तियां नहीं हो रही हैं।

कांग्रेस से इस्तीफे के बाद तृणमूल में शामिल हुए लौरेंको ने पार्टी छोड़ी

पणजी। कांग्रेस छोड़ने और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल होने के एक महीने बाद गोवा के पूर्व विधायक एलेक्सो रेजिनाल्डो लौरेंको ने रविवार को ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी छोड़ दी। गोवा में 14 फरवरी को विधानसभा चुनाव होने वाला है। लौरेंको कर्टोरिम से विधायक थे और कांग्रेस की गोवा इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष थे, जब उन्होंने दिसंबर में पार्टी और राज्य विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया था।

लौरेंको ने बनर्जी को टीएमसी छोड़ने के अपने फैसले के बारे में सूचित करने के लिए एक पत्र भेजा है लेकिन उसमें उन्होंने पार्टी छोड़ने का कोई कारण नहीं बताया है।

कोलकाता में रविवार को कोविड-19 के प्रसार के बीच एक सुनसान इको पार्क में टहलती एक कार्यकर्ता।

लता मंगेशकर की सेहत में सुधार हो रहा है: स्वास्थ्य मंत्री

भाषा । जालना

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने रविवार को यहां कहा कि मुंबई के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती मशहूर गायिका लता मंगेशकर की सेहत में सुधार हो रहा है। मंगरेशकर (92) कोरोना वायरस संक्रमित हैं और उन्हें हल्के लक्षण महसूस हुए हैं। उन्हें पिछले सप्ताह दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया था।

टोपे ने जालना में संवाददाताओं से कहा, लता मंगेशकर की तबीयत में सुधार हो रहा है। मैंने ब्रीच कैंडी अस्पताल के अधिकारियों से बात की, जिन्होंने मुझे उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी। मैंने उनसे कहा कि अस्पताल के प्रवक्ता को गायिका की स्थिति के बारे में जानकारी देनी चाहिए, क्योंकि लोग उनके स्वास्थ्य के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। टोपे ने कहा कि उनके परिवार के सदस्यों के साथ चर्चा करने के बाद ब्रीच कैंडी अस्पताल गायिका के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दे सकता है। इससे पहले दिन में ब्रीच कैंडी अस्पताल के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ प्रतीत समदानी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि मंगेशकर अभी भी आईसीयू में हैं और उनका इलाज चल रहा है।

मंगेशकर की भतीजी रचना शाह ने बृहस्पतिवार को कहा था कि गायिका की तबीयत बेहतर हो रही है। शाह ने मीडिया से परिवार की निजता का सम्मान करने का अनुरोध किया था। भारतीय सिनेमा की सबसे महान गायिकाओं में शुमार मंगेशकर ने 1942 में 13 साल की उम्र में अपना करियर शुरू किया था और कई भारतीय भाषाओं में 30,000 से अधिक गाने गाए हैं।

कोविड-19 से बचने के लिए टीका ही सबसे ज्यादा स्वीकार्य उपाय

टीकाकरण का एक साल

भाषा । नई दिल्ली

भारत में कोविड-19 रोधी टीकाकरण का एक वर्ष पूरा होने के साथ ही, टीके को ही इस घातक संक्रमण के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार माना जा रहा है। हालांकि, कई प्रकार की दवाओं, गायत्री मंत्र का उच्चारण और गौमूत्र आधारित उपचार को भी आजमाया जा चुका है।

विशेषज्ञों द्वारा टीके के अलावा, मास्क, सेनिटाइजेशन और सुरक्षित दूरी का पालन करने को प्रभावी बताया गया है। पिछले साल 16 जनवरी को देश में दुनिया का सबसे बड़ा कोविड रोधी टीकाकरण अभियान चलाया गया था। अभियान की शुरुआत स्वास्थ्यकर्मियों को टीका देने से हुई थी जिसके बाद अग्रिम मोर्चे के कर्मियों को टीके की खुराक दी गई। सरकार ने एक मार्च से टीकाकरण अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत की थी जिसके तहत 60 वर्ष से अधिक आयु और पहले से किसी बीमारी से पीड़ित 45 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को टीका दिया गया। देश में एक मई से सभी वयस्कों और इस साल तीन जनवरी से 15-17 आयु वर्ग के बच्चों को टीका दिया जा रहा है। महामारी के विरुद्ध मुकाबले में टीके को एकमात्र हथियार स्वीकार किए जाने के बावजूद कई दवाओं और अन्य तरीकों को भी अपनाया जा रहा है जिसमें गायत्री मंत्र का उच्चारण करना और गौमूत्र को भी आजमाना भी शामिल है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में एक क्लिनिकल ट्रायल के लिए धन दिया है जिसमें इस पर अनुसंधान किया जा रहा है कि गायत्री मंत्र का जप करने और योग की प्राणायाम क्रिया को करने से कोविड-19 से पीड़ित व्यक्ति ठीक हो सकता है या नहीं। जिंदल नेचरक्योर संस्थान के योग अधिकारी डॉ राजीव राजेश ने कहा कि मानव शरीर में संरक्षण, स्व-नियमन और स्वत: मरम्मत करने की प्राकृतिक क्षमता है लेकिन लगातार आती चुनौतियों से निपटने के लिए उसे कुछ अतिरिक्त की आवश्यकता पड़ती है।

राजेश ने कहा कि यहीं पर योग की प्राचीन परंपरा काम आती है। भौतिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए आपको अपनी ऊर्जा को बरकरार रखना होता है, अपने शरीर को पोषण देना होता है, प्रतिरक्षा क्षमता में वृद्धि करनी होती है और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना होता है। योग आपके लिए यही तो करता है। उन्होंने कहा कि मांसपेशियों को और जोड़ों को फैलाने से रक्त के प्रवाह में सुधार होता है, योगासन करने से शरीर की प्रतिरक्षा क्षमता बढ़ती है। राजेश के अनुसार, अच्छे स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रतिदिन ताड़ासन, वज्रासन, पद्मासन, गोमुखासन, बलासन, उत्तनासन, भुजंगासन और धनुरासन किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि जहां तक गायत्री मंत्र का सवाल है, इस पर अब भी अनुसंधान हो रहा है कि मंत्र का जप करने और योग करने से कोविड-19 से पीड़ित व्यक्ति ठीक हो सकता है या नहीं। लेकिन श्वास क्रिया के साथ गायत्री मंत्र का जप किया जा सकता है। उजाला साइग्नस ग्रुप अस्पताल के संस्थापक निदेशक डॉ शुचिन बजाज ने कहा कि न केवल कोविड बल्कि ठंड की बिमारियों को ठीक करने में आयुष ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बजाज ने कहा, फेफड़े की क्षमता बढ़ाने के लिए योग में बहुत से अच्छे आसन हैं। दिमाग को शांत रखने के लिए भी ध्यान की भूमिका महत्वपूर्ण है क्योंकि हमने देखा है कि कोविड के कारण डर और परेशानी बढ़ती है। इसलिए कोविड का हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर जो असर पड़ता है उससे निपटने का यह बहुत अच्छा तरीका है। इसलिए इन बिमारियों के लिए योग और आयुष उपचार से अच्छे नतीजे देखने को मिले हैं।

कोविड-19 से मुकाबले के लिए आयुष ही नहीं बल्कि कई अन्य उपचार भी आजमाए गए हैं लेकिन व्यापक स्तर पर स्वीकार्य कोई इलाज अब तक सामने नहीं आया है। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ वी के पॉल ने हाल में एक प्रेस वार्ता में दवाओं के अत्यधिक प्रयोग और दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त की थी। नोएडा के निवासी और चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ राजेश कुमार ने कहा कि कोविड-19 के उपचार के लिए एलोपैथिक दवाएं ठीक हैं। उन्होंने कहा, योग का अभ्यास प्रतिरक्षा बढ़ा सकता है

बजट में उपकर, अधिभार हटाकर आयकर ढांचे को सरल बनाने की जरूरत : पूर्व वित्त सचिव

भाषा। नई दिल्ली

पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने सरकार को सुझाव दिया है कि आगामी बजट में नौकरीपेशा और आम लोगों को राहत देने के लिए चार कर दरों का एक सरल आयकर ढांचा लागू किया जाए और विभिन्न उपकरों तथा अधिभार को समाप्त कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि यह राज्यों के लिए भी न्यायसंगत होगा। गर्ग ने यह भी कहा कि वित्त मंत्री के लिए मुख्य चिंता 2022-23 के बजट में राजकोषीय घाटे को सामान्य स्तर पर लाने के साथ-साथ बढ़ती खाद्य और उर्वरक सब्सिडी को काबू में लाने की होगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण नरेंद्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अपना चौथा बजट एक फरवरी को पेश करेंगी। गर्ग ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, मौजूदा स्थिति में कर ढांचा जटिल है। कई सारे उपकर, अधिभार, कर की दरें और स्लैब हैं। इसके अलावा छूट के बिना कम दर पर कर देने की सुविधा या छूट के साथ सामान्य दर पर कर के भुगतान की व्यवस्था ने करदाताओं के लिए कर संरचना को जटिल बना दिया है। उन्होंने कहा, ऐसे में यह बेहतर होगा कि सरकार चार दरों का एक सरल आयकर ढांचा लागू करे और उपकरों तथा अधिभारों को समाप्त करे। यह राज्यों के लिए भी न्यायसंगत होगा। उल्लेखनीय है कि अभी आयकरदाताओं को स्वास्थ्य एवं शिक्षा उपकर के अलावा सालाना 50 लाख रुपए से अधिक आय पर अधिभार भी देना होता है। साथ ही उपकर और अधिभार से प्राप्त राजस्व राज्यों के बीच विभाजित नहीं होता जिसको लेकर वे समय-समय पर सवाल उठाते रहे हैं। एक सवाल के जवाब में गर्ग ने कहा कि कर छूट सीमा बढ़ाने का फिलहाल मामला नहीं है क्योंकि 2019-20 के बजट में किए गए प्रावधान के अनुसार जिन लोगों की भी आय पांच लाख रुपए सालाना से कम है, वे आयकर से मुक्त हैं। बजट में सरकार के लिए प्राथमिकता के बारे में पूछे जाने पर पूर्व वित्त सचिव ने कहा कि वित्त मंत्री के लिए मुख्य चिंता 2022-23 के बजट में बढ़ती खाद्य, उर्वरक सब्सिडी के साथ मनरेगा पर बढ़े हुए खर्च को काबू में लाने की होगी। उन्होंने कहा, सरकार ने कोविड संकट को देखते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून और अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) के परिवारों के अंतर्गत आने वाले सभी 80 करोड़ व्यक्तियों को मुफ्त राशन... पांच किलो गेहूं या चावल... देने का प्रावधान किया है। इस निर्णय से खाद्य सब्सिडी बिल करीब 2.4 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 4-4.25 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है। सालाना इसमें 1.6 लाख करोड़ रुपए से अधिक की वृद्धि हुई है। इसी प्रकार, सरकार के उर्वरक लागत और मनरेगा के तहत श्रमिक की मांग पर होने वाले खर्च में वृद्धि का बोझ उठाने के निर्णय का मतलब है कि 1.25 से 1.40 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च।

गर्ग ने कहा कि निश्चित रूप से सरकार बजट में 2021-22 के मुकाबले इस बार जल जीवन मिशन, टीकाकरण और स्वास्थ्य संबंधी ढांचागत सुविधाओं पर बजटीय प्रावधान बढ़ाएगी। बजट में चुनौतियों के बारे में उन्होंने कहा, वित्त वर्ष 2021-22 के लिए, राजकोषीय घाटा 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान रखा गया है। यह राजकोषीय घाटे के सामान्य स्तर और वित्तीय बचत दर को देखते हुए ऊंचा है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीने में कर राजस्व के रुख को देखते हुए लगता है कि सरकार कर और गैर-कर राजस्व मद में तीन लाख करोड़ रुपए अतिरिक्त हासिल कर सकती है। हालांकि, सरकार का खर्च भी बढ़ा है और विनिवेश के मामले में स्थिति इस साल अच्छी नहीं जान पड़ती। ऐसे में सरकार के लिए 6.8 प्रतिशत राजकोषीय घाटा लक्ष्य को हासिल करना चुनौती रहेगा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में विनिवेश से 1.75 लाख करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा है। निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) की वेबसाइट के अनुसार, अबतक सरकार इस मद में 9,329.90 करोड़ रुपए ही जुटा पाई है। गर्ग ने कहा, वित्त वर्ष 2022-23 में राजकोषीय चुनौती कम होती नहीं दिख रही। इसका कारण खर्च के मोर्चे पर स्थिति राहतपूर्ण नहीं होगी। ऐसे में वित्त मंत्री के लिए राजकोषीय घाटे को छह प्रतिशत से नीचे लाना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने कहा, वित्त मंत्री के लिए अन्य चुनौतियां पूंजी व्यय को बढ़ाना या उसे बनाए रखने की होगी। इसके अलावा ब्याज भुगतान को सीमित करना (सरकार का कर्ज 1.2 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया है और राजकोषीय घाटा ऊंचा बना हुआ है), राज्यों को वित्तीय अंतरण को प्रबंधित करना तथा सकल राज्य घरलू उत्पाद (जीएसडीपी) के तीन प्रतिशत से गर्ग ने कहा कि प्रत्यक्ष आय नकदी अंतरण, आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना जैसी विभिन्न योजनाओं के तहत दी जाने वाली सहायता से बेहतर है। आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना के तहत नए रोजगार या उन लोगों को फिर से नौकरी देने की स्थिति में कर्मचारी और नियोक्ता के कर्मचारी भविष्य निधि में योगदान सरकार करती है, जिन्होंने कोविड-19 के दौरान अपनी नौकरी गंवाई है।

मेट्रो ब्रांड्स का तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 54.6 प्रतिशत बढ़कर 100 करोड़ रुपए के पार

नई दिल्ली। मेट्रो ब्रांड्स का एकीकृत शुद्ध लाभ दिसंबर, 2021 में समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 54.63 प्रतिशत बढ़कर 100.85 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। फुटवियर खुदरा श्रृंखला मेट्रो ब्रांड्स ने इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 65.22 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। मेट्रो ब्रांड्स (पूर्व में मेट्रो शूज) ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि तिमाही के दौरान उसकी परिचालन आय 59.02 प्रतिशत बढ़कर 483.77 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 304.21 करोड़ रुपए थी। तिमाही के दौरान कंपनी का कुल खर्च 47.26 प्रतिशत बढ़कर 246.21 करोड़ रुपए से 362.59 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) निसान जोसफ ने कहा कि यह आमदनी और लाभ के लिहाज से हमारे लिए सबसे बढ़िया तिमाही है।

अप्रैल-दिसंबर में यात्री वाहनों का निर्यात 46 प्रतिशत बढ़ा, मारुति रही सबसे आगे

भाषा। नई दिल्ली

चालू वित्त वर्ष 2021-22 के पहले नौ महीनों में भारत का यात्री वाहनों (पीवी) का निर्यात 46 प्रतिशत बढ़ा है। इस दौरान 1.68 लाख इकाइयों के निर्यात के साथ मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) सबसे आगे रही है। सोसायटी ऑफ ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-दिसंबर 2021-22 में कुल यात्री वाहन निर्यात 4,24,037 इकाइयों का रहा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में 2,91,170 वाहनों का निर्यात हुआ था। आंकड़ों से पता चलता है कि समीक्षाधीन अवधि के दौरान यात्री कारों का निर्यात 45 प्रतिशत बढ़कर 2,75,728 इकाई पर पहुंच गया। वहीं यूटिलिटी वाहनों का निर्यात 47 प्रतिशत बढ़कर।,46,688 इकाई रहा। इस दौरान वैन का निर्यात लगभग दोगुना होकर।,621 इकाई रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान

अवधि में यह 877 इकाई रहा था।

समीक्षाधीन अवधि में देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने।,67,964 यात्री वाहनों का निर्यात किया। यह इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 59,821 इकाइयों के आंकड़े का लगभग तीन गुना है। इसके साथ ही कंपनी ने वित्त वर्ष के पहले नौ माह में सुपर कैरी (एलसीवी) की।,958 इकाइयों का निर्यात किया। मारुति के बाद निर्यात के मामले में हुंदै मोटर इंडिया और किआ इंडिया का स्थान रहा। मारुति के प्रमुख यात्री वाहन निर्यात बाजारों में लातिनी अमेरिका, आसियान, अफ्रीका, पश्चिम एशिया और पड़ोसी देश शामिल हैं। इसके शीर्ष पांच निर्यात मॉडल बलेनो, डिजायर, स्विफ्ट, एस-प्रेसो और ब्रेजा रहे। मारुति सुजुकी के कार्यकारी निदेशक (कॉरपोरेट मामले) राहुल भारती ने पीटीआई-भाषा से कहा कि लगभग दो साल पहले कंपनी ने निर्यात में भारी वृद्धि की दिशा में एक मजबूत प्रयास करने का फैसला किया था। हमारी इस महत्वाकांक्षा के पीछे वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की स्थानीयकरण को बढ़ाने और मेक इन इंडिया के तहत निर्यात में वृद्धि की रणनीति भी है। भारती ने कहा कि इसके चलते हम अप्रैल-दिसंबर 2021-22 के दौरान।,69,922 वाहनों (पीवी और एलसीवी) का निर्यात करने में सफल रहे, जो नौ महीने की अवधि में सबसे ऊंचा आंकड़ा है। उन्होंने कहा कि कैलेंडर वर्ष 2021 में मारुति सुजुकी ने 2,05,450 वाहनों का निर्यात किया, जो किसी एक कैलेंडर साल में सबसे अधिक है।

एटीएफ के दाम 4.2 प्रतिशत बढ़े, लगातार 72वें दिन वाहन ईंधन कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। वाहन ईंधन (एटीएफ) 4.2 प्रतिशत महंगा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच इस महीने में दूसरी बार एटीएफ के दाम बढ़ाए गए हैं। वहीं वाहन ईंधन यानी पेट्रोल और डीजल के दामों में लगातार 72वें दिन बदलाव नहीं हुआ है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में एटीएफ की कीमतें 3,232.87 रुपए प्रति किलोलीटर या 4.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 79,294.91 रुपए प्रति किलोलीटर पर पहुंच गई हैं।

नए साल यानी जनवरी में यह एटीएफ कीमतों में दूसरी बढ़ोतरी है। इससे पहले एक जनवरी को विमान ईंधन के दाम 2,039.63 रुपए प्रति किलोलीटर या 2.75 प्रतिशत बढ़ाए गए थे और यह 76,062.04 रुपए प्रति किलोलीटर पर पहुंच गया था। वहीं दिसंबर में एटीएफ कीमतों में दो बार कटौती की गई थी। उस समय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम नीचे आए थे। उसके बाद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम बढ़ रहे हैं। नवंबर के मध्य में जेट ईंधन 80,835.04 रुपए प्रति किलोलीटर की ऊंचाई पर पहुंच गया था। एक और 15 दिसंबर को एटीएफ कीमतों में कुल मिलाकर 6,812.25 रुपए प्रति किलोलीटर या 8.4 प्रतिशत की कटौती की गई थी। जेट ईंधन की कीमतों में हर महीने की एक और 16 तारीख को संशोधन किया जाता है। वहीं पेट्रोल और डीजल कीमतों में प्रतिदिन संशोधन होता है। लेकिन वाहन ईंधन कीमतों में चार नवंबर, 2021 से बदलाव नहीं हुआ है। उस समय केंद्र सरकार ने पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क पांच रुपए और डीजल पर 10 रुपए प्रति लीटर घटाया था। हालांकि, इस दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रेंट कच्चे तेल के दाम में काफी उतार-चढ़ाव रहा है। ब्रेंट कच्चा तेल पांच नवंबर, 2021 को 82.74 डॉलर प्रति बैरल पर था। एक दिसंबर को यह घटकर 68.87 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

क्विक न्यूज

आदित्य बिड़ला फैशन के पोर्टल पर डेटा में सेंध , कंपनी कर रही है जांच

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड (एबीएफआरएल) के पोर्टल पर डेटा में सेंध का मामला सामने आया है और कंपनी इस संबंध में जांच कर रही है। इस बीच, कंपनी ने भरोसा दिलाया है कि इस घटनाक्रम का उसके परिचालन या कारोबार पर कोई असर नही पड़ेगा। कंपनी ने डेटा में सेंध लगाए जाने की घटनाओ की जांच करने के लिए फॉरेंसिक सुरक्षा विशेषज्ञों की सेवाएं ली है। आदित्य बिड़ला समूह के स्वामित्व वाली कंपनी के पोर्टल से 54 लाख से अधिक ईमेल पतों को ऑनलाइन जारी कर दिया गया था। एबीएफआरएल के प्रवक्ता ने घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा, कंपनी एक सूचना सुरक्षा संबंधी मामले की जांच कर रही है जिसमें उसके ई-कॉमर्स डेटाबेस में अनधिकृत घुसपैठ की गई। हालांकि, उन्होंने इससे कारोबार या परिचालन पर असर पड़ने की संभावना को खारिज कर दिया।

चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में सोने का आयात दोगुना से अधिक होकर 38 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली। देश का सोने का आयात चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह (अप्रैल-दिसंबर, 2021) में दोगुना से अधिक होकर 38 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। मांग ऊंची रहने से सोने के आयात में बढ़ोतरी हुई है। सोने का आयात चालू खाते के घाटे (कैड) को प्रभावित करता है। अप्रैल-दिसंबर, 2020 में सोने का आयात 16.78 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर, 2021 में सोने का आयात बढ़कर 4.8 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 4.5 अरब डॉलर रहा था। वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में सोने के आयात में बढ़ोतरी से व्यापार घाटा भी बढ़कर 142.44 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 61.38 अरब डॉलर पर था। इसी तरह वित्त वर्ष के पहले नौ माह में चांदी का आयात भी बढ़कर दो अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 76.2 करोड़ डॉलर था। भारत दुनिया में चीन के बाद सोने का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है।

अमेरिकी शेल तेल उद्यम से बाहर निकली ऑयल इंडिया, 2.5 करोड़ डॉलर में बेची अपनी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) अमेरिका के शेल तेल उद्यम से बाहर निकल गई है। कंपनी ने इस उपक्रम में अपनी 20 प्रतिशत हिस्सेदारी 2.5 करोड़ डॉलर में उद्यम भागीदार को बेच दी है। है। इस तरह दो महीने में अमेरिकी शेल कारोबार से बाहर निकलने वाली यह दूसरी भारतीय कंपनी है। कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा, ऑयल इंडिया (यूएसए) इंक (ओआईएल की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी) ने नियोब्रारा शेल संपत्तियों में अपनी समूची हिस्सेदारी बेच दी है। ऑयल इंडिया और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (ओआईसी) ने संयुक्त रूप से अक्टूबर, 2012 में कोलोराडो में ह्यूस्टन स्थित कैरिजो ऑयल एंड गैस की नियोब्रारा शेल संपत्ति में 30 प्रतिशत हिस्सेदारी 8.25 करोड़ डॉलर में खरीदी थी। ओआईएल की अनुषंगी ने जहां 20 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया था, वही आईओसी ने अपनी संबंधित अनुषंगी कंपनी के माध्यम से कैरिजो के नियोब्रारा बेसिन की संपत्ति में 10 प्रतिशत हासिल की थी।

मायराह छोटे कारोबारियों को डिजीटल पहचान बनाने में मदद करेगा

नई दिल्ली। मायराह टियर 2 शहरों और छोटे शहरो में छोटे कारोबारियों को आधुनिक बनाने और स्थानीय समुदायों को अपने ग्राहको तक बेहतर ढंग से पहुंचने तथा प्रभावशाली डिजीटल उपस्थिति दर्ज कराने की मदद करेगा। मायराह की सेवाएं वर्तमान में अंग्रेजी, हिन्दी, मराठी,बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, तमिल,तेलुगू और मलयालम में उपलब्ध है। पचास हजार से अधिक उद्यमियों और व्यवसायों में अपनी डिजीटल उपस्थिति बनाने और मैनेज करने के लिए मायराह का उपयोग किया जा रहा है। मायराह टेक्नोलॉजी आधारित कम्पनी है और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी का उपयोग करती है। एक सुदृढ़ शोध मानसिकता के साथ मायराह का लक्ष्य छोटे कारोबारियों को वेब 2.0 और भविष्य के वेब 3.0 में डिजीटल पहचान बनाने और मैनेज करने में सक्षम बनाता है। मायराह वेब डेवलपर्स और फ्रीलांसर्स के साथ भागीदारी करता है ताकि उन्हें अपने उत्पादन समय को कम करने और दक्षता बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी प्रदान कीजा सके।

जीवन बीमा कंपनियों का बजट में धारा 80 सी के तहत छूट की अलग श्रेणी बनाने का सुझाव

भाषा। नई दिल्ली

जीवन बीमा उद्योग ने आगामी आम बजट में धारा 80 (सी) के तहत दी जाने वाली छूट में जीवन बीमा प्रीमियम के लिए अलग श्रेणी बनाने तथा बीमाधारकों के हित में पेंशन लाभ को कर मुक्त करने का सुझाव दिया है।

एजिस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस के सीएमओ और उत्पाद प्रमुख कार्तिक रमन ने पीटीआई-भाषा को बताया कि इस समय कर छूट के लिए 1.5 लाख रुपए श्रेणी काफी अव्यवस्थित है और इसमें जीवन बीमा प्रीमियम के जरिए कर छूट का पूरा लाभ पाने की ज्यादा गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा, हम छूट के मामले में कर लाभ के लिए एक अलग श्रेणी चाहते हैं, क्योंकि धारा 80 (सी) की सीमा।,50,000 रुपए है और सब कुछ उसी के तहत आता है, जैसे पीपीएफ इसका हिस्सा है, और अगर किसी के पास आवास ऋण है, तो यह इसी से पूरा हो जाता है।

उन्होंने कहा कि इसलिए उद्योग की ओर से हम चाहते हैं कि कर छूट के लिए जीवन बीमा में निवेश की एक अलग धनराशि रखी जाए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को अगले वित्त वर्ष का आम बजट पेश करने वाली हैं। इसके साथ ही उद्योग ने अपनी बजट सिफारिशों में एन्यूइटी या पेंशन उत्पादों को कर छूट के दायरे में लाने का अनुरोध किया है। इस समय पेंशन उत्पादों को वेतन के रूप में देखा जाता है, और इसलिए यह कर योग्य है। हालांकि, आमतौर पर यह उन लोगों को मिलती है, जो आय के नियमित स्रोत से बाहर चले गए हैं और वे एन्यूइटी को आय के वैकल्पिक स्रोत के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा, जीवनयापन की लागत लगातार बढ़ रही है, और उन पर कर लगाना सही नहीं है। हम (सरकार से) अनुरोध कर रहे हैं कि क्या धारा 10 (10डी) के तहत एन्यूइटी पर भी विचार किया जा सकता है और इसे कर मुक्त किया जा सकता है। आयकर अधिनियम की धारा 10 (10डी) बोनस सहित जीवन बीमा लाभों के लिए छूट की अनुमति देती है।

भारत की वृहद आर्थिक स्थिति पुनरुद्धार की ओर, पर गतिहीनस्फीति की चुनौती भी सामने : कौशिक बसु

भाषा। नई दिल्ली

विश्व बैंक के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक बसु का मानना है कि भारत में कुल वृहद आर्थिक स्थिति पुनरुद्धार की राह पर है, लेकिन यह शीर्ष छोर पर केंद्रित है, जो चिंता की बात है। यानी इसका लाभ कुछ क्षेत्रों या बड़े व्यवसायों को ही मिल रहा है। बीते माह खुदरा मुद्रास्फीति में तेज उछाल आया है। बसु ने इसी परिप्रेक्ष्य में कहा कि देश गतिहीनस्फीति (स्टैगफ्लेशन) की स्थिति का सामना कर रहा है, और इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए बेहद सावधानी से नीतिगत हस्तक्षेप की जरूरत है। गतिहीनस्फीति से आशय ऊंची मुद्रास्फीति के बीच बेरोजगारी दर ऊंची और अर्थव्यवस्था की मांग कम रहने से है। बसु पिछली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे थे। फिलहाल वह अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं। उन्होंने कहा कि समग्र अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, लेकिन देश का निचला आधा हिस्सा मंदी में है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ साल के दौरान देश की नीति कुछ बड़े व्यवसायों पर केंद्रित रही है, जो दुख की बात है। बसु ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा, भारत की समग्र वृहद आर्थिक स्थिति पुनरुद्धार की राह पर है। चिंता इस तथ्य से पैदा होती है कि यह वृद्धि शीर्ष छोर पर केंद्रित है।

उन्होंने कहा कि देश में युवा बेरोजगारी दर कोविड-19 महामारी से पहले ही 23 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो दुनिया में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों, किसानों और छोटे व्यवसायों के लिए नकारात्मक वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि 2021-22 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 9.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। चूंकि महामारी के कारण 2019-20 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.3 प्रतिशत की गिरावट आई थी। ऐसे में पिछले दो साल की औसत वृद्धि दर मात्र 0.6 प्रतिशत बैठेगी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने अपने पहले अग्रिम अनुमान में अप्रैल, 2021 से मार्च, 2022 के वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 9.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक ने इसी अवधि के दौरान 9.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। विश्व बैंक ने 8.3 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है जबकि आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) का अनुमान है कि भारतीय अर्थव्यवस्था 9.7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार को आगामी बजट में राजकोषीय मजबूती के लिए कदम उठाने चाहिए या प्रोत्साहन उपायों को जारी रखना चाहिए, बसु ने कहा कि भारत की मौजूदा स्थिति वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पूरे राजकोषीय नीति तंत्र के लिए एक बड़ी चुनौती है।

कंपनियों के तिमाही नतीजे तय करेंगे शेयर बाजारों की दिशा

नई दिल्ली। शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह कुछ बड़ी कंपनियों के दिसंबर, 2021 की तीसरी तिमाही के नतीजों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फाइनेंस सहित कुछ अन्य कंपनियां अपने तीसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा कोविड-19 की स्थिति, वैश्विक बाजार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश का रुख, रुपए-डॉलर का उतार-चढ़ाव और ब्रेंट कच्चे तेल के दाम भी बाजार को दिशा देंगे।

रेलिगेयर ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा, इस सप्ताह तिमाही नतीजों का सीजन रफ्तार पकड़ेगा। बाजार भागीदारों की निगाह रिलायंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज ऑटो, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स,

हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी कुछ शीर्ष कंपनियों के आमदनी के ब्योरे पर रहेगी। इससे पहले सोमवार को बाजार एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एचडीएफसी बैंक के तिमाही नतीजों पर प्रतिक्रिया देगा। मिश्रा ने कहा कि अन्य घटनाक्रमों के अलावा बाजार की उम्मीदें बजट पर भी टिकी हैं। साथ ही वैश्विक संकेतक और कोविड-19 के नए स्वरूप ओमीक्रोन से जुड़ी खबरें भी बाजार पर असर डालेंगी। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, कई क्षेत्रों में बजट-पूर्व कदम शुरू हो गए हैं। यह इस सप्ताह भी जारी रहेंगे।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.34 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह 2,34,161.58 करोड़ रुपए का जोरदार उछाल आया। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज सबसे अधिक लाभ में रहीं। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स।,478.38 अंक या 2.47 प्रतिशत चढ़ा। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 69,503.71 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 17,17,265.94 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इन्फोसिस के बाजार मूल्यांकन में 48,385.63 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 8,10,927.25 करोड़ रुपए रहा। टीसीएस की बाजार हैसियत 42,317.15 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 14,68,245.97 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। एचडीएफसी का मूल्यांकन 21,125.41 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 4,91,426.13 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक का 18,650.77 करोड़ रुपए के लाभ से 5,69,511.37 करोड़ रुपए रहा।

पेज एक का शेष

सपा के...

सिंह तथा रामपुर-बरेली निकाय क्षेत्र से विधान परिषद सदस्य घनश्याम लोधी के अलावा पूर्व आईएएस अधिकारी राम बहादुर और सपा के शिकोहाबाद के पूर्व सपा विधायक ओमप्रकाश वर्मा को भाजपा की सदस्यता दिलाई। राम बहादुर पिछले लोकसभा चुनाव में मोहनलालगंज से बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी रह चुके हैं। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी रहे अरुण ने भाजपा सरकार की सराहना करते हुए दावा किया कि पिछले पांच वर्ष का कार्यकाल कानून-व्यवस्था के लिए बहुत बेहतर था और पुलिसकर्मियों और अधिकारियों को काम करने के लिए इससे पहले कभी इतना सुखद अवसर नहीं मिला।

टिकट नहीं...

से और मोहिंद्र के बेटे और यूथ कांग्रेस नेता मोहित मोहिंद्र पटियाला ग्रामीण से अपनी किस्मत आजमाएंगे। यह भी पता चला कि आलाकमान ने बस्सी पठाना में मौजूदा विधायक गुरुप्रीत सिंह की उम्मीदवारी का समर्थन किया था, जिसके बाद चन्नी अपने भाई को टिकट नहीं दिलवा पाए हैं। बस्सी पठाना निर्वाचन पुध क्षेत्र में आता है और यहां मुख्यमंत्री चन्नी और उनके समुदाय की खासी पैठ है। आगामी 14 फरवरी को पंजाब में विधानसभा चुनाव होने हैं और कांग्रेस ने 86 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। सूची जारी होते ही कांग्रेस के टिकट में आस लगाए लोगों ने अपने बगावती तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। कई बड़े नेता पार्टी छोड़ने का ऐलान कर चुके हैं और वे दूसरे दलों में ठोर तलाश रहे हैं। चन्नी के भाई के बगावती तेवर के चलते पंजाब का चुनाव दिलचस्प मोड पर आ गया है। डॉ. मनोहर सिंह ने अगस्त 2021 में खरड़ सिविल अस्पताल से एक वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद से इस्तीफा दे दिया था। नौकरी छोड़ने के बाद उन्होंने छोटी-छोटी जनसभाएं की और बस्सी पठाना विधानसभा सीट के लिए दावा पेश करने के लिए एक विशाल रैली का आयोजन भी किया। मनोहर के पास एमबीबीएस और एमडी के साथ-साथ पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिग्री भी है। साथ ही उन्होंने कानून की पढ़ाई भी की है।

देश में...

के साथ, भारत ओमीक्रोन केस में 28.17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इस बीच, भारत ने रविवार को कोविड-19 के खिलाफ राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के एक साल पूरा होने पर बताया कि अब तक 156.76 करोड़ से अधिक खुराक लोगों को दी गई है। टीकाकरण अभियान के एक साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के कोविड-19 टीकाकरण अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इससे महामारी के खिलाफ लड़ाई में बहुत ताकत मिली है, जिसके परिणामस्वरूप लोगों की जान बची है और रोजी-रोटी की रक्षा हुई है। जब महामारी पहली बार आई थी, तब वायरस के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि हमारे वैज्ञानिकों और नवप्रवर्तकों (इनोवेटर्स) ने टीके विकसित करने में खुद को झोंक दिया था। अपने ट्वीट में पीएम ने कहा कि भारत इस बात पर गर्व महसूस करता है कि हमारा देश वैक्सीन के जरिए महामारी से लड़ने में योगदान दे पाया है। आईसीएमआर प्रमुख डॉ. बलराम भार्गव ने कहा कि यह दुनिया में सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान है। हमने एक साल में 156 करोड़ से अधिक खुराकें दी हैं और वसुधैव कुटुम्बकम दर्शन के अनुरूप 100 से अधिक देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराने में सक्षम हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भले ही कोविड के मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन टीकाकरण के कारण कोविड मरीजों में गंभीरता कम होगी।

स्कूलों को...

को जोड़ने का कोई सबूत नहीं है और अब स्कूलों को बंद रखने का कोई औचित्य नहीं है। भले ही कोविड-19 की नई लहरें आएं, स्कूलों को बंद करना अंतिम उपाय ही होना चाहिए। उन्होंने कहा, रेस्तरां, बार और शॉपिंग मॉल को खुला रखने और स्कूलों को बंद रखने का कोई मतलब नहीं है। कोई बहाना नहीं हो सकता। विश्व बैंक के विभिन्न अध्ययन के अनुसार, अगर स्कूल खोले जाते हैं तो बच्चों के लिए स्वास्थ्य जोखिम कम होता है और बंद होने की लागत बहुत अधिक होती है। उन्होंने कहा, 2020 के दौरान हम नासमझी में कदम उठा रहे थे। हमें अभी भी यह नहीं पता कि महामारी से निपटने का सबसे अच्छा तरीका क्या है और दुनिया के अधिकतर देशों में तत्काल स्कूलों को बंद करने के कदम उठाए गए। तब से काफी समय बीत चुका है और 2020 और 2021 से कई लहरें आ चुकी हैं और ऐसे कई देश हैं, जिन्होंने स्कूल खोले हैं। सावेद्रा ने कहा, हम यह देखने में सक्षम हैं कि क्या स्कूलों के खुलने से वायरस के प्रसार पर प्रभाव पड़ा है और नए डेटा से पता चलता है कि ऐसा नहीं होता है। कई जगहों पर लहरें तब आई हैं, जब स्कूल बंद थे तो जाहिर है कि संक्रमण के मामलों में वृद्धि के पीछे स्कूलों की कोई भूमिका नहीं रही है। उन्होंने कहा, भले ही बच्चे संक्रमित हो सकते हैं और ओमीक्रोन से यह और भी अधिक हो रहा है लेकिन बच्चों में मृत्यु और गंभीर बीमारी अत्यंत दुर्लभ है। बच्चों के लिए जोखिम कम हैं और लागत बहुत अधिक है। बच्चों का अब तक टीकाकरण नहीं होने की चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ऐसा कोई देश नहीं है जिसने बच्चों के टीकाकरण के बाद ही स्कूलों को फिर से खोलने की शर्त रखी हो। क्योंकि इसके पीछे कोई विज्ञान नहीं है और लोक नीति के नजरिए से इसका कोई मतलब नहीं है। भारत में महामारी के कारण स्कूल बंद होने के प्रभाव के बारे में बात करते हुए सावेद्रा ने कहा कि प्रभाव पहले की तुलना में अधिक गंभीर है और पठन-पाठन के नुकसान का अनुमान कहीं ज्यादा रहने की आशंका है।

शाह 22...

नेता ने अनौपचारिक बातचीत के दौरान भरोसा जताया कि भाजपा उत्तर प्रदेश में 2017 वाला अपना प्रदर्शन दोहराएगी। पार्टी ने उस समय 300 से अधिक सीट जीती थीं। ओबीसी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य समेत अन्य नेताओं का भाजपा का साथ छोड़कर उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी दल समाजवादी पार्टी (सपा) में शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि ए नेता खुद को अपनी जाति का नुमांइदा होने का दावा करते हैं और इनके इस्तीफा देने का सबसे प्रमुख कारण यह है कि भाजपा इन समुदायों का भरोसा जीतने में कामयाब रही है। मौर्य ने भाजपा पर पिछड़ा जातियों की उपेक्षा का आरोप लगाया है।

सीमा के...

स्थित लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी क्षेत्र नेपाल का अभिन्न अंग हैं। नेपाल सरकार के प्रवक्ता कर्की ने कहा, नेपाल की सरकार भारत सरकार से अपील करती है कि वह नेपाली क्षेत्र से होकर गुजरने वाली सड़कों का निर्माण एवं विस्तार जैसे सभी एकतरफा कदम रोक दे। मंत्री ने कहा कि नेपाल की सरकार दोनों देशों के बीच सीमा विवाद का समाधान ऐतिहासिक संधि, समझौते, दस्तावेजों और मानचित्र और नेपाल तथा भारत के बीच निकट एवं दोस्ताना संबंधों के मुताबिक करने के लिए प्रतिबद्ध है। लिपुलेख में भारत द्वारा सड़क निर्माण के खिलाफ नेपाल में प्रदर्शन के बीच उनकी यह टिप्पणी आई है। सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस ने शुक्रवार को एक बयान जारी किया था, जिसमें उसने लिपुलेख होकर सड़क के निर्माण का विरोध किया था।

भारत ने...

उच्चायुक्त गोपाल बागले, युवा एवं खेल मंत्री नमल राजपक्षे और इस्टेट हाउसिंग एवं कम्युनिटी इंफ्रास्ट्रक्चर मामलों के राज्यमंत्री जीवन थोंडमन ने शनिवार को कोटागला में एक हजार से अधिक लाभार्थियों को उनके घरों की चाबी सौंपी।

गैरकानूनी फतवों...

विद्वानों के विचार अलग होते हैं और उनकी कोई कानूनी बाध्यता नहीं होती। लोग धर्म के अनुसार अपने मनमुताबिक फैसले लेने को स्वतंत्र हैं।

राजधानी में...

में 209 स्थाई और 216 अस्थाई आश्रय गृह हैं ,जिनमें 21,000 बेघर लोगों को रखा जा सकता है, लेकिन कोविड-19 के कारण लोगों की रहने की क्षमता को संशोधित करके करीब 10,500 किया गया है। सेंटर फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट के कार्यकारी निदेशक सुनील कुमार अलेदिया ने कहा कि आश्रय गृहों में जगह और सुविधाओं की कमी के कारण हजारों लोग सड़कों पर रात बिताने को मजबूर हैं।

महामारी में...

कि वह प्रत्येक राज्य/केंद्रशासित प्रदेश के एससीपीसीआर के साथ क्षेत्रवार बैठकें कर रहा है और उत्तर-पूर्वी राज्यों के साथ एक आभासी बैठक 19 जनवरी को होने वाली है।

यहूदी पूजा स्थल में बंधक लोगों को रिहा कराया गया

भाषा। कोलीविले (अमेरिका)

अमेरिका के टेक्सास में यहूदियों के एक पूजा स्थल में बंधक बनाए गए लोगों को कई घंटे के गतिरोध के बाद शनिवार रात को रिहा करा लिया गया और सुरक्षा बलों की गोलीबारी में संदिग्ध मारा गया। व्यक्ति को घटना की लाइवस्ट्रीमिंग (सोशल मीडिया मंच पर सीधा प्रसारण) के दौरान एक पाकिस्तानी न्यूरो साइंटिस्ट(तंत्रिका विज्ञानी) को रिहा करने की मांग करते सुना गया, जिसे अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना के अधिकारियों की हत्या के प्रयास के जुर्म में सजा सुनाई गई है। अधिकारियों ने बताया कि कोलीविले में कांग्रिगेशन बेथ इजराइल भवन में शनिवार को लोगों को बंधक बनाया गया था जिन्हें अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई की स्वात टीम ने भवन में संदिग्ध के साथ कई घंटों के गतिरोध के बाद रिहा कराया। हमलावर को मार गिराया गया और एफबीआई के स्पेशल एजेंट इंचार्ज मैट डेसारनो ने बताया कि एक टीम गोलीबारी की घटना की जांच करेगी। डलास टीवी स्टेशन डब्ल्यूएफएए से जारी वीडियो फुटेज में लोग पूजा स्थल के एक दरवाजे से भागकर बाहर निकलते देखे गए, इसके महज कुछ सेकंड बाद बंदूकधारी एक व्यक्ति दरवाजा खोलते और फिर उसे बंद करते दिखा। कुछ समय बाद गोलीबारी की आवाज सुनी गई और फिर धमाके की भी आवाज सुनाई दी। एफबीआई और पुलिस की प्रवक्ता ने हालांकि यह नहीं बताया कि हमलावर को किसने गोली मारी। डेसारनो ने बताया कि बंधक बनाने वाला व्यक्ति विशेष रूप से ऐसे मुद्दे पर केंद्रित था जो सीधे तौर पर यहूदी समुदाय से संबंधित नहीं था और तत्काल इस बात के भी कोई संकेत नहीं मिले हैं कि व्यक्ति की कोई बड़ी साजिश थी। लेकिन डेसारनो ने बताया कि जांच एजेंसी हर पहलू से जांच करेगी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि हमलावर ने यहूदी पूजा स्थल को ही क्यों चुना। दो सुरक्षा अधिकारियों ने नाम नहीं जाहिर

संदिग्ध की मौत

करने की शर्त पर बताया कि शुरू में कम से कम चार बंधकों के पूजा स्थल में होने का अनुमान था। अधिकारियों में से एक ने कहा कि माना जाता है कि बंधक बनाए गए लोगों में पूजा स्थल के रब्बी (यहूदी धार्मिक नेता) भी शामिल हैं। एक अधिकारी ने कहा कि व्यक्ति ने अपने पास हथियार होने का दावा किया लेकिन अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की। डेसारनो ने बताया कि शनिवार की रात व्यक्ति की पहचान कर ली गई लेकिन फिलहाल उसकी पहचान उजागर नहीं की जा सकती। एक अधिकारी ने बताया कि न्यूयॉर्क शहर में एक रब्बी को संभवतः बंधक बनाए गए रब्बी का फोन आया था जिसके बाद न्यूयॉर्क शहर के रब्बी ने घटना की रिपोर्ट करने के लिए पुलिस को फोन किया। एफबीआई डलास की प्रवक्ता केटी चाउमोंट ने कहा कि पुलिस पहले सुबह 11 बजे के आसपास पूजा स्थल पहुंची और उसके तुरंत बाद आसपास के इलाकों से लोगों को निकाला गया। चाउमोंट ने कहा कि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। कांग्रिगेशन बेथ इजराइल में शनिवार की प्रार्थना की पूजा स्थल के फेसबुक (अब मेटा) पेज पर लाइवस्ट्रीमिंग हो रही थी। फोर्ट वर्थ स्टार-टेलीग्राम की खबर के अनुसार लाइवस्ट्रीमिंग के दौरान गुस्से में एक शख्स को चिल्लाते और उस दौरान धर्म के बारे में बोलते सुना गया। दिन में दो बजे के आस पास लाइवस्ट्रीमिंग बंद हो गई। बाद में मेटा कंपनी के एक प्रवक्ता ने यह पुष्टि की कि वीडियो को फेसबुक से हटा लिया गया है। कई लोगों ने लाइवस्ट्रीम के दौरान बंधक बनाने वाले को सिद्दीकी को अपनी बहन के रूप में संबोधित करते सुना, लेकिन डलास फोर्ट-वर्थ टेक्सास में काउंसिल ऑन अमेरिकन इस्लामिक रिलेशंस (सीएआईआर) के कार्यकारी निदेशक फैजान सैयद ने द एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि सिद्दीकी का भाई मोहम्मद सिद्दीकी इसमें शामिल नहीं था। सीएआईआर के ह्यूस्टन चैप्टर के बोर्ड के अध्यक्ष एवं मोहम्मद सिद्दीकी के कानूनी सलाहकार जॉन फ्लॉयड ने कहा, हमलावर का डॉ आफिया सिद्दीकी या डॉ आफिया के लिए न्याय की मांग को लेकर वैश्विक अभियान से कोई संबंध नहीं है। गवर्नर ग्रेग एबॉट ने ट्वीट किया, प्रार्थनाएं सुन ली गईं। सभी बंधक जीवित और सुरक्षित हैं। एबॉट के इस ट्वीट से पहले प्रार्थना स्थल में गोलियां चलने जैसी आवाजें सुनी गई थीं। कोलीविले पुलिस विभाग ने कहा कि शनिवार शाम पांच बजे के बाद बंधक बनाए गए लोगों में से एक को बिना किसी नुकसान के रिहा कर दिया गया। माना जाता है कि व्यक्ति अपने परिवार के पास चला गया और उसे चिकित्सीय देखभाल की आवश्यकता नहीं थी। अधिकारियों ने कहा कि बंधक बनाने वाले को घटना की लाइवस्ट्रीमिंग के दौरान पाकिस्तानी तंत्रिका विज्ञानी को रिहा करने की मांग करते सुना जा सकता है, जिस पर अलकायदा से संबंध रखने का संदेह था और अफगानिस्तान में हिरासत में अमेरिकी सैन्य अधिकारियों को मारने की कोशिश करने का दोषी ठहराया गया था। व्यक्ति ने यह भी कहा कि वह आफिया से बात करना चाहता है। आफिया सिद्दीकी टेक्सास की संघीय जेल में बंद है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने शनिवार शाम ट्वीट किया कि राष्ट्रपति जो बाइडन को इस बारे में जानकारी दे दी गई है और उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों से पल-पल की सूचना मिल रही है। इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने कहा कि वह स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए हैं। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, हम बंधकों और बचाव दल की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं। कोलीविले लगभग 26,000 लोगों की आबादी वाला शहर है जो फोर्ट वर्थ से लगभग 23 किलोमीटर उत्तर पूर्व में स्थित है। यह प्रार्थना स्थल हरे-भरे इलाके में स्थित बड़े आवासीय घरों के बीच मौजूद है जिसके आस पास कई गिरजाघर, एक माध्यमिक और प्राथमिक स्कूल तथा खेत हैं।

टोंगा के पास समुद्र में ज्वालामुखी विस्फोट

● प्रशांत महासागर क्षेत्र में सुनामी का खतरा घटा

भाषा। वेलिंगटन

समुद्र के भीतर ज्वालामुखी विस्फोट के बाद प्रशांत महासागर के आसपास सुनामी का खतरा रविवार को कम होना शुरू हो गया, लेकिन छोटे से द्वीपीय राष्ट्र टोंगा के ऊपर बड़े पैमाने पर राख के बादल छा गए। टोंगा में हुए नुकसान का आकलन करने के लिए न्यूजीलैंड से निगरानी उड़ानें भी नहीं भेजी जा सकीं।

उपग्रह की तस्वीरों में शनिवार शाम को हुए भीषण विस्फोट के बाद प्रशांत महासागर के ऊपर राख, भाप और गैस की मोटी परत दिख रही थी। विस्फोट की आवाज अलास्का जितनी दूर तक सुनी जा सकती थी। टोंगा में समुद्र की भयानक लहरें तटों तक पहुंचने लगी और लोग जान बचाने के लिए जल्दबाजी में ऊंचे स्थानों पर जाने लगे। ज्वालामुखी विस्फोट से टोंगा में इंटरनेट पूरी तरह ठप हो गया जिससे दुनिया भर में लोग वहां अपने परिजनों, दोस्तों की खैरियत जानने के लिए बैचेन होने लगे।

सरकार की वेबसाइट और अन्य माध्यमों पर भी रविवार दोपहर तक कोई अद्यतन जानकारी नहीं दी गई है। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डर्न ने कहा कि टोंगा में अभी तक किसी के घायल होने या मरने की कोई आधिकारिक रिपोर्ट नहीं है। साथ ही कहा कि अधिकारियों का अभी तक कुछ तटीय क्षेत्रों और छोटे द्वीपों से संपर्क नहीं हो पाया है। आर्डर्न ने कहा, टोंगा के साथ संचार संपर्क बहुत सीमित है।

मैं जानती हूं कि यहां टोंगा के लोग काफी चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि टोंगा के तटवर्ती इलाकों में नावों और दुकानों को काफी नुकसान हुआ है। टोंगा की राजधानी नुकुलोफा ज्वालामुखी विस्फोट से निकली राख से ढकी हुई थी। आर्डर्न ने कहा कि क्षेत्र का पानी भी दूषित हो गया है और सबसे ज्यादा साफ पेयजल की जरूरत है। राहत एजेंसियों ने कहा कि राख और धुएं की मोटी परत के कारण अधिकारियों ने लोगों को मास्क पहनने और बोतलबंद पानी पीने के लिए कहा है। आर्डर्न ने कहा कि न्यूजीलैंड रविवार को टोंगा के ऊपर निगरानी उड़ान भेजने में असमर्थ रहा क्योंकि राख का बादल 63,000 फुट (19,000 मीटर) तक छाया हुआ था। सोमवार को फिर से विमान भेजने के प्रयास किए जाएंगे। जहाजों और विमानों के जरिए जरूरी सामान पहुंचाने की व्यवस्था भी की जाएगी। पामर, अलास्का में राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केंद्र के सुनामी चेतावनी समन्वयक डेव स्नाइडर ने कहा कि ज्वालामुखी विस्फोट से पूरे महासागर बेसिन को प्रभावित होना बहुत ही असामान्य था और यह बहुत खौफनाक दृश्य था। ज्वालामुखी विस्फोट के बाद समुद्र में उठी भीषण लहरों ने न्यूजीलैंड और सांताक्रूज, कैलिफोर्निया तक नावों को नुकसान पहुंचाया, लेकिन कोई व्यापक क्षति नहीं हुई। स्नाइडर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका और अन्य जगहों पर सुनामी का खतरा कम होता जाएगा। इससे पहले जापान, हवाई, अलास्का और अमेरिका के प्रशांत तट के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने अनुमान लगाया कि 5.8 तीव्रता के भूकंप के समान विस्फोट हुआ। वैज्ञानिकों ने कहा कि भूकंप के बजाय ज्वालामुखी से उत्पन्न सुनामी अपेक्षाकृत दुर्लभ है। टोंगा की आबादी 1,05,000 की है।

तालिबान ने लड़कियों के लिए जल्द स्कूल खोलने का जताया संकल्प

काबुल(एपी)। अफगानिस्तान के नए तालिबान शासकों का कहना है कि वे मार्च के अंत में देश भर में लड़कियों के लिए सभी स्कूल खोलने की उम्मीद करते हैं। तालिबान के एक प्रवक्ता ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की एक प्रमुख मांग के संदर्भ में शनिवार को एसोसिएटेड प्रेस से पहली बार इस बारे में एक तय समयसीमा साझा की। अगस्त के मध्य में तालिबान के देश पर कब्जे के बाद से अफगानिस्तान के अधिकतर इलाकों में लड़कियों को सातवीं कक्षा के बाद स्कूल जाने की अनुमति नहीं दी गई है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय तालिबान द्वारा संचालित सरकार को औपचारिक रूप से मान्यता देने का इच्छुक नहीं दिखता और उसे डर है कि वे उसी तरह के कठोर उपाय लागू कर सकते हैं जैसे कि उनके पिछले शासन के दौरान 20 साल पहले लागू थे। उस समय महिलाओं को शिक्षा, काम और सार्वजनिक जीवन से प्रतिबंधित कर दिया गया था।

सिंगापुर में ओमीक्रोन की लहर में जल्द ही चरम पर पहुंच सकते है मामले

भाषा। सिंगापुर

सिंगापुर में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप की लहर आने वाले कुछ दिनों में काफी तेजी से चरम पर पहुंच सकती है जैसा कि पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका में देखने को मिला था। मीडिया में रविवार को आई एक खबर में कहा गया कि चरम पर पहुंचने के वक्त शहर में एक दिन में संक्रमण के करीब 15,000 मामले सामने आ सकते हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, सिंगापुर में शनिवार को ओमीक्रोन स्वरूप के 692 मामले सामने आए थे जिनमें से 541 स्थानीय रूप से फैले और 15 विदेशों से संक्रमित होकर आए। यहां हाल के हफ्तों में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं जहां संक्रमण के दैनिक मामलों में से ज्यादातर ओमीक्रोन के मामले हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स अखबार ने नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के सॉ स्वी हॉक स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के संक्रामक रोग मॉडलिंग विशेषज्ञ एसोसिएट प्रोफेसर एलेक्स कुक के हवाले से कहा, मेरा अनुमान है कि हम दक्षिण अफ्रीका की तरह एक तेज चरम देखेंगे और उसके बाद यह घटने लगेगा। उसके बाद ही संख्या स्थिर हो पाएगी जब संक्रमण के मामले काफी कम होंगे। खबर में कहा गया कि दैनिक मामलों की नई संख्या को देखते हुए, सिंगापुर में जल्द ओमीक्रोन की ऐसी लहर आएगी जिसमें हर दिन 10,000 से 15,000 मामले सामने आ सकते हैं। इसमें कहा गया कि अगली लहर कितनी तेजी से कम होगी यह सिंगापुर द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों पर निर्भर करेगा।

खबर में प्रोफेसर कुक के हवाले से कहा गया, यह हो सकता है हम कम, धीमे या धीरे-धीरे बढ़ती लहर का सामना करें और हमें उन उपायों को बरकरार रखना होगा जो वर्तमान में अमल में हैं।

यूनान में 5.4 तीव्रता का भूकंप आया, कोई हताहत नहीं

एथेंस। उत्तरी यूनान में रविवार को 5.4 तीव्रता का भूकंप आया। राजधानी एथेंस में भी भूकंप का झटका महसूस किया गया। भूकंप के कारण किसी तरह के जान-माल की हानि की सूचना नहीं है। एथेंस स्थित भूगतिकी संस्थान के मुताबिक, भूकंप स्थानीय समयानुसार अपराह्न एक बजकर 48 मिनट पर एजीयन सागर में 19.3 किलोमीटर की गहराई में आया। भूकंप का झटका इसके केंद्र के दक्षिण-पश्चिम से करीब 225 किलोमीटर दूर एथेंस में भी महसूस किया गया।

पाकिस्तान : ईशनिंदा के आरोप में गिरफ्तार अहमदी समुदाय के तीन सदस्यों को जमानत से इनकार

लाहौर। पाकिस्तान की एक अदालत ने अल्पसंख्यक अहमदी समुदाय के उन तीन सदस्यों को जमानत देने से इनकार कर दिया है, जिन्हें व्हाट्सऐप पर कथित आपत्तिजनक धार्मिक सामग्री साझा करने को लेकर ईशनिंदा के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की साइबर अपराध शाखा ने महमूद इकबाल हाशमी, शिराज अहमद और जहीर अहमद को हाल में लाहौर से गिरफ्तार किया था। उन पर पाकिस्तान दंड संहिता (पीपीसी) और इलेक्ट्रॉनिक अपराध कानून (पेका) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। एफआईए ने मोहम्मद इरफान नाम के एक व्यक्ति की शिकायत पर अहमदी समुदाय के तीनों सदस्यों के खिलाफ यह कार्वाई की थी। इरफान ने तीनों पर उसे एक ऐसे व्हाट्सऐप ग्रुप से जोड़ने का आरोप लगाया था, जिस पर ईशनिंदा करने वाली सामग्री मौजूद थी। शनिवार को आरोपियों की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान लाहौर उच्च न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने एक व्हाट्सऐप ग्रुप बनाया था, जिसके सदस्यों के बीच हुए संवाद के स्क्रीनशॉट से पता चलता है कि उसका मकसद कादियानीअहमदी विचारधारा के प्रचार-प्रसार का मंच उपलब्ध कराना था।

आत्मघाती हमले में सोमालिया सरकार के प्रवक्ता घायल

मोगादिशू। सोमालिया में रविवार को एक आत्मघाती बम हमले में सरकार के प्रवक्ता मोहम्मद इब्राहिम मोआलिमु घायल हो गए। चरमपंथी संगठन अल-शबाब ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, मोआलिमु को राजधानी मोगादिशु स्थित उनके आवास के पास खासकर उन्हें निशाना बनाकर हमला किया गया। इसमें कहा गया कि हमले में मोआलिमु घायल हो गए, लेकिन वह खतरे से बाहर हैं। माना जा रहा है कि लगभग एक साल से लंबित राष्ट्रीय चुनाव को लेकर सोमालिया में तनाव बढ़ने के कारण इस तरह के हमले बढ़ सकते हैं।

समझौता याचिका पर बातचीत कर रहे हैं नेतन्याहू

तेल अवीव। इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपने खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार के मामलों में अब समझौता याचिका पर बातचीत कर रहे हैं। इस बातचीत में शामिल एक व्यक्ति ने रविवार को यह जानकारी दी। इस व्यक्ति ने नाम नहीं उजागर करने की शर्त पर बताया कि इस हफ्ते तक यह समझौता हो सकता है। इस व्यक्ति ने यह भी बताया कि समझौते के बाद नेतन्याहू इजराइल के राजनीतिक पटल से सालों के लिए बाहर हो सकते हैं और लिकुड पार्टी में शीर्ष नेतृत्व के लिए दौड़ का रास्ता साफ हो सकता है।

ईरान में ओमीक्रोन से तीन लोगों की मौत

तेहरान। ईरान के सरकारी टीवी चैनल ने शनिवार को बताया कि कोरोना वायरस के बेहद संक्रामक नए स्वरूप ओमीक्रोन से संक्रमित होने के बाद देश में तीन लोगों की मौत हो गई। ईरान में ओमीक्रोन स्वरूप का सबसे पहले पता मध्य दिसंबर में चला था लेकिन यह पहली बार है जब इससे मौत के मामले सामने आए हैं। टीवी चैनल की खबर में, देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी मोहम्मद हाशेमी के हवाले से यह भी कहा कि ओमीक्रोन के एक अन्य मरीज की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने ज्यादा विस्तार से जानकारी नहीं दी। वैश्विक महामारी का प्रकोप शुरू होने के बाद से, कोविड-19 से ईरान में1,32,000 लोगों की जान गई है जो पश्चिम एशिया में मृत्यु दर के लिहाज से सबसे बुरी है। पिछले साल, अकेले 24 अगस्त को 709 लोगों की मौत हो गई थी।

वाशिंगटन में यूनियन स्टेशन के प्रवेश द्वार पर क्रिस्टोफर कोलंबस मेमारियल फाउंनटेन के पास दिखा दुर्लभ प्रजाति का उल्लू

ब्रिटेन में परिवार की सुरक्षा को लेकर राजकुमार हैरी ने कानूनी कार्रवाई की

भाषा। लंदन

अपनी पत्नी मेगन मर्केल तथा बच्चों के साथ अमेरिका में जा बसे ब्रिटेन के राजकुमार हैरी, ब्रिटेन के दौरे के दौरान अपने और अपने परिवार की पुलिस सुरक्षा के लिए भुगतान करने से रोकने वाले होम आफिस के फैसले पर कानूनी कार्वाई कर रहे हैं।

हैरी अब पत्नी मेगन मर्केल और बच्चों आर्ची और लिलिबेट के साथ अमेरिका में रहते हैं। ससेक्स के 37 वर्षीय ड्यूक, जो 2020 में अपने शाही कर्तव्यों से मुक्त हो गए थे, अपने देश की यात्रा के दौरान अपने परिवार की सुरक्षा के लिए स्वयं भुगतान करना चाहते हैं। वह शाही परिवार के एक वरिष्ठ सदस्य की हैसियत से मुक्त होने के बाद कथित तौर पर ऐसा नहीं चाहते कि ब्रिटिश करदाता इसका खर्च उठाएं। हैरी के कानूनी प्रतिनिधि ने एक बयान में कहा, ब्रिटेन हमेशा प्रिंस हैरी का घर रहेगा और देश चाहता है कि उनकी पत्नी और बच्चे सुरक्षित रहें। इसमें कहा गया है, पुलिस सुरक्षा की कमी के साथ एक व्यक्तिगत जोखिम बहुत बड़ा होता है।

ड्यूक एंड डचेस ऑफ ससेक्स व्यक्तिगत रूप से अपने परिवार के लिए निजी सुरक्षा के वास्ते भुगतान करना चाहते हैं। अब कैलीफोर्निया में रहने वाले हैरी पत्नी मेगन और सात महीने की बेटी और दो साल के बेटे के साथ ब्रिटेन जाने की उम्मीद कर रहे हैं। अप्रैल में अपने दादा प्रिंस फिलिप के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए और फिर जुलाई में वेल्स की राजकुमारी, अपनी दिवंगत मां डायना की याद में एक प्रतिमा का अनावरण करने के लिए, उन्होंने पिछले साल केवल अकेले यात्रा की थी। इस बीच ब्रिटेन सरकार के एक प्रवक्ता ने बीबीसी को बताया कि देश की सुरक्षा प्रणाली कठोर और संतुलित है।

चीन के शियान शहर में तीन सप्ताह के लॉकडाउन के बाद कुछ पाबंदियां हटाई गईं

बीजिंग। चीन के शियान शहर में कोरोना वायरस के स्थानीय प्रसार को रोकने के इरादे से लगाया गया तीन सप्ताह का लॉकडाउन खत्म होने के बाद पाबंदियां हटनी शुरू हो गई हैं। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकार के स्वामित्व वाले प्रसारक सीसीटीवी ने रविवार को एक खबर में शियान के अधिकारियों के संवाददाता सम्मेलन का हवाला देते हुए पाबंदियां हटाए जाने के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कुछ स्थानों पर लॉकडाउन पाबंदियां आंशिक या पूर्ण रूप से हटा ली गई हैं, जहां खतरा कम है। इसके तहत लोगों को रोजमर्रा की चीजें खरीदने के मकसद से सीमित समय के लिए घरों से बाहर निकलने की अनुमति दी गई है। शहर में स्थानीय स्तर पर कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेज वृद्धि के मद्देनजर 22 दिसंबर को कठोर लॉकडाउन लागू किया गया था। पिछले साल दिसंबर के बाद से शहर में संक्रमण के 2 हजार से अधिक मामले सामने आ चुके हैं।

असामान्य शांत और बादल वाले मौसम से वर्ष 2021 में दोबारा बढ़ा जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल

भाषा। बर्मिंघम (ब्रिटेन)

ब्रिटेन में वर्ष 2021 के दौरान पवन चक्कियों और सौर ऊर्जा संयंत्रों से बिजली उत्पादन में कमी आई। वर्ष 2016 के बाद पहली बार पवन ऊर्जा उत्पादन में गिरावट आई, जबकि सौर ऊर्जा में पहली बार कमी देखी गई है। हमारे अनुसंधान समूह ने ऊर्जा प्रणाली पर नजर रखा और मौजूदा आंकड़ों का गहन अध्ययन किया। इसने हमें कम कार्बन उत्सर्जन के लिए जीवाश्म ईंधनों से दूरी बनाने की चुनौतियों पर अनूठी अंतरदृष्टि प्रदान की।

तो हमें निराश करने वाले साल से क्या सीख लेनी चाहिए? : वर्ष 2021 में पिछले साल के मुकाबले 26 प्रतिशत पवन ऊर्जा और 30 प्रतिशत सौर ऊर्जा का उत्पादन हुआ। यह तब हुआ जब दोनों तकनीकों से रिकॉर्ड स्तर पर उत्पादन के लिए उत्पादन क्षमता को बढ़ाया गया था। हालांकि, यह अधिक क्षमता वर्ष 2021 में हवा की कम औसत गति की क्षतिपूर्ति नहीं कर सकी, जिसका अभिप्राय है कि पवन की गति 12 प्रतिशत कम रही।

वर्ष 2000 से 2020 के बीच पूरे ब्रिटेन में साल भर हवा की गति 8.8 नॉट रही, लेकिन जनवरी 2021 से नवंबर 2021 के बीच यह आंकड़ा महज 7.8 नॉट रहा (वर्ष 2010 में भी ऐसा ही साल रहा था, जब जनवरी से नवंबर के बीच हवा की औसत गति 8.0 नॉट से कम रही थी)। ब्रिटेन में खासतौर पर 2020 के मुकाबले, 2021 में अपेक्षाकृत कम चमकीली धूप वाले दिन होने की वजह से सौर ऊर्जा उत्पादन में सात प्रतिशत की गिरावट आई। गौरतलब है कि 2020 में असामान्य रूप से अधिक धूप वाले दिन रहे। वर्ष 2021 के दौरान अपेक्षाकृत कम पवन और सौर संसाधन के नुकसान को फ्रांस में समुद्र के नीचे बिछे केबल को हुई क्षति और परमाणु ऊर्जा के उत्पादन में कमी ने और बढ़ा दिया। इससे मांग को पूरा करने लिए जीवाश्म ईंधन (अधिकतर गैस) का उत्पादन बढ़ा है। इसका अभिप्राय है कि वर्ष 2012 के बाद पहली बार पिछले साल के मुकाबले कोयले से बिजली का उत्पादन अधिक हुआ है। नेट जीरो की योजना पवन और सूरज से साल-साल दर उत्पादन अलग रहा है और इसका निराकरण करने के लिए ऐसी ऊर्जा प्रणाली डिजाइन करनी होगी ताकि उत्सर्जन नेट जीरो हो। आखिरकार ए मौसम आधारित नवीकरणीय ऊर्जा भविष्य की बिजली उत्पादन क्षमता का बड़ा हिस्सा है और इनकी मांग सर्दियों में गर्मी के लिए बिजली के इस्तेमाल और परिवहन की वजह से बढ़ेगी। प्रणाली को उत्पादन में आने वाले अंतर को संज्ञान में लेना होगा और महीनों तथा सालों के लिए अतिरिक्त ऊर्जा के उत्पादन और भंडारण की व्यवस्था करनी होगी, खासतौर पर तब के लिए जब पवन और सौर संसाधन कहीं कम हो।

माइक्रोसॉफ्ट ने किया यूक्रेन सरकार के नेटवर्क पर मालवेयर हमले का खुलासा

बोस्टन। माइक्रोसॉफ्ट ने शनिवार को बताया कि यूक्रेन सरकार की कई एजेंसियों के दर्जनों कम्प्यूटर खतरनाक मालवेयर से प्रभावित हुए हैं। बहरहाल, इससे हुए नुकसान के बारे में अभी पता नहीं चला है। यूक्रेन पर रूस के हमला करने के खतरे के बीच यह कम्प्यूटर वायरस हमला हुआ है। माइक्रोसॉफ्ट ने एक छोटे ब्लॉग पोस्ट में बताया कि पहली बार बृहस्पतिवार को मालवेयर हमले का पता चला। यह हमला उसी वक्त हुआ जब 70 सरकारी वेबसाइट अस्थाई रूप से एक साथ ऑफलाइन हो गईं। इससे पहले रायटर ने यूक्रेन के एक शीर्ष सुरक्षा अधिकारी के हवाले से बताया कि वेबसाइट का ऑफलाइन होना वास्तव में मालवेयर हमले के लिए कवर मुहैया कराना था। निजी क्षेत्र के एक शीर्ष साइबर सुरक्षा कर्मी ने कीव में द एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि किस तरह से यह हमला किया गया।

तारों के बीच भटकते हुए ग्रह अपने आप कैसे खत्म हो जाते हैं?

भाषा। मिल्टन केनेस (ब्रिटेन)

हम सौर मंडल के बाहर लगभग 5,000 ग्रहों के बारे में जानते हैं। अगर आप कल्पना करते हैं कि दूर की इस दुनिया या एक्सोप्लैनेट (सौर मंडल के बाहर के ग्रह) का वजूद कैसा होगा तो आपके दिमाग में किसी मूल तारे या एक से अधिक तारों की छवि उभरेगी, विशेष रूप से यदि आप स्टार वार्स फिल्मों के प्रशंसक हैं।

वैज्ञानिकों ने हाल में पता लगाया है कि जितना हमने सोचा था उससे कहीं अधिक ग्रह अपने आप अंतरिक्ष में भटक रहे हैं। ए बर्फीले फ्री-फ्लोटिंग प्लैनेट अथवा एफएफपी हैं। लेकिन वे अपने आप कैसे समाप्त हो जाते हैं और ऐसे ग्रह कैसे बनते हैं? इसके बारे में हमें वे बता सकते हैं।

अध्ययन करने के लिए अधिक से अधिक एक्सोप्लैनेट खोजने से जैसा कि हमने उम्मीद की होगी, हमारी समझ को व्यापक किया है कि ग्रह क्या है। विशेष रूप से ग्रहों और ब्राउन ड्वार्फ्स के बीच की रेखा तेजी से धुंधली होती गई है। ब्राउन

ड्वार्फ्स ऐसे ठंडे तारे होते हैं जो अन्य तारों की तरह हाइड्रोजन को फ्यूज नहीं कर सकते। क्या तय करता है कि कोई वस्तु एक ग्रह है या ब्राउन ड्वार्फ्स, यह लंबे समय से बहस का विषय रहा है। क्या यह द्रव्यमान का सवाल है? यदि वे परमाणु संलयन से गुजर रहे हैं तो क्या वस्तुएं ग्रह नहीं रह जाती हैं? अथवा, जिस तरह से वस्तु का गठन हुआ वह सबसे महत्वपूर्ण है?

लगभग आधे तारे और ब्राउन ड्वार्फ्स अलग-थलग रहते हैं, बाकी कई तारा सौर मंडल में मौजूद हैं। हम आमतौर पर ग्रहों को एक तारे के चारों ओर कक्षा में अधीनस्थ वस्तुओं के रूप में सोचते हैं। दूरबीन तकनीक में सुधार ने हमें अंतरिक्ष में छोटी और अलगाव में रह रही वस्तुओं को देखने में सक्षम बनाया है, जिसमें एफएफपी भी शामिल है। ए एफएफपी ऐसी वस्तुएं हैं जिनका द्रव्यमान या तापमान बहुत कम होता है जिन्हें ब्राउन ड्वार्फ माना जाता है। हम अभी भी यह नहीं जानते हैं कि वास्तव में ए वस्तुएं कैसे बनीं। तारे और ब्राउन ड्वार्फ तब बनते हैं जब अंतरिक्ष में धूल और गैस का एक क्षेत्र अपने आप गिरने लगता है। यह क्षेत्र सघन हो जाता है, इसलिए गुरुत्वाकर्षण की एक प्रक्रिया में अधिक से अधिक सामग्री उस पर गिरती रहती है। आखिर गैस का यह गोला परमाणु संलयन शुरू करने के लिए गर्म होता जाता है। एफएफपी एक ही तरह से बन सकते हैं, लेकिन फ्यूजन शुरू करने जितना आकार बड़ा नहीं होता है। यह भी संभव है कि ऐसा ग्रह किसी तारे के चारों ओर कक्षा में जीवन शुरू कर सकता है, लेकिन किसी बिंदु पर अंतरताराकीय स्थान से बाहर हो जाता है।

तारों के बीच भटकते ग्रह को कैसे पहचानें?

इस तरह के ग्रहों का पता लगाना मुश्किल होता है क्योंकि वे अपेक्षाकृत छोटे और ठंडे होते हैं। आंतरिक ऊष्मा का उनका एकमात्र स्रोत नष्ट होने की प्रक्रिया से बची शेष ऊर्जा है जिसके परिणामस्वरूप उनका निर्माण हुआ। ग्रह जितना छोटा होगा, उतनी ही तेजी से ऊष्मा विकिरित होगी। अंतरिक्ष में ठंडी वस्तुएं कम प्रकाश उत्सर्जित करती है और वे जो प्रकाश उत्सर्जित करती है वह लाल रंग का होता है। एफएफपी को सीधे देखने के लिए सबसे अच्छी रणनीति शुरुआती अवस्था में उनका पता लगाना है क्योंकि इस दौरान सबसे ज्यादा चमक रहती है। हाल के अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इसी तरीके से भटकने वाले ग्रहों का पता लगाया है। इन भटकते ग्रहों को पूरी तरह से समझने के लिए हमें अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है। दूरबीन की नई तकनीक उपलब्ध होने के साथ ही ग्रहों को और अधिक विस्तृत जांच के लिए फिर से देखा जा सकता है। इससे ऐसे ग्रहों की उत्पत्ति के बारे में अधिक जानकारी मिल सकती है।

बदलें अपना प्रक्षेप-मार्ग

करुण कंडोई का कहना है कि यदि आप अपनी माध्यमिक शिक्षा के अगले चार वर्षों की योजना बनाना शुरू कर रहे हैं, तो अंतरराष्ट्रीय शिक्षा उद्योग में विशेषज्ञ से परामर्श करना उचित है

विदेश में अध्ययन एक रोमांचक उद्यम है जो कई दरवाजे खोलता है और व्यक्ति को महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जानकारी प्राप्त करने की अनुमति देता है। यह समग्र शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। क्या आप विदेश में अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त करने की योजना बना रहे हैं? अगर हां, तो कनाडा आपकी पहली पसंद होना चाहिए। यह देश भारतीय छात्रों के बीच इतना लोकप्रिय है कि 2019 में, भारतीय छात्रों ने यहां से जारी किए गए सभी अध्ययन परमिटों का एक तिहाई से अधिक हिस्सा प्राप्त किया, जो 2020 में, आप्रवासन, शरणार्थियों और कनाडा नागरिकता के अनुसार, संख्या बढ़कर लगभग पचास फीसदी हो गई।

कनाडा में भारतीय छात्रों के लिए कुछ सबसे लोकप्रिय पाठ्यक्रम यहां उल्लिखित हैं।

विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित : एसटीईएम, किसी भी कार्यक्षेत्र में, दुनिया की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कनाडाई कॉलेज विभिन्न एसटीईएम विषयों में अनेक कार्यक्रम पेश करते हैं। गणित या कंप्यूटर विज्ञान जैसे एसटीईएम कार्यक्रम भारतीय छात्रों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। आईआरसीसी के अनुसार, विशेष रूप से आईटी व कंप्यूटिंग अध्ययन के लिए, भारतीय छात्रों ने 2019 और 2020 में जारी किए गए सभी नए कनाडाई अध्ययन परमिटों का 67.4 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त किया।

कनाडा से इंजीनियरिंग की डिग्री को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दृढ़ता से माना जाता है और इसमें उच्च रोजगार योग्यता कारक होता है। इन विषयों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों द्वारा व्यावहारिक अभ्यासों के साथ पढ़ाया जाता है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि कनाडा में विश्वविद्यालय विश्व स्तर पर सर्वश्रेष्ठ हैं और एक्क्रेडिटेशन बोर्ड ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एबीईटी) द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। कनाडाई संस्थान कम लागत वाली उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं और अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए अपार सार्वजनिक और निजी छात्रवृत्तियां प्रदान करते हैं। कुछ पाठ्यक्रम, जिन्हें छात्र अपना सकते हैं, वे हैं सॉफ्टवेयर या कंप्यूटर इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और केमिकल इंजीनियरिंग।

व्यापार और वित्त : जब एक सफल व्यवसाय नेता और उद्यमी बनने की बात आती है, तो यह उचित कौशल, नवाचार, साथ ही साथ एक मजबूत निष्पादन रणनीति की मांग करता है। सही बिजनेस स्कूल में खुद को नामांकित करना, वास्तव में, दीर्घकालिक कैरियर की सफलता के लिए आधारभूत है।

> नियोक्ता उत्तरोत्तर ऐसे पेशेवरों की तलाश कर रहे हैं जिनके पास सांस्कृतिक रूप से विविध क्षमताएं व अत्याधुनिक कौशल हैं। वास्तव में, विदेश में अध्ययन करना एक जीवन बदलने वाला अनुभव हो सकता है और यह आपके करियर पथ को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने वाला साबित हुआ है।

यह व्यक्ति के उद्यमशीलता कौशल को विकसित करने में मदद करेगा और उन्हें अपने प्रक्षेपणकारी विचारों का परीक्षण करने में सक्षम बनाएगा। जहां तक अंतरराष्ट्रीय आवेदकों का संबंध है, व्यवसाय प्रबंधन और वित्त पाठ्यक्रम बहुत लोकप्रिय हैं। एमबीए इस विशेष क्षेत्र में सबसे अधिक मांग वाले कार्यक्रमों में से एक है। आखिरकार, प्रबंधन परामर्श, वित्त और बैंकिंग की रेखा कभी भी पुरानी नहीं पड़ती है। भारत में स्थित अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की भी इस क्षेत्र में बहुत रुचि है।

वर्ष 2017 और 2019 के बीच, भारतीय छात्रों को व्यवसाय, विपणन और प्रबंधन कार्यक्रमों के लिए जारी किए गए कनाडाई अध्ययन परमिट की संख्या में, आईआरसीसी के अनुसार 256 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

स्वास्थ्य और चिकित्सा: महामारी ने दुनिया भर में कहर बरपाया है, और हर देश में स्वास्थ्य कर्मियों की आवश्यकता और मांग तेजी से बढ़ रही है। कनाडा के स्वास्थ्य सेवा व सामाजिक सहायता उद्योग में नौकरी की रिक्तियां जून 2021 में लगभग 1.1 लाख तक पहुंच गईं। इन क्षेत्रों में नए लोगों को आकर्षित करना कनाडा के दीर्घकालिक विकास के लिए महत्वपूर्ण होगा। कनाडा के उच्च स्तरीय चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम के कारण, कई अंतरराष्ट्रीय छात्र कनाडा को अपने अध्ययन गंतव्यों में से एक के रूप में पसंद करते हैं। हेल्थकेयर वर्टिकल्स जैसी निवारक दवाएं , मानव मनोविज्ञान और रोग- प्रबंधन उच्च मांग में हैं क्योंकि वे महामारी और आपदाओं के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा को बढ़ाने में मदद करते हैं।

नियोक्ता उत्तरोत्तर ऐसे पेशेवरों की तलाश कर रहे हैं जिनके पास सांस्कृतिक रूप से विविध क्षमताएं व अत्याधुनिक कौशल हैं। वास्तव में, विदेश में अध्ययन करना एक जीवन बदलने वाला अनुभव हो सकता है और यह आपके करियर पथ को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने वाला साबित हुआ है। यदि आप अपनी माध्यमिक शिक्षा के अगले चार वर्षों की योजना बनाना शुरू कर रहे हैं, तो अंतरराष्ट्रीय शिक्षा उद्योग के विशेषज्ञ से परामर्श करना या पूर्व-छात्र से उसके अनुभव के बारे में जानने हेतु बात करना उचित है।

- लेखक एप्लाई बोर्ड, भारत संचालन के प्रमुख हैं।

विकसित और विस्तारित हुआ है रोबोटिक्स

डॉ. अभिलाषा गौड़ का कहना है कि प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, रोबोटिक इंजीनियरिंग का दायरा कई गुना बढ़ गया है, जो आकर्षक विकल्पों की पेशकश करता है

रोबोटिक्स रोबोट के डिजाइन, निर्माण और संचालन से संबंधित इंजीनियरिंग अनुशासन है। रोबोट मूल रूप से नीरस कार्यों को संभालने के लिए बनाए गए थे, लेकिन तब से वे आग से लड़ने, घरों की सफाई करने और अविश्वसनीय रूप से जटिल सर्जरी में सहायता करने जैसे कार्यों को करने के अपने प्रारंभिक उपयोगों से काफी आगे बढ़ गए हैं। प्रत्येक रोबोट में स्वायत्तता का एक अलग स्तर होता है, जिसमें मानव-नियंत्रित बॉट से लेकर ऐसे कार्य होते हैं जिन पर मानव का पूर्ण-स्वायत्त बॉट पर पूर्ण नियंत्रण होता है।

जैसे-जैसे तकनीक आगे बढ़ती है, वैसे-वैसे रोबोटिक्स का दायरा भी बढ़ता जाता है। इन रोबोटों में मुख्य रूप से यांत्रिक हाथ होते हैं जिन्हें कार के कुछ हिस्सों पर वेल्डिंग या पेंच लगाने का काम सौंपा जाता है। आज, हम रोबोटिक्स की एक विकसित और विस्तारित परिभाषा देख रहे हैं जिसमें बॉट्स का विकास, निर्माण और उपयोग शामिल है जो सबसे कठिन परिस्थितियों का पता लगाते हैं, रोबोट जो कानून-प्रवर्तन में सहायता करते हैं, यहां तक कि रोबोट स्वास्थ्य सेवा के लगभग हर पहलू में सहायता करते हैं।

एआई और रोबोट एक शक्तिशाली संयोजन हैं। कुछ एप्लिकेशन जहां टीओ अधिक अनुकूलन ला सकता है वे हैं :

कृषि और खेती : खाद्य आपूर्ति श्रृंखला संकट का सामना कर रही है, सदियों से पर्यावरण के दुरुपयोग, अति-कृषि, श्रमिकों की कमी और जनसंख्या वृद्धि के सौजन्य से, यह हमारी सबसे बुनियादी जरूरतों के लिए खतरा है। माना जाता है कि एआई और ऑटोमेशन पुराने कृषि कार्यबल के प्रभाव से राहत प्रदान करते हैं। स्वायत्त ड्रोन, सेल्फ-ड्राइविंग कृषि मशीनों आदि के विकल्प के साथ, किसान स्थायी फसल बनाने पर अधिक ध्यान केंद्रित करने और फसल की निगरानी जैसे उपाय तलाशने में कम समय व्यतीत कर सकते हैं।

आटोमेशन उड़ान: स्वायत्त उड़ान बाधाओं से बचते हुए और सीधी राह में चलते हुए हवा में मंडराने के लिए कंप्यूटर विजन तकनीक का उपयोग करती है। कृत्रिम मेधा के आने से ये उड़ने वाली मशीनें स्मार्ट होती जा रही हैं। हवाई दृश्य निगरानी से लेकर सुरक्षा निगरानी, वीडियो रिकॉर्डिंग, बचाव मिशन, और बहुत कुछ अन्य, ड्रोन और मानव रहित हवाई वाहन क्रांति कर रहे हैं और कई रोजगार भूमिकाओं को बदल रहे हैं। स्वायत्त उड़ान में कंप्यूटर विजन के अनुप्रयोग में बाधा का पता लगाना, टक्कर से बचाव, स्व-नेविगेशन और ऑब्जेक्ट ट्रैकिंग शामिल हैं।

विनिर्माण और उत्पादन : रोबोटिक्स और एआई के कार्यान्वयन से विनिर्माण और उत्पादन उद्योग का विकास देखा जाता है। विनिर्माण उद्योग में एआई की शुरूआत का प्राथमिक कारण कार्यबल की कमी को पूरा करना, संपूर्ण उत्पादन प्रक्रिया को सरल बनाना और दक्षता में सुधार करना है। पहले, कार्य प्रणाली को प्रबंधित करने के लिए पूरी टीम का प्रयास करना पड़ता था। अब जब से बॉट्स ने कार्यभार संभाला है, इसने निर्माताओं को उत्पादन गति बढ़ाने में मदद की है।

डॉ. अभिलाषा गौड़
सीओओ, इलेक्ट्रानिक सेक्टर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया

एआई उत्पाद के निर्णय तुरंत और स्मार्ट बनाकर उद्योग की मदद कर रहा है। यह अनुकूलित उत्पादों का युग है, और एआई निर्माताओं को उपयोगी ग्राहक डेटा एकत्रित करने में मदद कर रहा है, जिसका उपयोग उत्पाद-आधारित निर्णय लेने के लिए किया जाता है। साथ ही, इसने कंपनियों को उत्पादन की कुल लागत को कम करने में मदद की है। एआई और रोबोटिक्स मैन्युफैक्चरिंग का भविष्य है।

खेल विश्लेषण और गतिविधियां: खेल उद्योग खेलों को अधिक रोमांचक और निष्पक्ष बनाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोट को अपना रहा है। एआई खिलाड़ियों को उनकी फिटनेस में सुधार करने में मदद कर रहा है और टीमों को नई प्रतिभाओं को खोजने में मदद कर रहा है। कुछ खेलों में, रोबोट रेफरी पहले से ही एक चीज हैं, जबकि स्मार्ट मशीनें दर्शकों को स्टेडियम में अपनी सीट खोजने में सहायता कर रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी क्लबों और टीमों को पिछले डेटा के आधार पर रणनीति बनाने में मदद कर रहा है।

पुराने जमाने के तरीकों को भुलाने का समय

शालिनी जॉन का कहना है कि महामारी ने एक हाइब्रिड शैक्षिक प्रतिमान का मार्ग प्रशस्त किया है जो डिजिटल और पारंपरिक शिक्षण और अध्यापन तरीकों को परस्पर जोड़ता है

दुनिया भर में छात्रों के महामारी से प्रभावित होने से, भारत की शिक्षा प्रणाली ने मूल्यांकन किया कि शिक्षकों, छात्रों व अभिभावकों ने कैसे शिक्षा प्रदान करने के नए साधनों पर प्रतिक्रिया दी और भविष्य में शैक्षिक प्रणाली को विकसित करने के लिए डिजिटल शिक्षण उपकरण और संसाधनों का अभ्यास करना जारी रखेंगे।

प्रासंगिक बने रहने के लिए, शिक्षण संस्थान शिक्षण विधियों, तकनीकों व पाठ्यक्रम में प्रौद्योगिकी का आधुनिकीकरण और कार्यान्वयन कर रहे हैं। महामारी ने एक मिश्रित शैक्षिक प्रतिमान के लिए रास्ता साफ कर दिया है जो डिजिटल और पारंपरिक पढ़ने व पढ़ाने के तरीकों को परस्पर जोड़ता है। शिक्षा उद्योग में तकनीकी प्रगति के परिणामस्वरूप अभिनव शिक्षण समाधान और रुझान विकसित किए गए हैं और विकसित होते रहेंगे।

कथन और दृश्यों की शक्ति के पूर्वाभास करने की शिक्षा-प्रवृत्तियां

एकाग्रता शैली में बदलाव आया है और इसका एक बड़ा प्रभाव पड़ा है कि कैसे प्रशिक्षक अपने व्याख्यान को बदलते हैं और छात्रों को यह जानने के लिए उत्सुक रखते हैं कि वे क्या सीख रहे हैं। शिक्षकों को अपने छात्रों को संलिप्त करने वाली कक्षाओं को विकसित करने हेतु नई रणनीतियों को और बढ़ाना व जोड़ना चाहिए। शिक्षकों को एक अच्छी कथा और दृश्य तैयार करना चाहिए क्योंकि जब छात्रों के पास अत्यधिक दृश्य और रोचक सामग्री होती है, तो उनमें ध्यान देने की प्रबल क्षमता होती है। छात्रों का ध्यान आकर्षित करने के लिए स्कूलों को प्रासंगिक दृष्टांतों व आकर्षक बातचीत के साथ ज्ञान देना जारी रखना चाहिए।

वैयक्तिकृत शिक्षा

हाल के वर्षों में, व्यक्तिगत शिक्षा तेजी से लोकप्रिय हो गई है। यह धारणा, कि प्रत्येक छात्र अलग तरह से सीखने का अनुभव करता है और प्रतिक्रिया करता है, इस पर गहन विचार किया जा रहा है। स्वस्थ छात्र-शिक्षक संबंध स्थापित करने के लिए, व्यक्तिगत शिक्षण छात्र सहयोग और गतिशील कोचिंग को प्राथमिकता देता है।

यह प्रत्येक छात्र की क्षमता और कमजोरियों के साथ-साथ उनकी जरूरतों, प्रतिभाओं और रुचियों के लिए शिक्षण को तैयार करना चाहता है। यह छात्रों की उन्नति को प्रोत्साहित करता है ताकि प्रत्येक छात्र अपनी गति से प्रगति कर सके। निजीकृत पठन-पाठन प्रणालियां, जो प्रौद्योगिकी और रचनात्मक निर्देशात्मक डिजाइनों का उपयोग करती हैं, तीव्र गति से आगे बढ़ती रहेंगी।

एआई के माध्यम से मूल्यांकन

मूल्यांकन उपकरण किसी छात्र के विषय संबंधी सैद्धांतिक ज्ञान के बजाय उस विषय के व्यावहारिक ज्ञान का मूल्यांकन करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। एआई-संचालित ऑनलाइन परीक्षण प्रणाली का उपयोग करने वाले छात्रों को व्यक्तिगत प्रतिक्रिया प्राप्त होती है। प्रत्येक मसले/विषय के लिए, एआई-आधारित सिस्टम छात्रों व समूह के प्रदर्शन में महत्वपूर्ण डेटा प्रदान करते हैं। परीक्षणों के पारंपरिक मैनुअल मूल्यांकन के दौरान पूर्वाग्रह-भटकावों का जोखिम होता है। शिक्षार्थी का आकलन करने के लिए ऑनलाइन संसाधनों व प्रक्रियाओं का उपयोग मैनुअल मूल्यांकन के साथ जुड़े पूर्वाग्रहों को समाप्त कर देगा।

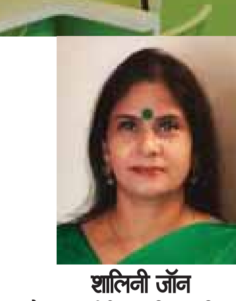

शालिनी जॉन
हेड-आईबी, आदित्य बिरला वर्ल्ड अकादमी

> हाइब्रिड लर्निंग प्रत्यक्ष क्लासरूम प्रैक्टिस और डिजिटल लर्निंग का एक शक्तिशाली मिश्रण है। प्रौद्योगिकी और स्वचालन के कारण, स्कूल छात्रों को बेहतर बनाने के लिए हाइब्रिड लर्निंग का लाभ उठा रहे हैं।

शिक्षा में इंटरनेट से सामग्री

इंटरनेट ऑफ थिंग्स ने शिक्षकों व स्कूल प्रशासकों को दैनिक स्कूल गतिविधियों के लिए बेहतर समन्वित संरचना बनाने हेतु मदद करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। माता-पिता और छात्र दोनों इंटरनेट की मदद से अपने बच्चों के विकास को रीयल-टाइम में ट्रैक कर सकते हैं। स्कूल के डैशबोर्ड के जरिए, वे आसानी से लंबित असाइनमेंट की स्थिति की जांच कर सकते हैं। इसके अलावा, शिक्षक अपने स्वयं के मतदान का निर्माण कर सकते हैं ताकि छात्र प्रत्येक व्याख्यान के अंत में अपने शिक्षण कौशल व तकनीकों का मूल्यांकन कर सकें। शिक्षक यह देखने में सक्षम होते हैं कि छात्रों ने किन क्षेत्रों में संघर्ष किया और इसके परिणामस्वरूप वे अपने शिक्षण दृष्टिकोण को बढ़ाने के लिए क्या कर सकते हैं।

व्यवहारिक योग्यताएं

कार्यस्थल में कुछ सबसे महत्वपूर्ण कौशल में जन-प्रबंधन, समस्या-समाधान, महत्वपूर्ण चिंतन और रचनात्मकता शामिल हैं। नियोक्ता उन पेशेवरों की तलाश कर रहे होते हैं जो कठिन निर्णय ले सकते हैं और नेतृत्व क्षमता रखते हैं। स्कूल एक ऐसी संस्था है जहां बच्चों को उनके जीवन का पहला पाठ पढ़ाया जाता है। वे बाधाओं को स्वीकार करना, बाधाओं से निपटना और असफलताओं से निपटना सीखते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि छात्र केवल शिक्षाविदों से अधिक समझें। बच्चों को उनके भविष्य के लिए तैयार करने के लिए इन व्यवहारिक कौशल क्षेत्र में छात्रों को बढ़ावा देने और विकसित करने में मदद करने हेतु स्कूलों में प्रशिक्षण होना चाहिए। हालांकि, ऑनलाइन शिक्षण की दिशा में समवर्ती कदम कई शिक्षकों के लिए एक दुविधा है। इन शिक्षकों को सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट के लिए आमने-सामने सहयोग करने में छात्रों का समर्थन करने के साथ-साथ अपनी कक्षा में स्क्रीन टाइम को संतुलित करने के लिए रणनीति खोजनी होगी।

हाइब्रिड शिक्षण

हाइब्रिड लर्निंग प्रत्यक्ष क्लासरूम प्रैक्टिस और डिजिटल लर्निंग का एक शक्तिशाली मिश्रण है। प्रौद्योगिकी और स्वचालन के कारण, स्कूल छात्रों को बेहतर बनाने के लिए हाइब्रिड लर्निंग का लाभ उठा रहे हैं। इसके कारण, छात्र खुद को बेहतर बनाने व प्रासंगिक बने रहने के लिए हाइब्रिड लर्निंग सिस्टम द्वारा प्रस्तुत लचीलेपन का लाभ उठा सकते हैं। वर्तमान परिदृश्य में व्यावहारिक शिक्षण और अध्यापन के लिए हाइब्रिड एक प्रासंगिक उपकरण के रूप में विकसित हुआ है। नतीजतन, गतिशील समकालिक और अतुल्यकालिक मिश्रित शिक्षण दृष्टिकोणों के साथ-साथ हाइब्रिड स्कूल अवधारणाएं विकसित होती रहेंगी और उनका अभ्यास किया जाएगा।

बच्चों के लिए आकर्षक सामग्री तैयार करें

भारत में 25 करोड़ स्कूल जाने वाले बच्चे हैं, और माध्यमिक स्कूल के एक चौथाई छात्र ट्यूशन कक्षाओं में जाते हैं। इसके बावजूद गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच एक गंभीर समस्या बनी हुई है। असंख्य रिपोर्टों ने उस विशाल उपलब्धि और अवसर-अंतराल को उजागर किया है जो सिस्टम को पीड़ित करता है, कुछ ऐसा ही कहना विश्व बैंक का है कि 54 प्रतिशत भारतीय छात्र शिक्षण -गरीबी से पीड़ित हैं। हम स्थिति को कैसे सुधार सकते हैं? हालांकि शिक्षण गरीबी के कई कारण हैं, मगर एक ऐसे समाधान की तत्काल आवश्यकता है जो मापनयोग्य, व वहनीय हो और प्रत्येक बच्चे को उसकी ग्रेड-विशिष्ट दक्षताओं को प्राप्त करने में मदद करे। एक तरीका है -एक समन्वित व एकीकृत इन-स्कूल और आफ्टर-स्कूल इकोसिस्टम, जिसे प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करके मापनयोग्य बनाया गया है। स्कूली शिक्षा की अपर्याप्तता को स्वीकार करते हुए, माता-पिता अपनी आशा ट्यूटर्स और कोचिंग कक्षाओं पर लगाते हैं। ट्यूशन कक्षाओं के लिए मौजूदा ऐप, बड़े पैमाने पर निजी उद्यमों द्वारा संचालित, अक्सर उद्देश्यपूर्ण ढंग से स्कूल प्रणाली से डिस्कनेक्ट हो जाते हैं, जिससे वे अलगाव में अपर्याप्त हो जाते हैं। शिक्षण की निरंतरता बनाने के लिए इन दो साइटों के बीच एक संबंध होना चाहिए। कक्षा में आदान-प्रदान की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए, इन-स्कूल शिक्षण तरीकों को पुन: परिभाषित करने की आवश्यकता है, और स्कूल उपरांत शिक्षण को व्यक्तिगत और पाठ्यक्रम-संरेखित दृष्टिकोण के जरिए स्कूल में सीखने के पूरक हेतु विकसित करने की आवश्यकता है। उन्हें शिक्षण लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए किसी भी समय और कहीं भी, आवश्यक मार्गदर्शन के साथ-साथ स्व-शिक्षण के लिए उपलब्ध क्यूरेटेड मल्टी-सेंसरी लर्निंग कंटेंट के साथ मिलकर कार्य करना चाहिए। ये तत्व मिलकर स्कूल में और स्कूल उपरांत शिक्षण के बीच की कड़ी को मजबूत करने में मदद कर सकते हैं। सबसे पहले, शिक्षा के मात्र ट्रांसमीटर के रूप में शिक्षक की भूमिका पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। वह न केवल पाठ्यपुस्तक की आवाज हैं, बल्कि एक परिवर्तन एजेंट, सूत्रधार और नेता भी हैं। आज, इंटरनेट की मेहरबानी से, संसाधनों का खजाना उपलब्ध है जो बच्चों के शिक्षण-अनुभव को कहीं भी बढ़ा सकता है। यदि कक्षाएं 'स्मार्ट' बन जाती हैं, तो शिक्षक विशेषज्ञों द्वारा बनाए गए वैश्विक संसाधनों तक पहुंच हासिल कर सकते हैं और शिक्षाशास्त्र के आधुनिक उपकरणों का उपयोग करके संपूर्ण पाठों को आमूलचूल बदल सकते हैं, जबकि, अधिकांश भारतीय छात्र, विशेष रूप से ग्रामीण शहरों में, सिर्फ कल्पना ही कर सकते हैं। फिर भी, एक निर्धारण कारक है डिजिटल शिक्षाशास्त्र में मजबूत प्रशिक्षण। एक तकनीक-प्रेमी और डिजिटल रूप से साक्षर शिक्षक, सामग्री की अच्छी समझ हेतु, छात्रों को अपनी गति से स्कूल के घंटों से आगे अपनी शिक्षण-यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए उपकरणों से लैस करके एक संरक्षक और मार्गदर्शक का कार्य कर सकता है।

जमीनी हकीकत यह है कि स्कूल के बाद की शिक्षा, जो अपनी रणनीति और समयसीमा का अनुपालन करती है, की स्कूल में शिक्षण से बहुत कम समानता है। यह बच्चों को भ्रमित करती है, जो अंतत: उदासीन हो जाते हैं और शिक्षण के दोनों वातावरणों में अपने लक्ष्यों से पीछे छूट जाते हैं। इसलिए, दूसरे चरण के लिए ग्रेड-विशिष्ट दक्षताओं में सटीक रूप से सुधार करने के लिए, शिक्षार्थी की वर्तमान स्थिति बनाम वांछित लक्ष्यों के मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। यह प्रौद्योगिकी का उपयोग करके किया जा सकता है, और तदनुसार, तैयार की गई सामग्री का उपयोग किसी भी कमी को भरने के लिए किया जा सकता है, और आगे सलाह और मार्गदर्शन के रूप में समर्थन द्वारा घेराबंद जा सकता है। वैयक्तीकृत और अनुकूलनीय शिक्षण के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म की मदद से, छात्र अपनी जरूरतों के मुताबिक एक अनूठा रास्ता और अनुभव प्राप्त कर सकते हैं, जिससे कि वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। स्कूल के घंटों के बाद, छात्रों को तीन तरह से निरंतरता की आवश्यकता होती है: सामग्री तक पहुंचने में, अतिरिक्त अनुकूलित सामग्री की खुराक प्राप्त करने में, और मार्गदर्शन में, चाहे वह भौतिक हो या आभासी। यह एक फीडबैक लूप तैयार करेगा जो शिक्षक को अपने शिक्षण को पुन: क्षमतावान बनाने के लिए छात्र-विशिष्ट जानकारी देता है। हालांकि, बाजार में अधिकांश व्यक्तिगत शिक्षण समाधान- आर्थिक अनुक्रमानुसार- मध्य और निचले स्तर के लोगों के लिए बहुत महंगे हैं। हालांकि अनुकूलन योग्य शिक्षा में लचीलेपन को अपनाकर शिक्षा में क्रांति लाने की क्षमता है, लेकिन अगर यह महत्वाकांक्षी गरीबों तक नहीं पहुंचती तो भारतीय शिक्षा में असमानताएं और बढ़ सकती हैं। तीसरा, बच्चों के लिए रोमांचक, डिजीटल और क्यूरेटेड सामग्री बनाना महत्वपूर्ण है जो कभी भी और कहीं भी पहुंच योग्य हो। मल्टीमीडिया और बहुसंवेदी सामग्री लगाव बढ़ाने, छात्रों की रुचि को बढ़ाने और पाठ्यपुस्तक के पूरक के रूप में सिद्ध होती है। वीडियो-आधारित सामग्री, आभासी प्रयोग, गेमीफाइड सामग्री आदि, स्वचालित रूप से जुड़ाव और एकाग्रता को बढ़ावा देंगे। विभेदित और डिजीटल सामग्री के भंडार को स्कूल-पाठ्यक्रम के साथ जोड़ा जाना चाहिए और शिक्षण का लूप बनाने के लिए कक्षाओं के अंदर और बाहर दोनों जगह छात्रों के लिए आसानी से उपलब्ध होना चाहिए।

लेखक अरिंदम घोष स्कूलनेट इंडिया लिमिटेड और देविका राय चंद्र, रिसर्च एसोसिएट, स्कूलनेट के उपाध्यक्ष और रणनीति प्रमुख हैं।

कोहली बेहतरीन कप्तानों में से एक : गांगुली

●विराट के फैसले का सम्मानः बीसीसीआई

भाषा। नई दिल्ली

विराट कोहली के कप्तान पद से हटने के एक दिन बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन्हें सबसे बेहतरीन कप्तानों में से एक करार देते हुए रविवार को कहा कि यह उनका व्यक्तिगत फैसला है जिसका क्रिकेट संस्था सम्मान करती है। कोहली ने शनिवार को भारत के सबसे सफल कप्तान के रूप में सात साल के अपने कप्तानी करियर का अंत कर दिया था। इससे एक दिन पहले भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका से श्रृंखला में 1–2 से हार का सामना करना पड़ा था।

कोहली के नेतृत्व में भारत ने 68 टेस्ट मैच खेले जिनमें से 40 में उसे जीत मिली। उनकी अगुवाई में टीम ने इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया में यादगार जीत दर्ज की। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने एक बयान में कहा कि विराट का भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान के रूप में अपार योगदान के लिए मैं व्यक्तिगत रूप से उनका आभार व्यक्त करता हूं। उनकी अगुवाई में भारतीय क्रिकेट टीम ने खेल के सभी प्रारूपों में तेजी से प्रगति की। उनका निर्णय व्यक्तिगत है और बीसीसीआई इसका पूरा सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि वह इस टीम के बहुत ही महत्वपूर्ण सदस्य बने रहेंगे और एक नए कप्तान की अगुवाई में खेलते हुए बल्लेबाजी में अपने योगदान से टीम को नई उंचाइयों पर ले जाएंगे। हर अच्छी चीज का अंत होता है और इसका अंत सुखद रहा।

बीसीसीआई के साथ कोहली के तनावपूर्ण संबंधों ने हाल ही में तब सुर्खियां बटोरी जब स्टार बल्लेबाज ने टी–20 कप्तानी छोड़ दी और बाद में उन्हें एकदिवसीय कप्तान के पद से बर्खास्त कर दिया गया था। गांगुली ने कहा था कि उन्होंने कोहली से टी20 टीम की कप्तानी नहीं छोड़ने का अनुरोध किया था, जिसका कोहली ने खंडन किया था।

कोहली भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान हैं। उनके बाद महेंद्र सिंह धोनी (27 जीत) और गांगुली (21 जीत) का नंबर आता है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि विराट कोहली भारतीय क्रिकेट टीम के बेहतरीन कप्तानों में से एक रहे हैं। एक कप्तान के रूप में उनका रिकॉर्ड और योगदान किसी से कमतर नहीं है। उनके नेतृत्व में भारत ने 40 टेस्ट मैचों में जीत हासिल की जो इस बात का प्रमाण है कि उन्होंने कितने शानदार तरीके से नेतृत्व किया।

उन्होंने कहा कि हम विराट को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वह भारतीय टीम में अपना योगदान देना जारी रखेंगे। कोहली के नेतृत्व में भारत ने 2018 में आस्ट्रेलिया में पहली टेस्ट श्रृंखला और वेस्टंडीज में श्रृंखला जीती तथा टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक स्थान हासिल किया। उनकी अगुवाई में टीम 2021 में पहली आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची थी। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि विराट जैसा क्रिकेटर युगों में एक बार पैदा होता है और भारतीय क्रिकेट भाग्यशाली है कि उसे उनके जैसा कप्तान मिला। उन्होंने जुनून और आक्रामक अंदाज में टीम की कप्तानी की तथा देश और विदेश में भारत की कई यादगार जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कोहली टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक जीत दर्ज करने वाले कप्तानों की सूची में दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ (53) तथा आस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग (48) और स्टीव वॉ (41) के बाद चौथे स्थान पर हैं। कोषाध्यक्ष अरुण सिंह धूमल ने कहा कि अपने कभी हार नहीं मानने के जज्बे के साथ एक कप्तान के रूप में विराट ने टीम पर सब कुछ न्योछावर कर दिया और उनका शानदार रिकॉर्ड इसकी कहानी बयां करता है।

ऐसा कप्तान जो हर हाल में जीत दर्ज करना चाहता

नई दिल्ली। भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान विराट कोहली टीम को हर हाल में जीत दिलाने के लिए प्रयासरत रहे जिसमें हार का जोखिम उठाना और पांच गेंदबाजों को खिलाना शामिल रहा। आस्ट्रेलिया में श्रृंखला के बीच में 2014 में एम एस धोनी से टेस्ट कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने वाले कोहली ने पांच दिवसीय प्रारूप में भारत के खेलने का तरीका बदल दिया।

एडीलेड टेस्ट में चोटिल धोनी की जगह भरते हुए कोहली ने एक बार भी ड्रा के बारे में नहीं सोचा जबकि पांचवें दिन भारत को 98 ओवर में जीत के लिए 364 रन की दरकार थी। उनके आक्रामक रवैए का असर पूरी टीम पर हुआ जो जीत के करीब पहुंचकर मैच 48 रन से हार गई। इस हार ने उनके कप्तान के तौर पर सात साल के कार्यकाल में विदेशों में कई यादगार जीत के बीज बो दिए थे।

साथी क्रिकेटरों ने कहा

कोहली करिश्माई कप्तान

भाषा। नई दिल्ली

अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने विराट कोहली के टेस्ट कप्तानी के शानदार कार्यकाल का सारांश देते हुए कहा, एक कप्तान के रूप में आपकी विरासत आपके द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप होगी।

भारतीय क्रिकेट टीम के अन्य सदस्यों ने भी कोहली के जज्बे की सराहना करते हुए उन्हें करिश्माई कप्तान करार दिया। कोहली को 2014–15 में ऑस्ट्रेलिया दौरे के बीच में महेंद्र सिंह धोनी के इस्तीफे के बाद कप्तान नियुक्त किया गया था। उन्होंने शनिवार को टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ने की घोषणा की।

वह टेस्ट में भारत के सबसे सफल कप्तान है। 33 साल के इस खिलाड़ी ने कप्तान के रूप में 68 मैचों में 40 में जीत दर्ज की, जिसमें ऑस्ट्रेलिया और पिछले साल इंग्लैंड में सफलता उनके कार्यकाल के मुख्य आकर्षण रहे। यह कोहली के नेतृत्व में भारतीय टीम सभी परिस्थितियों में मजबूत ताकत बनकर उभरी और उसने विदेशों में लगातार जीत हासिल करना शुरू किया। अश्विन ने ट्वीट किया, क्रिकेट कप्तानों के बारे में हमेशा उनके रिकॉर्ड और जीत दर्ज करने के तरीके के बारे में बात की जाती है, लेकिन एक कप्तान के रूप में आपकी विरासत उस तरह के मानकों को दर्शाएगी जो आपने तय किए हैं। लोग ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और श्रीलंका में जीत के बारे में बात करेंगे।

उन्होंने कहा कि जीत सिर्फ एक परिणाम है और बीज हमेशा फसल से पहले अच्छी तरह से बोए जाते हैं। आपने जो बीज बोने में कामयाबी हासिल की है, वह उस तरह का मानक है जिसे आपने अपने लिए निर्धारित किया है और हम बाकी लोगों के साथ भी ऐसी ही अपेक्षा की जाती है। अश्विन ने आगे लिखा कि बहुत अच्छा विराट कोहली।

आपने अपने उत्तराधिकारी के लिए जो मानक छोड़े है वह कप्तान के रूप में आपके कार्यकाल से मेरी सबसे बड़ी सीख है।

पंत को मिले टेस्ट की कमानः गावस्कर

भाषा। नई दिल्ली

महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर चाहते हैं कि ऋषभ पंत भारत के अगले टेस्ट कप्तान के तौर पर विराट कोहली की जगह लें क्योंकि उनका मानना है कि जिम्मेदारी का भाव इस विकेटकीपर को खेल के सभी प्रारूपों में बेहतर क्रिकेटर बनाएगा। कोहली ने शनिवार की शाम भारतीय टीम की टेस्ट कप्तानी छोड़कर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया। गावस्कर ने कहा कि वह पंत को तरजीह देंगे क्योंकि चयनकर्ताओं के लिए खेल के सभी प्रारूपों में वह पहली पसंद होगा।

गावस्कर ने कहा कि जहां तक चयन समिति का संबंध है तो भारतीय क्रिकेट को कौन आगे ले जाएगा, इसे लेकर काफी बहस होने वाली है। पहली बात तो, वह ऐसा खिलाड़ी होना चाहिए जिसका चयन खेल के सभी प्रारूपों के लिए स्वत: ही होना चाहिए। एक बार ऐसा होता है तो यह काफी आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा, अगर आप मुझे पूछोगे तो मैं फिर भी यही कहूंगा कि मैं ऋषभ पंत को अगले भारतीय कप्तान के तौर पर देखना चाहूंगा। गावस्कर ने कहा कि सिर्फ एक कारण से, जैसे रोहित शर्मा को रिकी पोंटिंग के पद से हटने के बाद मुंबई इंडियंस की कप्तानी दी गई, तो देखिए इसके बाद उसकी (रोहित) बल्लेबाजी में कितना बदलाव हुआ।

अचानक से कप्तान की जिम्मेदारी से उसने 30, 40 और 50 रन की खूबसूरत पारियों को शतक, 150 रन और 200 रन में बदल दिया। गावस्कर ने कहा कि मुझे लगता है कि यह जिम्मेदारी का भाव ऋषभ पंत को न्यूलैंड्स में बनाए गए शानदार शतक जैसी पारियां खेलने में मदद करेगा। गावस्कर ने इस पर अपना तर्क बताते हुए मंसूर अली खान पटौदी का उदाहरण दिया जिन्होंने छोटी उम्र में कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने के बाद अपार सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि हां, मैं ऐसा कह रहा हूं। टाइगर पटौदी 21 साल की उम्र में विपरीत परिस्थितियों में कप्तान बने थे तब नारी कांट्रेक्टर चोटिल हो गए थे। देखिए उन्होंने इसके बाद क्या किया। उन्होंने कप्तान बनने के बाद सफलता हासिल की।

गावस्कर ने कहा कि मुझे लगता है कि हमने आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान के तौर पर भी ऋषभ पंत में ऐसा ही देखा, मेरा मानना है कि उसमें भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने और इसे देखने के लिए रोमांचक टीम बनाने की काबिलियत है।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने से मनोबल बहुत बढ़ेगाः बावुमा

भाषा। केपटाउन

दक्षिण अफ्रीका के सीमित ओवरों के कप्तान तेम्बा बावुमा का मानना है कि भारत के खिलाफ तीन मैचों की आगामी एकदिवसीय श्रृंखला में जीत से घरेलू टीम के आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी।

भारतीय टीम ने पिछली बार 2018 में दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया था और छह मैचों की श्रृंखला में 5–1 से जीत दर्ज की थी। यह दक्षिण अफ्रीका में एकदिवसीय श्रृंखला में भारत की पहली जीत थी।

बावुमा ने कहा कि हमें भारत के खिलाफ अगली वनडे सीरीज में चीजों को ठीक करना होगा। 2018 की श्रृंखला में जो हुआ मैं उससे बहुत चिंतित नहीं हूं। मैं अपनी खेल शैली को स्थापित करने और अपनी रणनीति को अच्छे प्रभाव से लागू करने के बारे में अधिक चिंतित हूं।

आस्ट्रेलिया ने एशेज श्रृंखला 4-0 से जीती

●इंग्लैंड आखिरी टेस्ट 146 रनों से हारा

एपी। होबार्ट

ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें टेस्ट मैच को दो दिन शेष रहते रविवार को यहां 146 रन से जीतकर एशेज श्रृंखला में इंग्लैंड को 4–0 के प्रभावशाली अंतर से पछाड़ दिया। इंग्लैंड को चौथी पारी में जीत के लिए 271 रन का लक्ष्य मिला था लेकिन पहले विकेट के लिए जैक क्रॉले (36) और रोरी बर्न्स (26) के बीच 68 रन की साझेदारी के बावजूद टीम दिन के अंतिम सत्र में 124 रन पर आउट हो गई।

इंग्लैंड ने 56 रन के अंदर सभी 10 विकेट गंवा दिए। तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड (18 रन पर तीन विकेट) और कैमरन ग्रीन (21 रन पर तीन विकेट) अपनी पहली एशेज श्रृंखला में प्रभाव छोड़ने में कामयाब रहे। दोनों ने घसियाली पिच पर छह विकेट साझा करके तीसरे दिन ही मैच ऑस्ट्रेलिया के नाम कर दिया।

इंग्लैंड की पहली पारी भी महज 188 रन पर सिमट गई थी। आस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 303 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने भी 42 रन देकर तीन विकेट लिए। तीसरे दिन कुल 17 विकेट गिरे। आस्ट्रेलिया के लिए पहली पारी में 101 रन बनाने वाले ट्रेविस हेड मैन ऑफ द मैच रहे। वह श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (357 रन) भी चुने गए।

इससे पहले तेज गेंदबाज मार्क वुड ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 37 रन देकर छह विकेट लिए जिससे इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया की दूसरी पारी को 155 रन पर समेट दिया। आस्ट्रेलिया ने इस दिन रात्रि टेस्ट मैच के तीसरे दिन तीन विकेट पर 37 रन से आगे खेलना शुरू किया लेकिन वुड ने नाइटवाचमैन स्कॉट बोलैंड (आठ), अनुभवी स्टीव स्मिथ (27) और पहली पारी के शतकवीर ट्रेविस हेड (आठ) को आउट करके स्कोर छह विकेट पर 63 रन कर दिया।

इसके बाद एलेक्स कैरी (49) और कैमरन ग्रीन (23) ने 49 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। स्टुअर्ट ब्रॉड (42 रन देकर दो) ने ग्रीन पगबाधा करके यह साझेदारी तोड़ी। वुड ने मिशेल स्टार्क (एक) को फारवर्ड शॉर्ट लेग पर कैच कराकर अपना पांचवां विकेट लिया।

ब्रॉड ने कैरी को अर्धशतक पूरा नहीं करने दिया जबकि वुड ने कप्तान पैट कमिन्स (13) को बोल्ड करके आस्ट्रेलियाई पारी का अंत किया। इंग्लैंड की टीम शुरुआती तीन मैच हार कर पहले ही श्रृंखला गंवा चुकी थी।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 45 रन से हराया

अंडर-19 विश्व कप

●विक्की ओस्तवाल ने 28 रन देकर पांच विकेट लिए

भाषा। जॉर्जटाउन

दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते भारतीय खिलाड़ी

चार बार के चैंपियन भारत ने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके दक्षिण अफ्रीका को 45 रन से हराकर अंडर–19 विश्व कप में अपने अभियान की जीत से शुरुआत की। प्रोविडेन्स स्टेडियम में शनिवार को खेले गए मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद कप्तान यश धुल की 82 रन की जिम्मेदारी भरी पारी की मदद से 46.5 ओवर में 232 रन बनाए।

विक्की ओस्तवाल

इसके बाद बाएं हाथ के स्पिनर विक्की ओस्तवाल (28 रन देकर पांच विकेट) और तेज गेंदबाज राज बावा (47 रन देकर चार विकेट) ने अपनी गेंदबाजी का कमाल दिखाया और दक्षिण अफ्रीका को 45.4 ओवर में 187 रन पर ढेर कर दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 233 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज इटहान जॉन कनिंघम (शून्य) का विकेट पहले ओवर में ही गंवा दिया, जिन्हें तेज गेंदबाज राजवर्धन हेंगारगेकर (38 रन देकर एक विकेट) ने पगबाधा आउट किया।

वेलेंटाइन किटाइम (25) और डेवाल्ड ब्रेविस (65) ने इसके बाद दूसरे विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 10 ओवर के बाद एक विकेट पर 38 रन था। किटाइम ने 10वें ओवर में तेज गेंदबाज रवि कुमार पर छक्का और चौका लगाया था। ब्रेविस और किटाइम ने इसके बाद बावा के अगले ओवर में 17 रन जुटाए। जब ए दोनों हावी होने की कोशिश कर रहे थे तब ओस्तवाल ने किटाइम को विकेटकीपर दिनेश बाना के हाथों कैच कराकर साझेदारी तोड़ी।

ओस्तवाल ने 21वें ओवर में जीजे मारी (आठ) को विकेट के पीछे कैच कराकर स्कोर तीन विकेट पर 83 रन कर दिया। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका को संभलने का मौका नहीं दिया।

बावा ने 36वें ओवर में ब्रेविस को कप्तान धुल के हाथों कैच कराया जिसके बाद दक्षिण अफ्रीकी पारी ढहने में समय नहीं लगा। कप्तान जार्ज वान हीरडेन ने 36 रन बनाए लेकिन इससे वह हार का अंतर ही कम कर पाए।

इससे पहले भारतीय टीम ने 11 रन के स्कोर पर सलामी बल्लेबाजों अंगकृष रघुवंशी (पांच) और हरनूर सिंह (एक) के विकेट गंवा दिए थे। धुल और शेख राशिद (31) ने तीसरे विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला। धुल अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, उन्होंने रन आउट होने से पहले 100 गेंद की अपनी पारी में 11 चौके लगाए। उन्होंने एक छोर संभाले रखा। इस बीच निशांत सिंधू ने 25 गेंद में 27 रन की उपयोगी पारी खेली लेकिन ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सके। राज बावा (13) और धुल के आउट होने के बाद कौशल ताम्बे ने जिम्मेदारी संभाली तथा 35 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका के लिए मैथ्यू बोस्ट ने तीन जबकि अपाइव मयांडा और ब्रेविस ने दो–दो विकेट लिए।

यूएई, आयरलैंड और जिम्बाब्वे ने दर्ज की आसान जीत

बासेटेरे। कप्तान मिहिर पटेल के 96 रन की पारी के बावजूद कनाडा को ग्रुप ए के अपने पहले मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से 49 रन से हार का सामना करना पड़ा। यूएई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पुण्य मेहरा (76 गेंदों पर 71 रन) और अली नासिर (50 गेंदों पर 73 रन) की अर्धशतकीय पारियों तथा नीलांश केश्वानी (39) और कप्तान अलीशान शराफु (37) के उपयोगी योगदान से शुरुआती झटकों से उबरकर निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 284 रन बनाए। इसके जवाब में कनाडा की टीम 46.5 ओवर में 235 रन पर आउट हो गई। कनाडा की तरफ से पटेल के अलावा विकेटकीपर अनूप चीमा (46) और कैरव शर्मा (43) ही कुछ योगदान दे पाए। यूएई की तरफ से केशवानी, शराफु, आदित्य शेट्टी और जैश गियानानी ने दो–दो विकेट लिए। इस बीच विकेटकीपर जोशुआ कॉक्स के शतक और स्पिनर मैथ्यू हंपरीज की शानदार गेंदबाजी की मदद से आयरलैंड ने ग्रुप बी के मैच में युगांडा को 39 रन से हराया।आयरलैंड ने कॉक्स के 113 गेंदों पर 111 रन की मदद से नौ विकेट पर 236 रन बनाए। इसके जवाब में युगांडा की टीम 48.1 ओवर में 197 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से कप्तान पास्कल मुरुंगी ने सर्वाधिक 63 रन बनाए। आयरलैंड की तरफ से बाएं हाथ के स्पिनर हंपरीज ने 25 रन देकर चार विकेट लिए। उधर ग्रुप सी में जिम्बाब्वे ने पापुआ न्यूगिनी को 228 रन से करारी शिकस्त दी। जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान इमानुएल बावा (100) के शतक और डेविड बेनेट के 58 रन की मदद से नौ विकेट पर 321 रन बनाए और फिर पापुआ न्यूगिनी को 35 ओवर में 93 रन पर ढेर कर दिया।

आईओए प्रमुख बत्रा और उनकी पत्नी कोविड-19 पॉजिटिव

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा और उनकी पत्नी कोविड–19 जांच में पॉजिटिव पाए गए हैं। आईओए प्रमुख ने रविवार को यह जानकारी दी। बत्रा और उनकी पत्नी दोनों को कोई लक्षण नहीं हैं। आईओए के शीर्ष अधिकारी ने एक वाट्सएप संदेश में कहा, चेतना और मैं आज 16 जनवरी को कोविड–19 पॉजिटिव आए हैं, हमें कोई लक्षण नहीं हैं।

बत्रा ने कहा कि हमें 22 जनवरी शनिवार तक पृथकवास में रहने को कहा गया है। हम फोन पर उपलब्ध हैं।

बत्रा ने हाल में बुधवार को यहां 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वींस बेटन रिले कार्यक्रम में शिरकत की थी जिसमें तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता पहलवान रवि दहिया ने रिले की शुरूआत की थी।

लक्ष्य सेन ने जीता एकल खिताब

इंडिया ओपन बैडमिंटन

●सात्विक-चिराग बने युगल विजेता

भाषा। नई दिल्ली

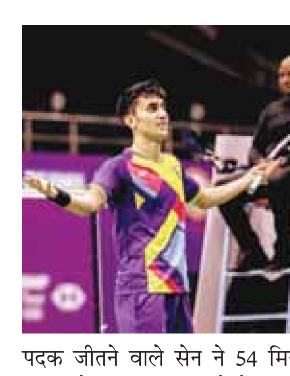

भारत के लक्ष्य सेन रविवार को यहां पुरुष एकल फाइनल में सिंगापुर के मौजूदा विश्व चैंपियन लोह कीन यू पर सीधे गेम में शानदार जीत के साथ इंडिया ओपन बैडमिंटन के विजेता बने। यह 20 साल के इस भारतीय खिलाड़ी का सुपर 500 स्तर के प्रतियोगिता का पहला खिताब है।

इससे पहले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी इंडोनेशिया के तीन बार के विश्व चैंपियन मोहम्मद अहसान और हेंड्रा सेतियावान की जोड़ी पर सीधे गेम में शानदार जीत दर्ज करते हुए इंडिया ओपन जीतने वाली देश की पहली जोड़ी बनी। पिछले महीने स्पेन में विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले सेन ने 54 मिनट तक चले फाइनल मुकाबले में पांचवीं वरीयता प्राप्त शटलर को 24–22, 21–17 को हराया। विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज इस भारतीय जोड़ी ने मजबूत मानसिकता और जज्बा दिखाते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया की जोड़ी को 43 मिनट में 21–16, 26–24 से हराकर नए सत्र की शानदार शुरुआत की।

यह सेन के करियर का सबसे बड़ा खिताब है। उन्होंने 2019 में डच ओपन और सारलोरलक्स ओपन के रूप में दो सुपर 100 खिताब जीते है। इसी साल बेल्जियम, स्कॉटलैंड और बांग्लादेश में तीन इंटरनेशनल चैम्पियन का खिताब भी उन्होंने जीता है। इसके बाद कोविड–19 के प्रकोप ने उनकी प्रगति को रोक दी थी। सात्विक और चिराग इस मैच से पहले इंडोनेशिया की इस जोड़ी के खिलाफ चार मुकाबलों में सिर्फ एक जीत दर्ज कर सके थे। कोविड–19 जांच में गलत पॉजिटिव नतीजे के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने के खतरे का सामना करने के बाद इस जोड़ी ने खिताब जीतकर मजबूत मानसिकता का परिचय दिया है।

आस्ट्रेलियाई ओपन नहीं खेल पाएंगे जोकोविच

अदालत में निर्वासन के आदेश को चुनौती देने वाली अपील खारिज

एपी। मेलबर्न

नोवाक जोकोविच ने रविवार को यहां कहा कि अदालत में निर्वासन के आदेश को चुनौती देने वाली उनकी अपील खारिज होने से वह निराश हैं और स्वीकार किया कि आस्ट्रेलियाई ओपन में खेलने की उनकी उम्मीदें खत्म हो गई हैं।

फेडरल कोर्ट के तीन जजों ने रविवार को सर्बिया के 34 वर्षीय खिलाड़ी के वीजा को कोविड–19 के लिए टीकाकरण नहीं कराने के कारण जनहित के आधार पर रद्द करने के आव्रजन मंत्री अलेक्स हॉक के शुक्रवार को लिए गए फैसले को बरकरार रखा।

इसके तुरंत बाद दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी ने बयान जारी किया। जोकोविच ने कहा कि मैं वीजा रद्द करने के मंत्री के फैसले की न्यायिक समीक्षा के लिए किए गए मेरे आवेदन को खारिज करने के अदालत के निर्णय से बेहद निराश हूं, जिसका अर्थ है कि मैं आस्ट्रेलिया में नहीं रह सकता और आस्ट्रेलियाई ओपन में भाग नहीं ले सकता हूं। उन्होंने कहा कि मैं अदालत के फैसले का सम्मान करता हूं और देश से अपनी वापसी को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ सहयोग करूंगा। जोकोविच ने कहा कि छह जनवरी को मेलबर्न पहुंचने पर पहली बार उनका वीजा रद्द किए जाने के बाद सभी का ध्यान उन पर था जिससे वह असहज महसूस कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि अब सभी का ध्यान उस खेल और टूर्नामेंट पर केंद्रित होगा जिसे मैं प्यार करता हूं। जोकोविच ने कोविड–19 के लिए टीकाकरण नहीं करवाया है और इस अदालत के आदेश के बाद उन्हें निर्वासित होने तक मेलबर्न में नजरबंद रहना पड़ सकता है। यदि अदालती कार्रवाई से नहीं रोका जाए तो आदेश के बाद जितना जल्दी संभव हो सके व्यक्ति को निर्वासित होना पड़ता है।

सरकार ने यह नहीं बताया है कि जोकोविच कब जाएंगे। आमतौर पर निर्वासन के आदेश का मतलब व्यक्ति तीन साल तक वापस आस्ट्रेलिया नहीं लौट सकता है। मुख्य न्यायाधीश जेम्स ऑलसॉप ने कहा कि यह फैसला इस पर निर्भर करता है कि क्या मंत्री का निर्णय तर्कहीन या कानूनी रूप से अनुचित था।

सानिया-किचेनोक के सामने जिदानसेक-जुवान की चुनौती

मेलबर्न। अनुभवी भारतीय टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा और यूक्रेन की उनकी जोड़ीदार नादिया किचेनोक को आस्ट्रेलियाई ओपन के महिला युगल वर्ग में 12वीं वरीयता मिली है, जहां पहले दौर में उनके सामने स्लोवेनिया की मजबूत एकल खिलाड़ी काजा जुवान और तमारा जिदानसेक की जोडी की चुनौती होगी। सानिया और किचेनोक ने साल के शुरुआती ग्रैंड स्लैम में आने से पहले एडीलेड डब्ल्यूटीए की दो स्पर्धाओं में भाग लिया है, जहां पहले में वे सेमीफाइनल तक पहुंचे और दूसरे में उनकी जोड़ी पहले दौर में ही बाहर हो गई थी।

जिदानसेक एकल रैंकिंग में 29वें स्थान पर है जबकि जुवान भी 89वें रैंकिंग के साथ शीर्ष–100 में शामिल खिलाड़ी हैं।